राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 64

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, सोमवार, 12 अगस्त, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

ट्रंप पर जहां हुआ था हमला कमला हैरिस वहां भी आगे

>> 11

स्वतंत्रता के सारथी

शासन की तंद्रा तोड़ने के साथ भ्रष्टाचार पर भी प्रहार

शिवहर : शिवहर के मुकुंद ने अन्ना हजारे से प्रभावित हो जनहित के मुद्दों को उठाना शुरू किया। 10 वर्षों में पांच हजार से अधिक आवेदन लगाकर कई मामलों में भ्रष्टाचार उजागर करने के साथ विकास कार्यों को भी तेजी दी है। ● पेज-6

संपादकीय

भारतीय कृषि का अमृतकाल : मोदी सरकार में किसानों को सशक्त बनाने के लिए बीज से लेकर बाजार तक हर वह फैसला लिया गया, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। **शिवराज सिंह चौहान** का आलेख।

जमीन पर उतरती नई शिक्षा नीति : नई शिक्षा नीति तभी साकार रूप ले सकेगी जब उसके अनुरूप पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध होंगी। **बदी नारायण** का दृष्टिकोण।

● पेज-8

विमर्श

बांग्लादेश में सनातन संस्कृति की रक्षा : बीते सप्ताह बांग्लादेश में तख्तापलट के पश्चात मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। इस बीच वहां हिंदू समुदाय के लोगों पर अत्याचार किए गए जो कमोबेश अब भी जारी हैं। **अमिय भूषण** का आलेख।

तैयार हो रही एक और घमासान की जमीन : भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश में निराशा से उबरने का यह बड़ा अवसर है तो सपा-कांग्रेस के लिए यह साबित करने की चुनौती कि लोकसभा चुनाव की सफलता उसके लिए महज संयोग नहीं थी और उसका जनाधार बढ़ रहा है, इसलिए घमासान तगड़ा होगा और अखाड़ा बनेंगे वे 10 विधानसभा क्षेत्र जहां उपचुनाव होना है। **हरिशंकर मिश्र** की डायरी। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

विभाजन विभीषिका के संवेदी आख्यान

शिव के प्रिय राग

● पेज-13

कोटे में कोटा : कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल करेगी लोजपा

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा (राम विलास) के नेता चिराग पासवान विभिन्न दलों के अनुसूचित जातियों के सांसदों की बैठक बुलाने की योजना बना रहे हैं। एससी जातियों के उप-वर्गीकरण की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका दाखिल करने से पूर्व वह समर्थन जुटा रहे हैं। (पेज-3)

मणिपुर में हिंसा : बम धमाके में पूर्व विधायक की पत्नी की मौत

इंफाल, प्रेट्र : मणिपुर में हिंसा ने फिर जोर पकड़ लिया है। कांगपोकपी जिले में सैकुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप की पत्नी की एक बम धमाके में मौत हो गई। इसके अलावा, इस पूर्वोत्तर राज्य के तेंगनौपाल जिले में कुकी समुदाय के एक गुट की उसी समुदाय के उग्रवादियों से गोलीबारी में कुल चार लोग मारे गए हैं। (पेज-6)

पेरिस ओलिंपिक की कसक को लास एंजिलिस में करेंगे दूर

जेएनएन, नई दिल्ली

26 जुलाई को शुरू हुए पेरिस ओलिंपिक का रविवार को समापन हो गया। 10 हजार से ज्यादा एथलीटों ने दो हफ्ते से ज्यादा चले 32 खेलों की 329 पदक स्पर्धाओं में दम दिखाया। 2021 टोक्यो ओलिंपिक में एक स्वर्ण सहित सात पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले भारतीय एथलीट पेरिस में भी नया इतिहास रचने उतरे थे, पर उनका अभियान एक रजत और पांच कांस्य पदक संग समाप्त हुआ। 140 करोड़ देशवासियों को पेरिस में कम से कम 10 पदक जीतने की आशा थी। उम्मीद टूटने के बीच कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन लंबे समय तक याद रहेगा।

पेरिस में भारत के पदक विजेता

नीरज चोपड़ा (भाला फेंक)	रजत
मनु भाकर (निशानेबाजी)	कांस्य
सरबजोत, मनु (निशानेबाजी)	कांस्य
स्वप्निल कुसाले (निशानेबाजी)	कांस्य
अमन सहरावत (कुश्ती)	कांस्य
भारतीय हाकी टीम	कांस्य

6 पदक जीते भारत ने एक रजत और पांच कांस्य सहित

2 पदक एक ओलिंपिक में जीतने वाली मनु भाकर पहली खिलाड़ी बनीं

52 वर्ष बाद हाकी टीम ने ओलिंपिक में लगातार दो कांस्य पदक जीते

स्टार भाला फेंक नीरज चोपड़ा का स्वतंत्रता के बाद लगातार दो ओलिंपिक में स्वर्ण और रजत जीतने वाला पहला खिलाड़ी बनना हो या निशानेबाज मनु भाकर का एक ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनना। 52 वर्ष बाद हाकी टीम का लगातार दो ओलिंपिक पदक जीतना हो या अमन सहरावत का ओलिंपिक पदक जीतने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बनना। वहीं छह स्पर्धाओं में हम मामूली अंतर से कांस्य पदक से चूक गए। अगर ये पदक जीत जाते तो कुल पदकों के मामले में हम टोक्यो को पीछे छोड़ सकते थे, लेकिन पेरिस में स्वर्ण नहीं जीत पाने की कसक हमेशा ही रहेगी। पेरिस के प्रदर्शन से हमारे एथलीटों ने दिखाया कि 2028 लास एंजिलिस ओलिंपिक में वे इस कसक को दूर करने का प्रयास करेंगे। संबंधित >> पेज-12

मैं पेरिस ओलिंपिक खेलों के समापन पर भारतीय दल के मेहनत की सराहना करता हूं। सभी एथलीटों ने अपना यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और हर भारतवासी को उन पर गर्व है। हमारे खिलाड़ियों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं।' – नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

ओलिंपिक के पदक विजेता मनु भाकर, सरबजोत, अमन सहरावत, नीरज चोपड़ा, स्वप्निल कुसाले व हाकी टीम। एएनआइ

चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूके

- मनु भाकर (25 मीटर रैपिड पिस्टल)
- अर्जुन बबूता (10 मीटर एयर राइफल)
- मीराबाई चानू (भारोतोलन 49 किग्रा)
- लक्ष्य सेन (बैडमिंटन पुरुष सिंगल्स)
- अंकिता-धीरज (तीरंदाजी मिक्स्ड टीम)
- अनंतजीत-महेश्वरी (निशानेबाजी मिक्स्ड स्कीट टीम)

पदक पर भारी पड़ा 100 ग्राम भार

कुश्ती में विनेश फोगाट के 50 किग्रा वर्ग में पहुंचने के साथ ही कम से कम रजत पदक पक्का हो गया था, लेकिन 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण विनेश को अयोग्य घोषित कर दिया गया। हालांकि विनेश ने इस निर्णय के विरुद्ध खेल पंचाट में अपील की है, जिस पर निर्णय मंगलवार को आएगा।

बांग्लादेश में सेना पर हमला, चार अफसरों समेत नौ घायल

एक वाहन जलाया, दो में तोड़फोड़, फायरिंग के बाद स्थिति नियंत्रित

जेएनएन, नई दिल्ली

- हिंसा और अराजकता के दौर में हिंदुओं के चार गांवों को जलाए जाने की सूचना
- हजारों भयभीत अल्पसंख्यक और अवामी लीग समर्थक छिपकर काट रहे हैं दिन
- अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, हिंदुओं पर रोके जाएं हमले

बांग्लादेश में हिंसा और अराजकता का माहौल बरकरार है। रविवार को गोपालगंज इलाके में सेना के गश्ती वाहनों पर हमला हो गया। इस हमले में चार अधिकारियों और पांच सैनिकों के घायल होने की सूचना है। हमले में सेना के एक वाहन को जला दिया गया जबकि दो वाहन तोड़फोड़ के शिकार हुए हैं। सेना को स्थिति नियंत्रित करने के लिए फायरिंग करनी पड़ी। सेना के जनसंपर्क निदेशालय ने इस हमले की पुष्टि की है। देश के दूरदराज के इलाकों से भी अब हिंदुओं और अवामी लीग के कार्यालयों पर हमलों की सूचनाएं आ रही हैं। ये हमले चार, पांच और छह अगस्त को हुए। इसी दौरान दिनाजपुर जिले में हिंदुओं के चार गांवों को जला दिया गया। देश में हजारों लोग भय के वातावरण में छिपकर रहने के लिए मजबूर हैं। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले रोके जाएं।

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को हटाने के लिए हुए आंदोलन के दौरान हुई हिंसा व उपद्रव से देश की कानून व्यवस्था भंग हो गई थी। आंदोलनकारियों के इशारे पर बनी और कार्य कर रही अंतरिम सरकार विश्वास और सुरक्षा व्यवस्था कायम करने सफल नहीं हुई है। 50 पुलिसकर्मियों के मारे जाने और सैकड़ों के घायल होने के बाद पुलिसकर्मी थाने छोड़कर भाग गए थे जिससे देश के ज्यादातर थाने खाली पड़े हैं।

अंतरिम सरकार सेना की निगरानी में थानों में पुलिसकर्मियों की वापसी करवा रही है। इसी माहौल में ढाका-गोपालगंज राजमार्ग पर जाम लगाए जाने की सूचना पाकर सेना का गश्ती दल गोपीनाथपुर कस्बे में पहुंचा था। जब सैन्यकर्मियों ने जाम खुलवाने की कोशिश की तो भीड़ ने सैन्यकर्मियों पर पथराव के बाद धारदार हथियारों से हमला बोल दिया। हमले में सेना के चार अधिकारी व पांच सैनिक घायल हुए हैं। इसके बाद सैन्यकर्मियों ने फायरिंग कर लोगों को भगाया। सूचना मिलने पर अतिरिक्त सैन्य टुकड़ी मौके पर पहुंची जिसके बाद स्थिति नियंत्रण में आई। सेना की गोली से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

कनाडा के टोरंटो में रविवार को बांग्लादेश में हिंदुओं पर की गई हिंसा के विरोध में एकजुटता दिखाने के साथ प्रदर्शन करते लोग। एएनआइ

हिंदुओं पर हमले का विश्व भर में विरोध

एएनआइ : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के विरोध में विश्व भर में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। रविवार को अमेरिका के राष्ट्रपति के कार्यालय-आवास व्हाइट हाउस के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्रित होकर हिंदुओं पर हमले पर विरोध जताया और मामले में अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग की।

प्रदर्शनकारी हिंदुओं की संपत्तियों और मंदिरों पर हमले के दोषियों को गिरफ्तार किए जाने की भी मांग कर रहे थे। इनमें से बहुत से लोगों ने वी वांट जस्टिस... के नारे वाले पोस्टर हाथों में ले रखे थे। इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन वाशिंगटन के अन्य इलाकों, मेरीलैंड, वर्जीनिया और न्यूयार्क में भी होने की सूचना है। शनिवार को न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय के बाहर हिंदुओं पर हमले के विरोध में प्रदर्शन हुआ था। रविवार को लंदन में ब्रिटिश संसद के बाहर हिंदुओं पर हमले के विरोध में प्रदर्शन हुआ है। यहां पर बांग्लादेश में हिंदुओं और मंदिरों पर हमलों की कड़ी निंदा की गई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। हमलों के विरोध में ब्रिटेन में शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन हुए थे।

इस बीच हमले के शिकार हुए बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के लोग चटगांव में रविवार को फिर से सड़कों पर उतरे और हमला करने वालों को दंडित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश उनकी मातृभूमि है और वे उसे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। इस माहौल में अमेरिकी संस्था द विल्सन सेंटर ने कहा है कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के लंबे समय तक रहने पर वहां सेना का राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ जाएगा जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा। संस्था ने बांग्लादेश में जल्द चुनाव की आवश्यकता जताई है।

सेना और बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार ने राजमार्ग पर जाम लगाने का कारण स्पष्ट नहीं किया है। इस बीच बांग्लादेश के अंतरिम सरकार ने भ्रामक सूचनाएं प्रसारित कर रहे मीडिया को कार्रवाई की चेतावनी दी है। कहा है कि गलत सूचनाएं देने वाले अखबारों और टीवी चैनलों ने कामकाज में सुधार नहीं किया तो उन्हें बंद करा दिया जाएगा।

अमेरिका ने सेंट मार्टिन द्वीप के लिए कराया तख्तापलट : शेख हसीना पेज>>11

भारत में घुसपैठ करते पकड़े गए 11 बांग्लादेशी नागरिक पेज>>11

हिंडनबर्ग का आरोप तथ्यहीन : सेबी प्रमुख

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- माधबी बुच ने कहा, हिंडनबर्ग ने भारत के कई नियमों का उल्लंघन किया है
- कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं देकर अब वह मेरा चरित्र हनन कर रहा
- सेबी ने निवेशकों से सोच-समझकर बाजार में प्रतिक्रिया देने के लिए कहा
- अदाणी समूह ने आरोप को दुर्भावना से प्रेरित और नुकसानदेह बताया

सेबी की प्रमुख माधबी बुच। फाइल/प्रेट्र

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने हिंडनबर्ग रिसर्च के हितों के टकराव के आरोप को बेबुनियाद और तथ्यहीन करार दिया है। वहीं अदाणी समूह ने भी नए आरोप को बदले की भावना से प्रेरित, दुर्भावनापूर्ण और नुकसानदेह बताते हुए कहा कि हिंडनबर्ग ने अपने फायदे के लिए इस प्रकार के आरोप लगाए हैं।

हिंडनबर्ग एक शार्ट-सेलिंग कंपनी है, जो इस प्रकार के आरोप लगाकर बाजार में शार्ट-सेलिंग कर मुनाफा कमाने का काम करती है। पिछले साल जनवरी में भी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर शेयर भाव को मैनुपुलेट करने और उसमें हेराफेरी का आरोप लगाया था। इससे अदाणी समूह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) में लगभग 12 लाख करोड़ तक की गिरावट आई थी और अदाणी समूह को अपना एफपीओ वापस लेना पड़ा था। तब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेबी को इस मामले की जांच सौंपी गई थी। सेबी ने अदाणी समूह को हेराफेरी व मैनुपुलेशन से जुड़े 22 आरोपों में क्लीन चिट दे दी थी। सेबी ने इस मामले में हिंडनबर्ग रिसर्च को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसका जवाब अब तक उसने नहीं दिया है।

बुच ने अपने जवाब में कहा है कि हिंडनबर्ग जिस विदेशी फंड में निवेश का आरोप लगा रही है, वह वर्ष 2015 में किया गया था, जब वे दोनों सिंगापुर में रह रहे थे। यह निवेश सिटी बैंक, जेपी मार्गन जैसी कई कंपनियों में काम कर चुके इन्वेस्टमेंट आफिसर अनिल आहुजा के कहने पर किया गया था, जो धवल के बचपन के दोस्त हैं। आहुजा ने उन्हें आश्वस्त किया कि अदाणी समूह के किसी बांड या शेयर में उनका निवेश नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग ने भारत के कई नियमों का उल्लंघन किया है, जिसे लेकर उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। हिंडनबर्ग इसका जवाब नहीं देकर उनके चरित्र का हनन करने लग गया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। अदाणी समूह ने भी बुच परिवार के साथ व्यावसायिक रिश्ता होने इन्कार किया है और कहा है कि हिंडनबर्ग ने जानबूझकर उनकी छवि को दागदार करने के लिए ये आरोप लगाए हैं।

इस बीच, सेबी ने निवेशकों से कहा है कि वे हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट पर विचलित न होकर शांत रहें और सोच-समझकर बाजार में प्रतिक्रिया दें। सेबी ने कहा कि हिंडनबर्ग ने उस पर अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। सच्चाई यह है कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। अध्यक्ष माधबी बुच ने समय-समय पर प्रासंगिक जानकारी दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा। सेबी ने बताया कि मार्च 2024 में एक और आरोप की जांच पूरी हो गई और बचे हुए एक और आरोप की जांच पूरी होने वाली है।

शार्ट-सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में लगाए हैं कई आरोप पेज>>3

विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार से की सेबी प्रमुख को हटाने की मांग पेज>>3

उत्तर प्रदेश में बसपा ने तेज कीं उपचुनाव की तैयारियां

लखनऊ : आमतौर पर उपचुनाव से दूरी बनाने वाली बसपा ने उत्तर प्रदेश की 10 विस सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश कार्यालय में रविवार को वरिष्ठ पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों के साथ बैठक में बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा कि पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। प्रदेश में मिल्कीपुर, करहल, शीशामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवा, कटेहरी, खैर और मीरापुर सीट पर उपचुनाव होना है। (पेज-4)

किश्तवाड़ के बाद अब ऊधमपुर में मुठभेड़, आतंकी फिर भागे

जम्मू : 24 घंटे के भीतर अनंतनाग के बाद किश्तवाड़ और अब ऊधमपुर के बसंतगढ़ में सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों के प्रहार, घने जंगलों के बीच धुंध और अंधेरे का फायदा उठा कर आतंकी भाग निकले। तीनों मुठभेड़ के बाद आतंकियों के सफाए के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है। रविवार तड़के किश्तवाड़ में प्यास के घने जंगल में कुछ देर तक आतंकियों व सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। (पेज-6)

पीएम ने जारी कीं 61 फसलों की 109 उन्नत किस्में

- धान की नौ, गन्ना-तिलहन की सात-सात व बागवानी की 40 किस्में शामिल
- सभी किस्में पोषणयुक्त हैं, जिन्हें जलवायु के अनुकूल विकसित किया गया है

नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में रविवार को उच्च पैदावार वाली 61 फसलों की 109 उन्नत किस्में जारी किए जाने के दौरान चर्चा करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान। प्रेट्र >>

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

देश में कम जमीन में अधिक पैदावार लेने और किसानों की आय बढ़ाने की पहल को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्में जारी कीं। इनमें धान की नौ, गन्ना एवं तिलहन की सात-सात एवं बागवानी फसलों की 40 किस्में शामिल हैं। सभी किस्में पोषणयुक्त हैं, जिन्हें जलवायु एवं क्षेत्र के अनुकूल विकसित किया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) में इन पर लंबे समय से काम किया जा रहा था। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों एवं विज्ञानियों से प्राकृतिक खेती की जरूरतों, लाभों एवं जैविक खाद्यान्नों की बढ़ती मांगों पर विमर्श किया।

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को प्रत्येक महीने विकसित की जा रहीं नई किस्मों के लाभ के बारे किसानों को बताया जाना चाहिए, ताकि खेती की लागत में कमी आ सके। सरकार का जोर विज्ञान को खेतों तक पहुंचाने पर है। प्रधानमंत्री ने राजधानी के आइसीएआर परिसर के खेतों में जाकर इन नई किस्मों को जारी किया। इसकी जरूरत पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कृषि में मूल्य संवर्धन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शोध के निष्कर्षों को खेतों तक पहुंचाने के प्रयत्न किए जा रहे हैं। उन्नत बीजों से खेती करने पर किसानों को अधिक लाभ होगा, क्योंकि खेती की लागत कम होगी और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक खेती के साथ-साथ जैविक खेती के प्रति किसानों के बढ़ते विश्वास के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि लोगों ने पोषणयुक्त अनाज होने के चलते जैविक खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल बढ़ा दिया है। इससे मांग में वृद्धि हो रही है। मोटे अनाज की ओर झुकाव इसका उदाहरण है।

कम लागत में अधिक उपज के लिए उन्नत बीज जरूरी

केंद्र सरकार का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण धरती गर्म हो रही है। ऐसे में हमें वैसे बीज की जरूरत है जो जलवायु के अनुकूल हों, अधिक पैदावार दे सकें और जिसकी खेती में कीटनाशकों का प्रयोग कम हो। नई किस्मों को विज्ञानियों ने काफी अनुसंधान के बाद जलवायु और मिट्टी के अनुकूल तैयार किया है। इनमें धान की ऐसी किस्म भी है, जिसकी खेती में 20 प्रतिशत तक कम पानी लगेगा। कीटों का प्रकोप भी कम होगा।

इन फसलों की किस्में जारी पेज>>5

स्वास्थ्य की चिंता

कोर्ट ने जनहित याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब, चार हफ्ते बाद 27 अगस्त को फिर होगी सुनवाई, चीनी, नमक व वसा के स्तर का चेतावनी लेबल लगाने की है मांग

पैकेज्ड फूड पर खास चेतावनी मामले में सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

माला दीक्षित ● जागरण

नई दिल्ली : डायबिटीज, हाई बीपी जैसी बीमारियों से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पैकेज्ड फूड पर चीनी, नमक व संतृप्त वसा (सैचुरेटेड फैट) आदि की मात्रा या स्तर दर्शाने के लिए सामने की ओर एक चेतावनी लेबल प्रदर्शित करने की मांग पर विचार का मन बनाया है। कोर्ट ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थ में सामने चेतावनी लेबल लगाने की अनिवार्यता का निर्देश मांगने वाली एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले में 27 अगस्त को फिर सुनवाई होगी।

ये आदेश प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने गत 29 जुलाई को 3एस एंड अवर हेल्थ सोसायटी संस्था की याचिका पर सुनवाई के बाद जारी किए। संस्था ने वकील राजीव शंकर द्विवेदी के जरिये दाखिल याचिका में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और जीवनशैली से जुड़ी अन्य बीमारियों का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे लेबल को अनिवार्य बनाना जरूरी है। मांग की है कि केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह इस मुद्दे का संज्ञान लेकर पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में चेतावनी लेबल के संबंध में उचित नियम निर्देश जारी करे। याचिका में तेजी से बढ़ते मधुमेह रोग की ओर ध्यान खींचते हुए दावा किया गया है कि यह चुपचाप बढ़ती महामारी हो गई है। लाखों लोग प्रभावित हैं जिससे हेल्थ केयर सिस्टम पर बहुत भार बढ़ रहा है। यह भी कहा गया है कि भारत और दुनिया में गैर संचारी रोगों में व्यापक विस्तार हुआ है। ये बच्चों और वयस्क दोनों को प्रभावित कर रहे हैं। 70 प्रतिशत से ज्यादा मौतें इन बीमारियों से हो रही हैं जिसमें जीवनशैली की बीमारियां शामिल हैं। भारत में इन रोगों से सालभर में 60 लाख लोगों की मौत होने का दावा किया गया है।

याचिका में कहा गया है कि देश में हर चौथा व्यक्ति मधुमेह की चपेट में है। विज्ञानी समुदाय ने जंक फूड के बढ़ते उपयोग से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर, हृदय रोग, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण समय से पहले मृत्यु के खतरे को रेखांकित किया है। ऐसे में अस्वास्थ्यकर उत्पादों का व्यापक व्यापार स्थिति को और खराब कर देता है। इन चीजों को खाने से चीनी, सोडियम, नमक और संतृप्त वसा का सेवन बढ़ जाता है जो वजन के साथ बीमारियों को दावत देता है। पैकेट के सामने लेबलिंग उपभोक्ताओं को उनके आहार के बारे में सूचित विकल्प बनाने में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में काम करेगी। ताकि कंपनियों द्वारा विपणन किए जाने वाले खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सके। ऐसा करना नागरिकों को पैकेज्ड खाद्य और पेय पदार्थों में मौजूद पोषण संबंधी सामग्री और हानिकारक तत्वों को आसानी से पहचानने और समझने में सक्षम बनाएगा।

70 प्रतिशत से ज्यादा मौतें दुनिया में गैर-संचारी और जीवनशैली संबंधी बीमारियों से होती हैं

60 लाख मौतें इन रोगों से भारत में सालभर में होने का दावा, इसलिए सतर्कता जरूरी

****

आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने और हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने के आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
12 अगस्त	33.0	26.0
13 अगस्त	33.0	27.0
नोएडा		
12 अगस्त	32.0	26.0
13 अगस्त	33.0	27.0
गुरुग्राम		
12 अगस्त	31.0	27.0
13 अगस्त	33.0	27.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

तीन दिन तिरंगा रोशनी में नहाए रहेंगे प्रमुख स्मारक

नई दिल्ली: देश अपनी आजादी का जश्न मना रहा है। इस उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान चल रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली के प्रमुख स्मारकों पर तिरंगा रोशनी करने का फैसला किया है। इनमें विश्व धरोहर स्थल कुतुब मीनार, हुमायूं का मकबरा व लालकिला के अलावा पुराना किला, सफदरजंग का मकबरा, जंतर मंतर आदि स्मारक शामिल हैं। इन स्मारकों पर 12 अगस्त से 15 अगस्त तक तीन दिन के लिए तिरंगा रोशनी की जाएगी। (राब्यू)

केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की एक याचिका पर सोमवार को सुनवाई कर सकता है। इसमें उन्होंने मई 2018 में यूट्यूबर ध्रुव राठी का वीडियो 'एक्स' पर साझा करने से संबंधित मानहानि मामले में जारी कई समन को बरकरार रखने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। (जासं)

इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर का चुनाव हुआ संपन्न

नई दिल्ली: इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर (आइसीसी) के लिए मतदान संपन्न हो गया। जानकारी के अनुसार 2,065 में से 949 मत पड़े। जबकि ई-वोटिंग व पोस्टल बैलेट से 461 मत पड़े। सोमवार को मतगणना होगी, संभव होगा तो शाम तक अध्यक्ष व उपाध्यक्ष समेत कुल 11 सदस्यों के चुनाव का परिणाम आ जाएगा। यह चुनाव हर पांच वर्ष में होता है। अध्यक्ष पद के लिए सात प्रत्याशियों के उतरने के साथ ही विभिन्न पदों के लिए कुल 75 प्रत्याशियों के मैदान में उतरने से इस बार का चुनाव दिलचस्प हो गया है। इसलिए रविवार को आइसीसी के आसपास गहमागहमी देखने को मिली। (जासं)

आठ दिन की वर्षा ने पूरा किया 122 दिन का कोटा

मौसम का रुख ▶ एक जून से 11 अगस्त तक दर्ज की गई 634.3 मिमी वर्षा, जबकि सामान्य वर्षा होती है 368.3 मिमी

संजीव गुप्ता ● जागरण

नई दिल्ली : इस साल दिल्ली में मानसून की वर्षा सामान्य से कहीं अधिक चल रही है। हालांकि यह बात अलग है कि अभी तक जितनी भी वर्षा हुई है, उसका लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ दिनों में ही बरसा है। इसके कारण एक तरफ दिल्ली वासियों को जलभराव एवं यातायात जाम जैसी परेशानी झेलनी पड़ी तो दूसरी तरफ उमस भरी गर्मी का भी सामना करना पड़ा। दिल्ली में इस बार मानसून में मौसम का रुख शुरू से ही अलग देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान भी सटीक साबित नहीं हो पा रहे हैं। मौसम विभाग के अभी तक के आंकड़ों पर निगाह डालें तो एक जून से 11 अगस्त के दौरान दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में 634.3 मिमी वर्षा हो चुकी है। सामान्य तौर पर इस अवधि में 368.3 मिमी वर्षा होती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मानसून के चारों माह जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर यानी 122 दिन में औसत 640.3 मिमी वर्षा होती है। मतलब इस बार यह सारा कोटा करीब करीब डेढ़ माह से भी पहले ही पूरा हो गया है।

समस्या यह है कि इस वर्षा का ज्यादातर हिस्सा सिर्फ आठ दिनों में बरसा है। 28 जून को तो सिर्फ 24 घंटे के भीतर ही 228.1 मिमी पानी बरस गया था। जबकि, एक अगस्त को भी 107.6 मिमी वर्षा हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि एक साथ बहुत अधिक वर्षा हो जाने से इस पानी का सदुपयोग नहीं हो पाता। अगर थोड़ा थोड़ा पानी बरसे तो ही उसका संचयन संभव है और तभी वह कृषि कार्यों के लिए भी उपयोगी हो सकता है।

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर रविवार को हुई बारिश के बाद जलमग्न रास्ते में फंसे वाहन। प्रेट्र

इन आठ दिनों में बरसा लगभग 85 प्रतिशत पानी

11 अगस्त	28.8 मिमी
07 अगस्त	21.0 मिमी
01 अगस्त	107.6 मिमी
26 जुलाई	39.4 मिमी
24 जुलाई	27.0 मिमी
23 जुलाई	31.9 मिमी
10 जुलाई	30.8 मिमी
28 जून	228.1 मिमी

सिविक एजेंसियों की लापरवाही से 86% लोग जलभराव से परेशान

जासं, नई दिल्ली : सिविक एजेंसियों की लापरवाही के कारण एनसीआर के 86 प्रतिशत लोग जलभराव से परेशान हैं। सर्वे करने वाली एजेंसी लोकल सर्किल ने दावा किया है कि सर्वे में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद में 19,000 लोगों के जवाब मिले। इसमें अधिकांश लोगों ने माना कि उन्हें एक से अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसमें जाम में फंसने के कारण उनकी फ्लाइट व ट्रेन छूट गई।

राजधानी में बारिश से रिहायशी इलाकों में परेशान हुए लोग

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- कई जगह पर सड़क घंसने भी लोगों को हुई परेशानी
- पानी उतरने के बाद कीचड़ व गंदगी से इलाकों का बुराहाल

राजधानी दिल्ली में हुई वर्षा के कारण जलभराव से लोगों को काफी परेशानी हुई। प्रमुख सड़कों से लेकर रिहायशी इलाकों में पानी जमा होने से लोगों को दिक्कत हुई। रविवार को छुट्टी का दिन होने की वजह से वर्षा से उन लोगों को परेशानी हुई जो बाहर शापिंग व फिल्म देखने जरुरी सामान खरीदने निकले थे। लोगों को वर्षा के पानी के बीच से ही गुजरना पड़ा। छुट्टी होने की वजह से हालांकि जाम तो कही नहीं लगा लेकिन वाहनों की रफ्तार जरुर धीमी हो गई। गोयला डेरी इलाके में सड़क के घंसने से लोग परेशान हुए। लोगों के वाहन इसमें फंस गए। स्थानीय लोगों ने मदद कर वाहनों को निकलवाया।

मध्य दिल्ली की बात पुरानी दिल्ली के इलाकों बल्लीमारान, दिल्ली गेट, दरियागंज, जामा मस्जिद, सदर बाजार, मटियामहल के इलाकों में जलभराव और गंदगी से लोग परेशान हुए। मुख्य सड़कों पर ज्यादा पानी नहीं था लेकिन रिहायशी इलाकों में जलभराव होने की वजह से लोगों को आवाजाही में दिक्कत हुई। पूर्वी दिल्ली में रुक-रुककर हुई वर्षा से यमुनापार की प्रमुख सड़कों से लेकर गलियों तक जलभराव हो गया। पांडव नगर अंडरपास, मंडावली, एनएच-नौ की सर्विस रोड, झिलमिल अंडरपास, मयूर विहार फेज-तीन के इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गईं। वहीं सबोली, मंडोली, सभापुर, श्रीराम कालोनी की गलियों में भी पानी भर गया। रविवार का दिन होने के कारण सड़कों पर जाम जैसी स्थिति नहीं रही। पटपड़गंज रोड पर गणेश नगर के पास दो फीट तक हुए जलभराव की वजह से लोगों का गुजरना दूभर रहा। इसी रोड पर पिछले दिनों जल बोर्ड के काम होने से सड़क पर मिट्टी की वजह से फिसलन हो गई। वर्षा के कारण कई लोगों का वीकेंड पर घूमने जाने का प्लान भी निरस्त हो गया।

वहीं, बाहरी दिल्ली के कई हिस्सों में रविवार की सुबह से शाम तक रुक रुक कर हुई वर्षा के बाद मुख्य सड़कों से लेकर कालोनियों की सड़कों पर पानी भर गया। जलभराव के कारण सड़कों पर वाहन रेंगते दिखे।

यमुना बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण पर एनजीटी ने मांगा जवाब

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: यमुना बाढ़ क्षेत्र में निर्माण पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) सहित कई अन्य एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा है। यमुना बाढ़ के मैदानों पर हो रहे निर्माण पर पूर्व में एनजीटी ने रोक लगा दी थी।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने हाल में एनजीटी में एक रिपोर्ट दाखिल कर नदी के किनारे निर्माण की स्थिति को पेश किया था। एनजीटी ने कहा कि इस संबंध में डीडीए और डीपीसीसी ने हलफनामा दाखिल किया, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एनएमसीजी की तरफ से कोई पेश नहीं हुआ।

सीपीसीबी ने बीते दिनों एनजीटी को रिपोर्ट दाखिल कर कहा था कि सूर घाट और बांसेरा में कंक्रीटीकरण मिला, जो कि यमुना के बाढ़ क्षेत्र में हैं। हालांकि, मिलेनियम बस डिपो और कुदसिया घाट से कई अन्य कंक्रीट संरचनाओं को हटा दिया गया था। सीपीसीबी ने हालिया रिपोर्ट में कहा कि एनजीटी के आदेश के बाद एजेंसी ने यमुना बाढ़ क्षेत्र में छह परियोजनाओं का निरीक्षण किया था। यहां स्विमिंग पूल, चेंजिंग रूम, एक जनरेटर रूम जैसी नागरिक संरचनाएं मौजूद हैं।

मनीष सिसोदिया ने संभाली विधानसभा चुनाव की कमान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

मनीष सिसोदिया।

मनीष सिसोदिया के आवास पर हुई पार्टी की उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया फैसला

17 महीने बाद तिहाड़ जेल से लौटे आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की कमान संभाल ली है। उन्होंने दिल्ली के अंदर आम आदमी पार्टी की मजबूती को धार देने को लेकर रणनीति शुरू कर दी है। जेल से बाहर आने के तीसरे दिन उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाने के लिए आवास पर आप के अन्य नेताओं के साथ उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक की जानकारी देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) डा. संदीप पाठक ने कहा कि मनीष सिसोदिया 12 अगस्त को पार्टी के विधायकों और 13 अगस्त को पार्षदों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद 14 अगस्त से वो पूरी दिल्ली में पदयात्रा करेंगे और जनता से मिलकर दिल्ली का काम रोकने की कोशिश कर रही भाजपा की साजिशों को बताएंगे। इस दौरान बैठक में मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के मौजूदा राजनीतिक हालातों के बारे में फीडबैक लिया और विधानसभा चुनाव में किस तरह से भाजपा की जमानत जब्त कराएंगे, इस पर चर्चा कर रणनीति बनाई गई। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, दिल्ली प्रदेश संयोजक व मंत्री गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, आतिशी, इमरान हुसैन, राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता, विधायक दुर्गेश पाठक, जस्मिन शाह समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इससे बैठक से पहले सिसोदिया पटपड़गंज स्थित विधायक कार्यालय पहुंचकर वालेंटियर्स के साथ बैठक की। उन्होंने अपनी अनुपस्थिति में पटपड़गंज की जनता का सेवा करने और जरूरी मुद्दों का समाधान करने के लिए उनकी पीठ थपथपाई।

आप ने कार्यालय बदलने की प्रक्रिया शुरू की

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी ने लुटियंस दिल्ली में अपने नये कार्यालय 1- पंडित रविशंकर शुक्ला लेन में बोर्ड लगा दिया है और रविवार को कार्यालय बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी। अब प्रेस वार्ता और कार्यक्रम नए कार्यालय में होंगे। स्थानांतरण की औपचारिकताएं जल्द ही पूरी की जाएंगी।

आप को पिछले साल राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया था। उसे दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद लुटियंस क्षेत्र में एक नया कार्यालय आवंटित किया गया था। पार्टी का वर्तमान मुख्यालय राउज एवेन्यू में है। नया कार्यालय आप के मुख्यालय का पांचवां पता होगा।

शुरुआती दिनों में पार्टी गाजियाबाद से संचालित हो रही थी और बाद में कनाट प्लेस में हनुमान मंदिर के पास एक बंगले में स्थानांतरित हो गई। इसके बाद पार्टी ने कार्यालय पटेल नगर और फिर 206 राउज एवेन्यू में स्थानांतरित कर दिया। अदालत ने पार्टी को वर्तमान कार्यालय खाली करने का निर्देश दिया था। 206 राउज एवेन्यू पर भूखंड दिल्ली हाईकोर्ट को आवंटित किया गया था।

गाजियाबाद में तीन करोड़ की घड़ियां चोरी

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

- इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के सीआइएसएफ रोड का मामला
- आठ से 10 युवकों ने दिया चोरी को अंजाम, दो घुसे थे शोरूम में
- महंगी घड़ियों पर ही किया हाथ साफ

इंदिरापुरम के शोरूम में सीसीटीवी में कैद आरोपित। वीडियो ग्रैब

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र में सीआइएसएफ रोड पर दो पुलिस चौकी के बीच में एक घड़ी शोरूम का शटर तोड़कर चोर करीब 42 मिनट में तीन करोड़ की घड़ियां चोरी कर फरार हो गए। आठ से 10 युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

नोएडा सेक्टर-19 के श्याम सुंदर गुप्ता का इंदिरापुरम के सीआइएसएफ रोड पर साईं क्रिएशन के नाम से ब्रांडेड घड़ियों का शोरूम है। रोज की तरह वह शनिवार रात को शोरूम बंद कर घर चले गए। रविवार सुबह करीब 11 बजे उनके बेटे ने मोबाइल पर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो पता चला कि शोकेस में और काउंटर में रखी महंगी घड़ियां गायब हैं। मुख्य शटर उठा हुआ था। उन्होंने प्रबंधक को जानकारी दी और कहा कि किसी भी सामान को हाथ न लगाएं। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी और खुद शोरूम पर पहुंच गए। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह, इंदिरापुरम कोतवाली प्रभारी जितेंद्र दीक्षित पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच पड़ताल शुरू की। फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। श्याम सुंदर ने बताया कि चोरों ने सभी महंगी घड़ियों को ही चोरी किया। पांच बैग में भरकर अपने साथ ले गए। एक बैग, ब्रेसलेट और गले की एक माला अंदर ही गिर गई। पुलिस ने सभी को कब्जे में ले लिया है। उन्होंने बताया कि चोरी हुई घड़ियों की कीमत करीब ढाई से तीन करोड़ रुपये के बीच है।

घड़ी के शोरूम में चोरी की सूचना मिली थी। मामले में एक गार्ड को हिरासत में लिया गया है। रिपोर्ट दर्ज कर तीन टीमों का गठन कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना स्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं। जल्द चोरों को पकड़कर घटना का राजफाश किया जाएगा। - स्वतंत्र कुमार सिंह, एसीपी, इंदिरापुरम

आराम से शोरूम को खंगाला : पीड़ित श्याम सुंदर ने बताया कि फुटेज में दिख रहा है कि करीब 10 युवक शटर के पास आकर लाइन से बैठ गए हैं। एक चादर लटका लेते हैं। उसके बाद शटर को बाहर की ओर खींचते हैं। सुबह 3.41 मिनट पर दो चोर शटर खींचने के बाद जगह बनाकर अंदर घुस गए हैं। अंदर घुसे चोरों ने चेहरे पर मास्क लगाया हुआ था। दोनों आराम से महंगी घड़ियों को अपने साथ लाए हुए बैग में रख रहे हैं।

रोहिणी के पार्क में बने छठ घाट में डूबने से बच्चे की मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मृतक तरुण।

रोहिणी सेक्टर-20 में डीडीए के डिस्ट्रिक्ट पार्क में वर्षा के पानी से हो गया है जलभराव

अमन विहार थाना क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर-20 स्थित डीडीए के डिस्ट्रिक्ट पार्क में बने छठ घाट में शनिवार शाम दोस्तों के साथ नहाने गए एक आठ वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान तरुण के रूप में हुई है। तीन-चार फीट गहरे छठ घाट में वर्षा का पानी भरा हुआ है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद रविवार को शव स्वजन को सौंप दिया। अमन विहार थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

तरुण पिता प्रवेश, मां दीपाली, बड़ी बहन मनीषा व चार वर्षीय भाई हिमांशु के साथ अमन विहार क्षेत्र में किराये के मकान में रहता था। वह दिल्ली नगर निगम के स्कूल में तीसरी कक्षा का छात्र था। मामा ज्ञान प्रकाश ने बताया तरुण के पिता प्रवेश मूलरूप से उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के रहने वाले हैं और रोहिणी के एक माल में नौकरी करते हैं। शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे तरुण मां से खेलने की बात कहकर घर से 1.5 किलोमीटर दूर पार्क में गया था। रात करीब आठ बजे अमन विहार थाना से सूचना मिली कि उनके बच्चे की डूबने से हो गई है।

मना करने पर भी नहाते हैं बच्चे: सुरक्षाकर्मी विजय ने बताया कि उन्होंने ही तरुण को पानी से भारी निकाला। पार्क में रोजाना तीन सुरक्षाकर्मी होते हैं। लेकिन घटना वाले दिन दो सुरक्षाकर्मी छुट्टी पर थे। वह छह घाट से काफी दूर थे, अन्य बच्चों की चीख पुकार सुनकर वह वहां पहुंचे थे। उन्होंने यह भी बिताया यह पार्क सड़क से काफी नीचे है। वर्षा का पानी पार्क में भर जाता है। इस दौरान कई बच्चे यहां नहाने के लिए आते हैं।

लोहे के पाइप में उतरे करंट से किशोर की मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- अवैध डेरी में क्रिकेट अकादमी से दिया गया था बिजली का कनेक्शन
- कनेक्शन का वायर लोहे के पाइप के सहारे ले जाया गया था, जिसकी चपेट में आया किशोर

आदित्य की मौत पर विलाप करते स्वजन। जागरण

रणहौला थाना क्षेत्र में लोहे के पाइप में उतरे करंट की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में लापरवाही से हुई मौत की धारा में प्राथमिकी दर्ज की है। अभी इस मामले की किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

घटना रविवार दोपहर की है। कोटला विहार फेज-दो में आदित्य अपने तीन भाई बहन व माता-पिता के साथ रहता था। इनके घर के पास एक क्रिकेट अकादमी है। इस अकादमी से सटी खाली जमीन पर एक अवैध डेरी है। लोगों का कहना है कि इस डेरी को पूर्व में दो बार सील किया जा चुका है, लेकिन इसका संचालन अवैध तरीके से होता रहा। जब इसकी बिजली काट दी गई तो डेरी संचालक ने क्रिकेट अकादमी से बिजली का कनेक्शन ले लिया। अकादमी से कनेक्शन के लिए तार को लोहे के पाइपों पर चढ़ाकर डेरी तक लाया गया। रविवार दोपहर जब मोहल्ले के बच्चे गली में क्रिकेट खेल रहे थे, तभी गेंद लोहे के पाइप के पास जाकर गिर गई। आदित्य जब गेंद को लेने गया और हाथ लोहे के पाइप के संपर्क में आया और वह करंट की चपेट में आ गया। आदित्य के साथ उसके दो भाई भी क्रिकेट खेल रहे थे। जब दोनों भाई उसे उसकी खोज में लोहे के पाइप की ओर गए। यहां उन्होंने देखा कि आदित्य जमीन पर पड़ा है।

बोलीं आदित्य की मां, किसी मां के साथ न हो ऐसा

घटना से पूरी तरह टूट चुकी आदित्य की मां ने कहा कि मुझे जो पीड़ा हो रही है, उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती। मेरे साथ जो हुआ है, वह किसी और मां के साथ नहीं होना चाहिए। यदि डेरी संचालक अवैध तरीके से बिजली का कनेक्शन नहीं लेता, तो आज ऐसी नौबत नहीं आती। कालोनी के लोगों ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि जहां भी अवैध कनेक्शन हैं,

नरेला फैक्ट्री में करंट लगने से एक श्रमिक की हुई मौत

जासं, नई दिल्ली : नरेला औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में काम करने के दौरान रविवार को श्रमिक 26 वर्षीय फैयाज की करंट लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक के खिला लापरवाही की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिंकी चौधरी को भेजा जेल, तीन अन्य आरोपितों की पहचान हुई

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

- बांग्लादेशी बताकर झुग्गियों में तोड़फोड़ व आग लगाने का मामला
- कांवड़ यात्रा के वक्त जाम लगाने में भी पिंकी को पुलिस ने बनाया आरोपित

बांग्लादेशी बताकर झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले युवकों की पिटाई करने के मामले में गिरफ्तार हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेंद्र उर्फ पिंकी चौधरी व एक अन्य आरोपित बादल को रविवार को जेल भेज दिया गया। इस मामले में तीन अन्य आरोपितों की भी पुलिस ने पहचान कर ली है, उनकी गिरफ्तारी के प्रयास भी किए जा रहे हैं। पुलिस ने कांवड़ यात्रा के दौरान अर्थला मेट्रो स्टेशन के पास जाम लगा सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में पिंकी चौधरी को वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपित बना दिया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने अपने समर्थकों के साथ शुक्रवार शाम गुलधर के पास झुग्गी में रहने वाले लोगों को डंडों से मारकर भगा दिया और दो झुग्गियों में आग लगा दी थी। इस मामले में पुलिस ने पिंकी चौधरी और एक अन्य आरोपित बादल को शनिवार को गिरफ्तार किया था, 20 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि इस मामले में तीन अन्य आरोपित प्रताप विहार के दीपक तेवतिया, कांशीराम कालोनी के मोहित पाल और सन्नी बजरंगी की पहचान हुई है। बांछित अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है, जल्द ही उनको गिरफ्तार किया जाएगा।

उधर, कांवड़ यात्रा के दौरान 22 जुलाई की देर शाम को अर्थला में जाम लगा दिया गया था। इस मामले में हिंडन पुल चौकी इंचार्ज ने दो नामजद और 25 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया था। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने बताया कि इस मामले में वीडियो फुटेज की जांच के बाद पिंकी चौधरी के अलावा अर्थला के योगेश व अन्य की पहचान की गई है।

समीक्षा

एलजी ने इसे एएसआइ को सौंपा, तीन माह में पूरा कर लिया जाएगा सारा कार्य उपराज्यपाल जब यहां पिछली बार, रविवार को एक सप्ताह में दूसरी बार किया यहां का दौरा, बीते रविवार को यहां था काफी अतिक्रमण

बहाल होगा ऐतिहासिक बारापुला पुल का पुराना स्वरूप

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

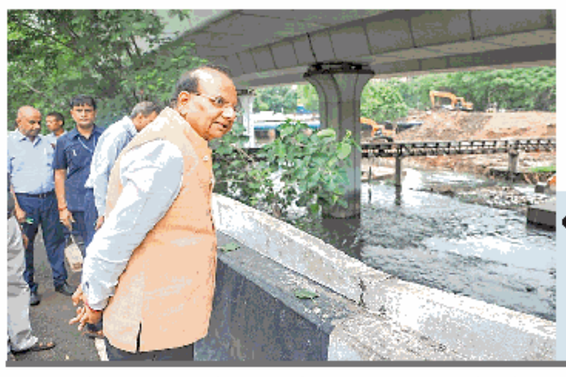

1628 में यह पुल बनाया गया था, राजधानी के खूबसूरत पुलों में होती थी गिनती

« बारापुला नाले से निकाले जा रहे गाद कार्य का निरीक्षण करते उपराज्यपाल वी के सक्सेना। सौजन्यः राज निवास

निजामुद्दीन इलाके में स्थित तकरीबन 400 वर्ष पुराने ऐतिहासिक बारापुला पुल को जल्द ही उसके पुराने स्वरूप में बहाल किया जाएगा। एलजी वीके सक्सेना ने एक सप्ताह के भीतर रविवार को दूसरी बार इस पुल का दौरा किया और इसकी बहाली के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पहली बार बीते रविवार को यहां का दौरा किया था। अतिक्रमण की वजह से यह पुरानी और ऐतिहासिक संरचना जीर्ण-शीर्ण हालत में पड़ी थी। आलम यह था आसपास के इलाकों के कचरे और मलबे की वजह से यह कूड़ा घर में तब्दील हो गई थी। एलजी ने मिशन मोड में यहां से अतिक्रमण हटाने और पुल के जीर्णोद्धार का निर्देश दिया।

रविवार को एलजी ने करीब 200 मीटर लंबे इस पुल को जीर्णोद्धार के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) को सौंप दिया। एलजी के साथ इस दौरान मुख्य सचिव नरेश कुमार और एएसआइ के महानिदेशक डा युद्धवीर रावत भी शामिल थे, जिन्होंने तीन माह में इस ऐतिहासिक पुल की पूर्ण रूप से बहाली का आश्वासन दिया। सक्सेना ने एएसआइ को पुल की मूल संरचना को बरकरार रखते हुए, इसके जीर्णोद्धार का काम करने और इसके बाद यहां पर लाइट की पूरी व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया है। सक्सेना ने पुल के नीचे बहने वाले नाले से गाद निकालने और अतिक्रमण हटाने के लिए किए गए संयुक्त प्रयास के लिए संबंधित एजेंसियों-नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, रेलवे व एएसआइ की सराहना भी की। गौरतलब है कि इस पुल को करीब 400 वर्ष पूर्व सम्राट जहांगीर के सरंक्षण में मीनार बानू आगा ने बनवाया था। इसके बारह खंभों और 11 मेहराबों की वजह से इसको बारापुला का नाम दिया गया था।

****

सोनीपत में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, तीन स्पा सेंटर से 18 गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, सोनीपत

- कुंडली स्थित माल में खुले स्पा सेंटरों में चलाया जा रहा था सेक्स रैकेट

पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कुंडली स्थित माल में छापेमारी कर तीन स्पा सेंटरों से पुलिस ने 15 युवतियों और तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपित रणबीर दिल्ली के सुल्तानपुरी, अविनाश कुंडली की शिवपुरी कालोनी और सोनू दिल्ली के गांव सिंघु का रहने वाला है। पुलिस ने तीनों युवकों और दो महिलाओं को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, अन्य को जमानत मिल गई।

पुलिस के मुताबिक सहायक आयुक्त, मुख्यालय मलकीत सिंह की टीम को सूचना मिली थी कि कुंडली स्थित केएफसी माल में स्पा सेंटरों में सेक्स रैकेट चल रहा है। इसके बाद टीम गठित कर तीन पुलिसकर्मियों को बोगस ग्राहक बनाकर हस्ताक्षर कर 500-500 रुपये देकर माल में भेजा गया। पुलिस टीम आसपास तैनात हो गई। बोगस ग्राहक बना पुलिसकर्मी पैराडाइज स्पा सेंटर में पहुंचा, जहां काउंटर पर बैठी महिला से बातचीत की और उसे रुपये दे दिए। इशारा पाकर टीम ने छापेमारी कर काउंटर से 17 सौ रुपये बरामद किए, जिसमें हस्ताक्षर युक्त 500 रुपये भी मिले। अंदर जांच की तो अंदर तीन केबिन मिले, जिसमें नौ लड़कियां मिलीं। दूसरी ओर बोगस ग्राहक बने पुलिसकर्मी को गोल्डन स्पा में भेजा गया तो वहां काउंटर पर बैठे युवक से बातचीत कर रुपये दे दिए। उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान दिल्ली के सुल्तानपुरी के रहने वाले रणबीर सिंह उर्फ सोनू के रूप में दी। अंदर केबिन में एक युवक और युवती आपत्तिजनक हालत में मिले।

मेट्रो कारिडोर के नजदीक पतंग उड़ाने से परिचालन प्रभावित होने का खतरा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली : स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी संख्या में लोग पतंग उड़ाते हैं। इसके मद्देनजर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने दिशा निर्देश जारी कर लोगों से मेट्रो के एलिवेडेट कारिडोर के नजदीक पतंग नहीं उड़ाने की अपील की है। डीएमआरसी का कहना है कि पतंग की डोर मेट्रो के ओएचई (ओवर हेड इक्विपमेंट) में फंसने से बिजली का तार टूट सकता है। इससे मेट्रो का परिचालन प्रभावित हो सकता है। इसलिए मेट्रो कारिडोर के नजदीक पतंग न उड़ाएं। मेट्रो कारिडोर से दूर व खुली जगह में पतंग उड़ाएं।

एनसीआर में मेट्रो का नेटवर्क करीब 392 किलोमीटर है। इसका बड़ा हिस्सा एलिवेटेड है। डीएमआरसी का कहना है कि मेट्रो के पटरियों के समानांतर 25 हजार वोल्ट की बिजली के तार व ओएचई लगे होते हैं।

कोटे में कोटा मामले में सर्वोच्च न्यायालय में पुनरीक्षण याचिका दाखिल करेगी लोजपा

अनुसूचित समुदाय के विभिन्न दलों के सांसदों से संपर्क कर रहे चिराग पासवान

समर्थन जुटाने को एक बैठक बुलाने की बना रहे योजना

चिराग पासवान। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा (राम विलास) के नेता चिराग पासवान विभिन्न दलों के अनुसूचित जातियों (एससी) के सांसदों की बैठक बुलाने की योजना बना रहे हैं। एससी जातियों के उप-वर्गीकरण की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध पुनर्विचार याचिका दाखिल करने से पूर्व वह समर्थन जुटाने का काम कर रहे हैं। कोर्ट के फैसले से असहमति जता चुके चिराग का कहना है कि उनकी पार्टी कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करेगी।

सूत्रों का कहना है कि चिराग ने अनुसूचित जाति के सांसदों से संपर्क कर फैसले पर उनकी राय जानने की कोशिश की है। इस फैसले का राजनीतिक तौर पर दूरगामी प्रभाव होगा, लेकिन प्रमुख राष्ट्रीय दलों ने चुप्पी साध रखी है। हालांकि, यह देखना अभी शेष है कि विभिन्न दलों के अनुसूचित जाति के सांसदों की प्रतिक्रिया क्या होगी। चिराग या मायावती के नेतृत्व वाली बसपा जैसी पार्टियां जहां कोर्ट के फैसले के विरुद्ध हैं, वहीं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने फैसले की सराहना करते हुए कहा है कि मांझी समुदाय को आरक्षण से मिले लाभों में बहुत कम प्रतिनिधित्व दिया गया है क्योंकि बेहतर एससी समुदाय नौकरियों व शैक्षणिक संस्थानों में अधिकांश पदों पर कब्जा कर लेते हैं। अदालती फैसले के आलोचकों का तर्क है कि एससी के लिए आरक्षित रिक्तियों का बड़ा हिस्सा अक्सर योग्य आवेदकों की कमी के कारण खाली रह जाता है। बड़े कोटे के भीतर विभिन्न जातियों के लिए उप-कोटा शुरू करने से समस्या और बदतर हो जाएगी।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात जजों की संविधान पीठ ने एक अगस्त को 6:1 के बहुमत से फैसला सुनाया था कि राज्यों को एससी-एसटी के उप-वर्गीकरण की अनुमति दी जा सकती है ताकि इन समूहों की अधिक पिछड़ी जातियों को कोटा दिया जा सके।

पीएम ने दोहराई एससी-एसटी समुदायों के कल्याण की अपनी प्रतिबद्धता : रिजिजू

नई दिल्ली, एएनआइ : संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एससी-एसटी समुदायों के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता व संकल्प दोहराया है। भाजपा के एससी-एसटी सांसदों ने शुक्रवार को आरक्षण के मसले पर पीएम मोदी से भेंट की थी। रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में यह बात कही है।

वहीं, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने प्रेट्र को दिए साक्षात्कार में कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार बीआर आंबेडकर के संविधान का अनुपालन करेगी और एससी-एसटी के लिए इसमें दी गई आरक्षण व्यवस्था को जारी रखेगी। संविधान में क्रीमी लेयर का कोई प्रविधान नहीं है। विपक्ष जानता है कि क्रीमी लेयर पर कोर्ट ने सिर्फ टिप्पणी की है और वह लोगों में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। मेघवाल ने कहा, सुप्रीम कोर्ट

- मेघवाल का आरोप, क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भ्रम फैला रहा विपक्ष

किरण रिजिजू। फाइल

ने कहा है कि अगर राज्य चाहें तो उप-वर्गीकरण कर सकते हैं, पर क्रीमी लेयर पर कोर्ट ने कोई निर्णय नहीं दिया है। निर्देश और टिप्पणी में फर्क होता है। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि क्रीमी लेयर की अवधारण के आधार पर एससी-एसटी को आरक्षण से वंचित करना निंदनीय है।

वित्तीय संकटों से जूझ रहीं ग्राम अदालतें, खाली पड़े पद

नई दिल्ली, प्रेट्र: लोगों तक सस्ता और सुलभ न्याय पहुंचाने का सपना दूर की कौड़ी नजर आ रहा है। गांवों में लोगों को सुलभ न्याय देने के लिए ग्राम न्यायालय कानून लागू किए 15 साल हो गए हैं, लेकिन 'ग्राम न्यायालय' अभी भी वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। ग्राम न्यायालयों में कई पद खाली पड़े हैं।

- 15 साल पहले लागू किया गया था ग्राम न्यायालय कानून

नागरिकों को उनके दरवाजे पर सस्ती और त्वरित न्याय दिलाने के लिए विधि आयोग ने 1986 में ग्राम अदालतें स्थापित करने का सुझाव दिया था। इसके वर्षों बाद ग्राम न्यायालय कानून, 2008 पारित किया गया। यह कानून अगले वर्ष गांधी जयंती यानी दो अक्टूबर 2009 को लागू हुआ। यह कानून नागरिकों को उनके दरवाजे पर न्याय तक पहुंच प्रदान करने के लिए जमीनी स्तर पर ग्राम न्यायालयों की स्थापना का प्रविधान करता। इस कानून में प्रविधान है कि कोई भी न्याय से वंचित न रहे। कुछ अध्ययनों का हवाला देते हुए कानून मंत्रालय ने संसद में कहा था कि इन ग्राम अदालतों की स्थापना में धीमी प्रगति के मुख्य कारणों में कई राज्यों में 'न्यायाधिकारी' के पद को न भरना, सरकारी अभियोजकों, नोटरी की अनुपलब्धता, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेटों की कमी शामिल हैं।

सरकार ने कहा कि ग्राम न्यायालयों का सीमित क्षेत्राधिकार, खाली पद, राज्यों से अपर्याप्त वित्तीय सहायता, जागरूकता की कमी भी ग्राम न्यायालयों की वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं।

देश में 2029 तक शुरू होगा एलसीए मार्क-2 लड़ाकू विमानों का उत्पादन

- मार्च, 2026 से उड़ान भरने लगेगा विमान का प्रोटोटाइप
- 5वीं पीढ़ी के विमानों का उत्पादन 2035 से शुरू होने की संभावना

जीई-414 इंजनों से चलेगा यह एलसीए मार्क-2 विमान >>

नई दिल्ली, एएनआइ : स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रम के तहत 4.5 पीढ़ी का एलसीए मार्क-2 लड़ाकू विमान का प्रोटोटाइप मार्च, 2026 से उड़ान भरने लगेगा और बड़े पैमाने पर इसका उत्पादन 2029 से प्रारंभ हो जाएगा। इसके अलावा पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कांबैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) का उत्पादन 2035 से प्रारंभ होने की संभावना है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अधिकारियों ने बताया कि कुछ दिन पहले संगठन के चेयरमैन डा. समीर वी. कामत एवं वायुसेना के उप-प्रमुख अशुतोष दीक्षित की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक के दौरान स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रम के लिए समयसीमा पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान एलसीए मार्क-2 कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में अब लगभग एक वर्ष का विलंब होगा, पहले इसका प्रोटोटाइप 2025 की शुरुआत तक तैयार किया जाना था। समय सीमा में देरी स्वीकृत धनराशि जारी करने में देरी के कारण हुई है क्योंकि यह अगले स्वदेशी लड़ाकू विमान के लिए इंजन सौदे पर हस्ताक्षर से जुड़ा था। सभी एलसीए विमान अमेरिकी जीई इंजनों से संचालित होंगे। एलसीए मार्क-1 और मार्क-1ए को जीई-404 इंजनों से संचालित किया जाएगा। जबकि एलसीए मार्क-2 को जीई-414 इंजनों से संचालित किया जाएगा, जिसे अमेरिकी कंपनी द्वारा स्वदेशी सामग्री से भारत में बनाया जाएगा। सरकार की योजना मिराज-2000, जगुआर और मिग-29 सहित वायुसेना के सभी मुख्य बेड़ों को एलसीए मार्क-2 से बदलने की है और इनमें से 250 से अधिक विमानों को अगले 10-15 वर्षों में वायुसेना में शामिल किया जाएगा। एलसीए मार्क-2 स्वदेशी हथियारों जैसे हवा से हवा में मार करने वाली अस्त्र मिसाइल और स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड हथियारों से भी लैस होगा। वायुसेना ने 180 एलसीए मार्क-1ए विमानों का भी आर्डर दिया है, जिनका उत्पादन 2032 तक पूरा होने की संभावना है।

उपचुनाव के बाद राजग की नजर राज्यसभा में बहुमत पर

- वक्फ (संशोधन) विधेयक जैसे बिलों को मंजूरी दिलाने में मिलेगी मदद
- इस समय उच्च सदन में बहुमत से चार कम है राजग की सदस्य संख्या

नई दिल्ली, प्रेट्र : अगले महीने 12 सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव के बाद भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को राज्यसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल होने की उम्मीद है। इससे भाजपा को वक्फ (संशोधन) विधेयक जैसे प्रमुख बिलों को मंजूरी दिलाने में मदद मिलेगी।

उच्च सदन की इस समय प्रभावी ताकत 229 है। इनमें भाजपा के 87 सांसद हैं और उसके सहयोगियों के साथ यह संख्या 105 है। छह मनोनीत सदस्य, जो आमतौर पर सरकार के साथ अपना वोट डालते हैं, राजग की ताकत को 111 तक ले जाते हैं। यह वर्तमान में बहुमत के लिए जरूरी 115 से चार कम है। इसी तरह उच्च सदन में कांग्रेस के 26 सदस्य हैं। 58 सांसद इसके सहयोगी दलों के हैं। इससे विपक्षी गठबंधन की संख्या 84 हो जाती है। प्रमुख तटस्थ पार्टियों में वाईएसआर कांग्रेस के पास 11 और बीजद के पास आठ सांसद हैं।

नौ राज्यों में खाली पड़ी 12 राज्यसभा सीटों के लिए तीन सितंबर को चुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने प्रत्येक सीट के लिए अलग-अलग चुनावों की घोषणा की है। भाजपा और उसके सहयोगियों को चुनाव में 11 सीटें मिलने की उम्मीद है, जिससे राजग 122 सीटों पर पहुंच जाएगा। उच्च सदन में जम्मू और कश्मीर की चार सीटें खाली हैं, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश को अभी तक अपनी विधानसभा नहीं मिली है। इससे 245 सदस्यीय राज्यसभा की प्रभावी ताकत 241 रह जाती है।

सेबी प्रमुख बुच को हटाने की विपक्षी दलों ने केंद्र से की मांग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कांग्रेस का आरोप, हिंडनबर्ग रिपोर्ट से साफ अदाणी समूह से मिलीभगत में घोटाले को दिया गया अंजाम

विपक्ष ने कहा, शेयर बाजार में आम निवेशकों के हित सुरक्षित रखने को जेपीसी जांच जरूरी

सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच के अदाणी समूह के साथ हितों के टकराव संबंधी हिंडनबर्ग के ताजा दावों ने सियासत को फिर से गरम कर दिया है। विपक्षी दलों ने बुच पर लगाए गए आरोपों को गंभीर करार देते हुए उन्हें तत्काल सेबी प्रमुख पद से हटाने और केंद्र से कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने इसे महाघोटाला करार देते हुए आरोप लगाया कि अदाणी समूह से मिलीभगत छिपाने के लिए बुच ने सेबी को घोटाले के पूरे दायरे की जांच नहीं करने दी। तृणमूल कांग्रेस, माकपा, शिवसेना यूबीटी सरीखे आइएनडीआइए के सभी प्रमुख दलों ने हिंडनबर्ग के नए दावों के मद्देनजर अदाणी प्रकरण की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग फिर से दोहराई है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, सेबी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मोदीजी के परम मित्र अदाणी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के रहस्योद्घाटन पर क्लीन चिट दी थी। आज उसी सेबी की मुखिया के तथाकथित वित्तीय रिश्ते उजागर हुए हैं। मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों के हितों को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी में विश्वास करते हैं।

कांग्रेस डिजिटल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने प्रेस कांफ्रेंस कर सेबी पर सुप्रीम कोर्ट को अंधेरे में रखने का आरोप लगाते हुए शीर्ष अदालत से इसका स्वतः संज्ञान लेकर अदाणी प्रकरण की जांच कराने की अपील की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सेबी का इंटरनेट मीडिया अकाउंट लाक किए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा, जब इसके शीर्ष नेतृत्व के हितों के टकराव के सुबूत सामने आए हैं, तब ऐसा कर कहीं सुबूतों को हटाया तो नहीं जा रहा है। तृकां सांसद महुआ मोइत्रा तथा शिवसेना यूबीटी प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी जेपीसी जांच की मांग का समर्थन किया, तो माकपा पोलित ब्यूरो ने बयान जारी कर जेपीसी की आवाज बुलंद की।

'विपक्ष वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की साजिश का हिस्सा'

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा ने रविवार को हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के खिलाफ जारी रिपोर्ट को खारिज कर दिया और इसे देश के प्रतिभूति बाजार नियामक को बदनाम करने का प्रयास करार दिया। भाजपा ने कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों पर भारत में वित्तीय अस्थिरता और अराजकता पैदा करने की साजिश का हिस्सा होने का आरोप भी लगाया।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, गत वर्ष अदाणी समूह के खिलाफ गंभीर आरोप लगाने वाली शार्ट सेलिंग कंपनी (हिंडनबर्ग) भारतीय जांच एजेंसियों की जांच का सामना कर रही है। विपक्षी दल भी हिंडनबर्ग के आरोपों के साथ सुर मिला रहे हैं और साजिश अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है कि वे अराजकता

विपक्ष को पता था कि संसद सत्र के दौरान हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने वाली है :सुधांशु

और अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं, खासकर वित्तीय क्षेत्र में। विदेशी धरती से आई ऐसी कई आलोचनात्मक रिपोर्टों को संसद सत्र के ठीक पहले या संसद सत्र के दौरान जारी किए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, विपक्षी दलों के नेताओं को पता था कि यह रिपोर्ट संसद सत्र के दौरान आने वाली है। त्रिवेदी ने कहा कि संसद का मानसून सत्र पहले सोमवार को समाप्त होना था, पर इसे शुक्रवार को ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

रिपोर्ट में कांग्रेस शैली की मासूमियत और झूठ एक साथ झलकता है : राजीव चंद्रशेखर

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हिंडनबर्ग ने कांग्रेस के साथ साझेदारी में सेबी पर हमला किया है। इसका एक मकसद व लक्ष्य है। यह दुनिया की सबसे मजबूत वित्तीय प्रणालियों में से एक को अस्थिर व बदनाम करने और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में अराजकता पैदा करने के लिए है। चंद्रशेखर ने कहा, उन्होंने रिपोर्ट पढ़ी है। इसमें कांग्रेस शैली की मासूमियत व झूठ साथ झलकता है। इसका उद्देश्य बाजारों में अराजकता व नुकसान पैदा करना है। कांग्रेस के परिवारवादियों की मदद से कई वैश्विक ताकतें भारत की प्रगति को धीमा करना चाहती हैं। हम उन्हें ऐसा नहीं करने देंगे।

'1971 का सबक, युद्ध सिर्फ सैन्य मामला नहीं'

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीएन शर्मा ने रविवार को कहा कि 1971 के भारत-पाक युद्ध की प्रमुख सीखों में से एक यह है कि युद्ध सिर्फ सैन्य मामला नहीं, बल्कि संपूर्ण मामला होता है जिसमें राजनीति और कूटनीति शामिल है।

वह 22 वर्षीय सत्यजीत लाल द्वारा लिखी पुस्तक '1971 स्ट्रैटजी कैंपेन बेलर' के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल अनिल बैजल भी उपस्थित थे। जनरल शर्मा 1988 से 1990 तक सेना प्रमुख थे और 1971 की लड़ाई में कर्नल के रूप में हिस्सा लिया था। समारोह में उन्होंने युद्ध की अपनी कुछ स्मृतियों को साझा किया। अपने संबोधन में उन्होंने तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, 'उन्होंने बहुत अच्छा काम किया।' साथ ही कहा, 'युद्ध में केवल सेना नहीं, पूरी सरकार, सिविल सेवाएं, पुलिस सेवाएं, परिवहन और रेलवे, नौसेना, मर्चेंट नेवी, ये सभी प्रधानमंत्री के आदेश पर एक साथ आ जाते हैं।'

'महिलाओं-बच्चों की भलाई के लिए केंद्र-राज्यों में सहयोग जरूरी'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अन्नपूर्णा देवी। फाइल

- केंद्रीय मंत्री ने इससे जुड़ी योजनाओं की प्रगति पर राज्यों के साथ की बैठक

केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राज्यों के महिला एवं बाल विकास और सामाजिक कल्याण मंत्रियों के साथ बैठक कर जारी योजनाओं की प्रगति जानी। इस दौरान मंत्रालय की प्रमुख पहलों के लिए भविष्य की कार्यनीति की समीक्षा पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

राज्यों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये पहली राष्ट्रीय स्तर की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा, महिलाओं व बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग जरूरी है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी प्रयासों का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे। इसके लिए राज्यों के साथ मिलकर काम करना जरूरी है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर देते हुए मिशन सक्षम आंगनवाड़ी, पोषण 2.0, मिशन वात्सल्य और मिशन शक्ति के तहत मंत्रालय के प्रमुख योजनाओं को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने राज्यों के मंत्रियों से इन मिशनों के कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए केंद्र संग सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया। अन्नपूर्णा ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने के साथ ही महिलाओं और बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए ऐसा सहयोग आवश्यक है। बैठक में 21 राज्यों के मंत्रियों ने भाग लिया। उन्होंने अपने-अपने राज्यों में महिलाओं और बच्चों के सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे विशिष्ट प्रयासों को रेखांकित किया। केंद्रीय मंत्री ने इसकी सराहना की और कहा कि इससे राज्यों में तीनों मिशनों के कार्यान्वयन को गति मिलेगी।

नारकोटिक ड्रग्स के लिए खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली, आइएएनएन: नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) के लिए अधिक कठोर दंड की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता मोमोटा देवी ओइनम के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि गोल्डन क्रिसेंट के संभावित विस्तार को देखते हुए सरकार को एनडीपीएस एक्ट में कठोर दंड की व्यवस्था का निर्देश दिया जाए।

याचिका में संविधान के अनुच्छेद 47 को संदर्भित किया गया है, जिसमें कहा गया है राज्य नशीले पेय और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक दवाओं के औषधीय प्रयोजनों को छोड़कर उपभोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करेगा। ज्ञात हो, गोल्डन क्रिसेंट दक्षिण एशिया के उस क्षेत्र को कहते है जो अफीम उत्पादन व वितरण के लिए कुख्यात है। ये ईरान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान के इलाके हैं। ये सभी देश ड्रग्स तस्करी के जाने जाते हैं और भारत इनके बीच फंसा हुआ है।

ले.जनरल अभिजीत पेंढारकर ने संभाला स्पीयर कोर का कार्यभार

- मणिपुर में संघर्ष का खात्मा करना होगी पहली प्राथमिकता

नगालैंड स्थित दीमापुर में स्पीयर कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में पदभार ग्रहण करते लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत पेंढारकर (बाएं)। प्रेट्र

दीमापुर, प्रेट्र : लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस.पेंढारकर ने सेना के स्पीयर कोर प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया है। पेंढारकर के सामने मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष को खत्म करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने महू आर्मी वार कालेज के कमांडेंट बने लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही की जगह ली है। सेना की सबसे बड़ी स्पीयर कोर मणिपुर समेत पूर्वोत्तर क्षेत्र के अधिकांश क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। मणिपुर में मई 2023 से जातीय हिंसा शुरू हुई। इसमें अब तक 200 लोगों की जान जा चुकी है। अब पेंढारकर के सामने इस हिंसा के निपटने की चुनौती होगी।

पेंढारकर ने 1990 में असम रेजीमेंट से कमीशन प्राप्त करने के बाद 34 साल के सेवाकाल में अलग-अलग कमांड और स्टाफ के पदों पर काम किया है। वे जम्मू-कश्मीर में आतंकरोधी अभियान और एलओसी पर कमांडिंग फारमेशन में भी शामिल रहे। स्पीयर कोर का प्रमुख बनने से पहले पेंढारकर प्रादेशिक सेना में महानिदेशक थे। उन्हेंअति विशिष्ट सेवा पदक,युद्ध सेवा पदक व कई पुरस्कार मिल चुके हैं। पेंढारकर ने रक्षा मंत्रालय के एकीकृत मुख्यालय में सैन्य संचालन निदेशालय में भी काम किया है। भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून के पूर्व छात्र पेंढारकर ने अपनी सेवा के दौरान डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कालेज वेलिंगटन में स्टाफ कोर्स, आर्मी वार कालेज में हायर कमांड कोर्स व नेशनल डिफेंस कालेज में नेशनल डिफेंस कोर्स में भाग लिया।

हिंडनबर्ग ने नई रिपोर्ट में लगाए है कई आरोप

प्रथम पृष्ठ से आगे

10 अगस्त को अपनी नई रिपोर्ट में हिंडनबर्ग ने सेबी प्रमुख व उनके पति पर आरोप लगाया कि बरमूडा और मारीशस के उस फंड में उन दोनों ने निवेश किए जिसमें अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के भाई विनोद ने पैसा लगा रखा है। उस फंड का प्रयोग अदाणी समूह भारत में अपने शेयर को मैनुपुलेट करने में कर रहा था। हिंडनबर्ग ने यह भी आरोप लगाया है कि सेबी प्रमुख के पति रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट से जुड़ी ब्लैकस्टोन में सलाहकार हैं और माधबी बुच के कार्यकाल में कई आरईआइटीएस को सेबी की मंजूरी मिली।

आइआइएम अहमदाबाद से एमबीए माधबी बुच मार्च 2022 में सेबी की प्रमुख बनीं और उससे पहले तीन साल सेबी की सदस्य भी रह चुकी हैं। इससे पहले 20 साल कारपोरेट सेक्टर में वह अपनी सेवा दे चुकी हैं। आइआइटी दिल्ली से ग्रेजुएट उनके पति का भी कारपोरेट करियर 35 साल का है।

राष्ट्रीय अभिलेखागार भी जुड़ेगा जीपीटी से, एक क्लिक पर मिलेंगी सारी सूचनाएं

अजय राय • जागरण

- अभिलेखों के तेजी से डिजिटलाइज करने से तथ्यों को हासिल करने में होगी आसानी
- अभिलेखागार के महानिदेशक ने जीपीटी के लिए एक कंपनी से मांगी कार्ययोजना

नई दिल्ली में जनपथ रोड स्थित राष्ट्रीय अभिलेखागार। जागरण आर्काइव

नई दिल्ली: राष्ट्रीय अभिलेखागार अभिलेखों को डिजिटलाइज करने के साथ सहजता से आम लोगों तक पहुंचाने के लिए एआइ आधारित तकनीक अपनाने की तैयारी में है। इसके तहत वेबसाइट को जीपीटी (जेरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफार्मर्स) से जोड़ा जाएगा। इससे अभिलेखों से जुड़ी सूचनाएं एक क्लिक पर मिल जाएंगी। अभिलेखागार के महानिदेशक ने जीपीटी संबंधी एक कंपनी से पूरी कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा है।

राष्ट्रीय अभिलेखागार में निजी अभिलेख समेत अन्य दस्तावेज का विशाल संग्रह है। इसके 34 करोड़ पृष्ठों के डिजिटलाइज कर अभिलेख पटल पर डालने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि विश्व में कहीं से भी लोग दस्तावेज देख सकें। इसके तहत प्रतिदिन छह लाख पृष्ठ पटल पर लाए जा रहे हैं और अब तक चार करोड़ से ज्यादा पृष्ठ अभिलेख पटल पर आ चुके हैं। राष्ट्रीय अभिलेखागार के महानिदेशक अरुण सिंघल ने बताया कि अभिलेखों को लोगों के लिए सुलभ बनाने पर काम हो रहा है। इसी के तहत जीपीटी की सुविधा देने की तैयारी है। चैट जीपीटी इसी तकनीक पर काम करता है। इसके लिए एक कंपनी को प्रेजेंटेशन देने के लिए कहा गया है। डिजिटलाइज होने के बाद बस एक क्लिक में कुछ ही सेकेंड में जानकारी हासिल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि अभी डिजिटलाइज संग्रह में भी किसी को जानकारी के लिए संबंधित मामले से जुड़े एक-एक पन्ने को पढ़कर तथ्यों की जानकारी मिल सकेगी। बता दें कि राष्ट्रीय अभिलेखागार में मदन मोहन मालवीय संग्रह, डा. राजेंद्र प्रसाद संग्रह, महात्मा गांधी संग्रह, डा. आंबेडकर संग्रह, सुभाष चंद्र बोस संग्रह समेत लाखों अभिलेख हैं। प्राच्य भाषाओं के संग्रह के रूप में अनेक ग्रंथ, पाण्डुलिपियां संस्कृत, पाली, प्राकृत, मोडी, अरबी, फारसी एवं उर्दू में संग्रहीत है।

कारण बताओ नोटिस के आधार पर रद नहीं किया जा सकता पंजीकरण

विनीत त्रिपाठी • जागरण

- नोटिस के विरुद्ध दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनाया निर्णय
- कहा, कारण बताओ नोटिस में करना होगा आरोप का स्पष्ट विवरण

नई दिल्ली : कारण बताओ नोटिस या गुप्त आरोपों के आधार पर वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) पंजीकरण रद करने से जुड़े एक मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। हाई कोर्ट ने फैसले में कहा कि महज गुप्त आरोपों और कारण बताओ नोटिस के आधार पर जीएसटी पंजीकरण रद नहीं किया जा सकता है। नोटिस में स्पष्ट रूप से उन कारणों का उल्लेख होना चाहिए जिनके आधार पर प्रतिकूल कार्रवाई प्रस्तावित है, ताकि नोटिस पाने वाला आरोपों का जवाब दे सके।

न्यायमूर्ति विभू बाखरू और न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने यह टिप्पणी कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने वाली याचिका पर निर्णय देते हुए की। पीठ ने कहा कि जीएसटी पंजीकरण रद करने का आदेश कारण बताओ नोटिस के दायरे से बाहर था और प्राकृतिक न्याय के स्थापित सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए पारित किया गया है। याचिकाकर्ता ने पंजीकरण रद करने के 24 नवंबर, 2023 के एक आदेश को चुनौती दी थी।

याचिकाकर्ता ने केंद्रीय वस्तु और सेवा कर अधिनियम-2017 की धारा-107 के तहत अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष याचिका रद करने के आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि कारण बताओ नोटिस में उसके खिलाफ आरोपों का कोई विवरण नहीं है।

****

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

उप्र में बसपा ने तेज की उपचुनाव की तैयारियां, जनाधार बढ़ाने पर जोर

बढ़ी सक्रियता ▶ मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के साथ की बैठक

बसपा अध्यक्ष बोलीं-सभी 10 सीटों पर दमदारी से लड़ेंगे उपचुनाव

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

- बसपा के चुनाव मैदान में उतरने से मुकाबले रोचक होने की उम्मीद
- सपा-कांग्रेस उत्साहित, सत्ताधारी भाजपा पूरी ताकत लगाने को तैयार

लखनऊ में रविवार को वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के साथ आगामी उपचुनाव के संबंध में चर्चा करतीं बसपा प्रमुख मायावती। प्रेट्र

आमतौर पर उपचुनाव से दूरी बनाने वाली बसपा ने लोकसभा चुनाव के फलस्वरूप रिक्त हुई उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश कार्यालय में रविवार को वरिष्ठ पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों के साथ हुई बैठक में बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा कि पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। प्रदेश में मिल्कीपुर, करहल, शीशामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवा, कटेहरी, खैर और मीरापुर सीट पर उपचुनाव होना है। चर्चा है कि बसपा ने कटेहरी से प्रतीक पांडेय और फूलपुर से शिवबरन पासी का टिकट फाइनल कर दिया है, हालांकि अधिकृत तौर पर इसकी घोषणा नहीं की गई है।

बसपा के भी चुनाव मैदान में उतरने से मुकाबले रोचक होने की उम्मीद है, क्योंकि लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद सपा-कांग्रेस उत्साहित है तो सत्ताधारी भाजपा पूरी ताकत लगाने को तैयार है।

बैठक में मायावती ने कहा कि बसपा गरीबों, शोषितों-पीड़ितों की पार्टी है। सभी मेहनत करें और पार्टी के जनाधार को बढ़ाने में एकजुट रहें। इस मौके पर बसपा प्रमुख ने राजग की केंद्र व उत्तर प्रदेश की सरकार पर निशाना भी साधा। कहा कि धर्म परिवर्तन पर नया कानून व एससी-एसटी समाज के लोगों का उपवर्गीकरण व क्रीमी लेयर का नया षड्यंत्र करके उन्हें बांटने का प्रयास किया जा रहा है। मस्जिद-मदरसा संचालन व वक्फ संरक्षण में जबर्दस्ती की सरकारी दखलंदाजी की जा रही है।

कांग्रेस ने की बाबासाहेब को रोकने की कोशिश, चुनाव में हराया: मायावती ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा आरक्षण को लेकर किए गए दावों पर सवाल उठाए हैं। रविवार को एक्स पर किए गए पोस्ट में कहा कि आरक्षण का पूरा श्रेय बाबासाहेब आंबेडकर को जाता है। कांग्रेस के लोगों ने उनको संविधान सभा में जाने से रोकने का षड्यंत्र रचा और उन्हें चुनाव में भी हराने का काम किया। कानून मंत्री पद से त्यागपत्र देने को भी विवश किया। मायावती ने लिखा कि कांग्रेस के बयान में आरक्षण का श्रेय बाबासाहेब को नहीं, बल्कि पंडित जवाहरलाल नेहरू व महात्मा गांधी को दिया गया है, जिसमें रत्तीभर सच्चाई नहीं है। एक अन्य पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि देश में एससी-एसटी वर्गों के उपवर्गीकरण के संबंध में पार्टी का स्टैंड स्पष्ट करने से पहले उनकी पार्टी एनजीओ व वकीलों से विचार-विमर्श करेगी। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस उपवर्गीकरण के पक्ष में है।

हिंदू शरणार्थियों को सीमा पर प्रवेश नहीं दे रही है सरकार : कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ: उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बांग्लादेश से भारत आने के लिए सीमा पर एकत्र हिंदू शरणार्थियों को केंद्र सरकार भारत में प्रवेश नहीं करने दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सुझाव दिया है कि बांग्लादेश जैसे संवेदनशील मुद्दे पर गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी न करें।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में संपूर्ण विपक्ष ने एक स्वर में सरकार को इस मुद्दे पर अपना समर्थन दिया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताते हुए सरकार से पूछा था कि भारत सरकार इसे रोकने के लिए क्या कर रही है। पड़ोसी देश में हुए इतने दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल नहीं हुए। इससे उनकी संवेदनहीनता का पता चलता है। उल्लेखनीय है बांग्लादेश में शेख हसीना का तख्तापलट किए जाने के बाद वहां अराजक स्थिति बनी हुई है और हिंदुओं के घरों और धर्म स्थानों पर हमले किए जा रहे हैं। इस स्थिति में पीड़ित हिंदू वहां से पलायन करने को मजबूर हैं।

उपचुनाव के बाद लखनऊ में होगी राहुल व खरगे की रैली

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

- सितंबर माह में रमाबाई आंबेडकर मैदान में रैली आयोजित करने का था इरादा
- उपचुनाव में पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने के लिए सपा पर दबाव बना रही है कांग्रेस

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे। फाइल

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की लखनऊ में सितंबर माह में प्रस्तावित रैली अब विधानसभा उपचुनाव के बाद होगी। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने लखनऊ में रैली का प्रस्ताव दिया था।

लोकसभा चुनाव में आइएनडीआइए को उत्तर प्रदेश में एनडीए से ज्यादा सीटों पर जीत मिलने के बाद कांग्रेस ने नए सिरे से प्रदेश में अपना जनाधार खड़ा करने के लिए लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर मैदान में राहुल व खरगे की रैली आयोजित करने की योजना बनाई थी। रैली की तिथि तय नहीं की गई थी, लेकिन मौखिक रूप से केंद्रीय नेतृत्व ने इसके लिए सहमति दे दी थी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम से उत्साहित कांग्रेस विधानसभा उपचुनाव में भी पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने के लिए समाजवादी पार्टी पर दबाव बना रही है। प्रदेश कांग्रेस ने उन सीटों पर अपनी दावेदारी जताई है जिन पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती थी। इस बारे में अंतिम निर्णय दिल्ली से होना है। प्रदेश कांग्रेस का सोच था कि लखनऊ में राहुल व खरगे की रैली के बाद आइएनडीआइए के पक्ष में माहौल बनेगा। रैली के संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर मैदान में रैली के आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। फिलहाल केंद्रीय नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि अब उपचुनाव के बाद ही रैली होगी।

लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से उत्साहित कांग्रेस राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बनाए रखने के लिए कई उपक्रम कर रही है।

तेजस्वी का केंद्र पर तंज- गुजरात को हीरे, बिहार को कीड़े क्यों

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- आरोप, मोदी सरकार ने खेलों के विकास के लिए बिहार को 20 करोड़ और गुजरात को दिए छह सौ करोड़

तेजस्वी यादव। फाइल

खेलों के विकास के लिए बिहार को मिली मदद पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र और बिहार की सरकार पर जोरदार प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात को हीरे और बिहार को कीड़े, ऐसा क्यों? तेजस्वी ने रविवार को अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट डालकर कहा कि 17 साल के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस संदर्भ में मोदी सरकार के सामने मुंह नहीं खोल पाए और न ही खोल पाएंगे। लेकिन, बात जब बिहार की हकमारी की हो तो राष्ट्रीय जनता दल किसी से डरता नहीं, वह आवाज उठाएगा।

नेता प्रतिपक्ष ने पोस्ट में बताया है कि छह करोड़ की आबादी वाले गुजरात को खेलो इंडिया के तहत खेलों के बुनियादी विकास के लिए 606.4 करोड़ रुपये दिए जबकि 13 करोड़ से अधिक आबादी वाले बिहार को मात्र 20 करोड़। सबसे ज्यादा पदक लाने वाले हरियाणा को 66.59 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आखिर क्यों केंद्र की मोदी सरकार सिर्फ गुजरात को प्रमोट करती है।

उन्होंने कहा कि देश के बाहर से जब भी कोई बड़ा नेता अपने देश आता है तो नरेन्द्र मोदी उसे गुजरात ले जाना नहीं भूलते हैं। अमेरिका और चीन के राष्ट्रपति, जापान के प्रधानमंत्री समेत कई राष्ट्राध्यक्षों को वे गुजरात ले जाना नहीं भूले। लेकिन, 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद से बिहार और झारखंड जैसे राज्यों की उपेक्षा की गई। केंद्र की मोदी सरकार में अकेले गुजरात से छह मंत्री हैं। जबकि 13 करोड़ की आबादी वाले बिहार से महज आठ मंत्री।

प्रधानमंत्री मोदी इतिहास के गुमनाम पक्ष को कर रहे उजागर : हरिवंश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना : राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने भाजपा सांसद डा. भीम सिंह द्वारा लिखित 'भारत के 75 महान क्रांतिकारी' नामक पुस्तक विमोचन किया। इस पुस्तक में भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में क्रांतिकारियों के देश प्रेम तथा देश के लिए उनके संघर्ष व बलिदान को विस्तार से रेखांकित किया किया गया है।

समारोह को संबोधित करते हुए हरिवंश ने इस बात के लिया खेद प्रकट किया कि स्वतंत्रता संघर्ष के क्रांतिकारी आंदोलन के पक्ष को कम कर आंका गया। उन्होंने प्रधानमंत्री की प्रशंसा की और कहा कि वे इतिहास के गुमनाम पक्ष को भी उजागर कर रहे हैं। कार्यक्रम के आरंभ में भीम ने पुस्तक लेखन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा अवस्था से ही वे क्रांतिकारियों के जीवन से प्रेरित होते रहे हैं। आजादी के 75 वें साल में क्रांतिकारियों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप इस पुस्तक की रचना की है।

तेजस्वी यादव की जन्म कुंडली में सीएम बनने का योग नहीं : ललन सिंह

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- कहा- बिहार में नेता प्रतिपक्ष पका रहे हैं खयाली पुलाव

राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह। फाइल

जदयू के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने रविवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की जन्म कुंडली में सीएम बनने का योग नहीं है। पटना एयरपोर्ट परिसर में पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही।

मालूम हो कि शनिवार को नेता प्रतिपक्ष ने अपने एक कार्यक्रम में कहा था कि 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव में अगर आइएनडीआइए के सामने नीतीश कुमार का चेहरा होगा तो उनके गठबंधन की जीत पक्की है। ललन सिंह ने कहा कि तेजस्वी यादव खयाली पुलाव पका रहे हैं। उन्हें खयाली पुलाव पकाने दें। दरअसल, तेजस्वी जो चाहते हैं वह कभी पूरा नहीं होने वाला है। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार चेहरा थे और 2025 के विधानसभा चुनाव में भी वही चेहरा रहेंगे।

तेजस्वी यादव ने जो सपना पाला हुआ है, वह पूरा नहीं होने वाला : जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने रविवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जो सपना पाला हुआ है, वह पूरा नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान भी बहुत तरह के दावे किए गए, पर परिणाम सभी जानते हैं। तेजस्वी पर निशाना साधते हुए झा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उनका परफार्मेंस किस तरह का रहा, इसे उन्होंने कभी देखा है क्या? कहा गया कि ढाई सौ मीटिंग हुई पर हुआ क्या? परिणाम तो जनता ने दिया।

जनता लिखती है मुख्यमंत्री बनने की कुंडली : राजद

तेजस्वी यादव से जुड़ी ललन सिंह की टिप्पणी पर राजद ने पलटवार किया है। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री बनाने की कुंडली जनता लिखती है। तेजस्वी की कुंडली जनता लिख चुकी है। अगले विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता के आशीर्वाद से वह मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि ललन सिंह ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनने और खुद को उपमुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे तेजस्वी ने खारिज कर दिया था। उन्हें जनता के आशीर्वाद पर भरोसा है। यह बात आज भी ललन सिंह को खटक रही है, इसीलिए वे अब कुंडली की गणना करने लगे हैं। सपना और साजिश की राजनीति वे करते हैं जिन्हें जनता पर भरोसा नहीं है। राजद को साजिश पर भरोसा नहीं है।

'मनसे कार्यकर्ताओं की नाराजगी का परिणाम है उद्धव के काफिले पर हमला'

मुंबई, प्रेट्र: महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे के काफिले पर किए गए हमले को अपने कार्यकर्ताओं की नाराजगी का परिणाम बताया है। कहा कि कुछ लोगों ने मेरे काफिले पर सुपारियां फेंकी थीं। इससे हताश मनसे कार्यकर्ताओं ने उद्धव के काफिले को निशाना बनाया।

मनसे के कुछ कार्यकर्ताओं ने शनिवार शाम ठाणे में उद्धव ठाकरे के काफिले पर टमाटर और गोबर फेंका था। एक दिन पहले ही बीड जिले में कुछ लोगों ने राज ठाकरे के काफिले पर सुपारियां फेंकी थीं। अधिकारियों ने उद्धव के काफिले पर हमला करने के मामले में मनसे के 40 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। राज ठाकरे ने एक पोस्ट में कहा कि बीड में शिवसेना-यूबीटी के जिला प्रमुख द्वारा घटना की निंदा न किए जाने से मनसे कार्यकर्ताओं ने नाराजगी व्यक्त की। राज ने अपने कार्यकर्ताओं से फिलहाल पीछे हटने की अपील की। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव बाद उन लोगों पर ध्यान दिया जाएगा, जिन्होंने अपना तरीका बदलने से इन्कार कर दिया है।

अन्नामलाई ने तिरंगा यात्रा की अनुमति न देने पर द्रमुक सरकार पर साधा निशाना

तिरुपुर, प्रेट्र : भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने रविवार को कहा कि पुलिस ने उनकी पार्टी को मोटरसाइकिल पर तिरंगा यात्रा निकालने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ द्रमुक ने दिखा दिया कि उसे राष्ट्रीय ध्वज पसंद नहीं है। उन्होंने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर घर तिरंगा अपील और पार्टी की देशभर में तिरंगा यात्रा निकालने की योजना का भी जिक्र किया। कहा कि यह भाजपा का झंडा नहीं है। यह तिरंगा यात्रा है। इसका उद्देश्य लोगों में जागरूकता पैदा करना है।

के. अन्नामलाई। फाइल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि द्रमुक के लोगों के लिए राष्ट्रीय ध्वज स्वयं एक समस्या है। देखिये कि वे किस तरह दिखा रहे हैं कि उन्हें राष्ट्रीय ध्वज पसंद नहीं है। यात्रा के लिए अनुमति न देकर उन्होंने फिर से अपना गुस्सा जाहिर किया है।

चुनाव का कार्यक्रम तय करने का अधिकार आयोग के पास : सिन्हा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- उपराज्यपाल ने कहा- मुझे उम्मीद है विधानसभा चुनाव जल्द होंगे
- चुनाव आयोग ने प्रदेश का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की है

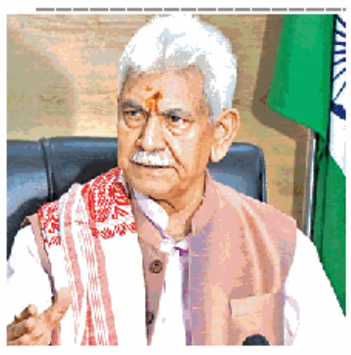

मनोज सिन्हा। प्रेट्र

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम तय करने का विशेष अधिकार चुनाव आयोग के पास है। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदेश में जल्द ही विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे।

जम्मू विश्वविद्यालय में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की नई इमारत के उद्घाटन के बाद उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जून में योग दिवस पर अपनी श्रीनगर यात्रा के समय कहा था कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा के चुनाव जल्द करवाएं जाएंगे। पांच अगस्त, 2019 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था कि जम्मू कश्मीर में परिसीमन के बाद विधानसभा चुनाव होंगे और फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा। सिन्हा ने कहा कि यह उसी क्रम में हो रहा है...मुझे उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव जल्द होंगे।

उपराज्यपाल ने हाल ही में चुनाव आयोग की पूरी टीम की जम्मू कश्मीर की दो दिवसीय यात्रा और दिल्ली लौटने से पहले राजनीतिक दलों, प्रशासन के अधिकारियों और अन्य हितधारकों के साथ उनकी बैठकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चुनाव करवाने की तिथि क्या होगी यह भारतीय चुनाव आयोग का विशेष अधिकार है।

बता चलें कि चुनाव आयोग की टीम ने आठ और नौ अगस्त को जम्मू-कश्मीर का दौरा कर चुनाव करवाने की तैयारियों का जायजा लिया है। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था कि चुनाव आयोग ने पहले ही जम्मू-कश्मीर में समीक्षा पूरी कर ली है और 19 अगस्त को अमरनाथ यात्रा समाप्त होने के साथ ही सुरक्षा आवश्यकताओं का आकलन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू कश्मीर में पहले विधानसभा चुनाव कराने के लिए जमीन तैयार करने के लिए चुनाव आयोग की यात्रा पहली बड़ी कवायद थी। तीन सदस्यीय चुनाव आयोग टीम का यह दौरा जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई 30 सितंबर की समय सीमा से पहले हुआ है। इसलिए जल्द ही चुनाव होंगे।

केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम आज से दो दिनी हरियाणा दौरे पर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ : केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम सोमवार से दो दिन के लिए हरियाणा दौरे पर आ रही है। चुनाव आयोग की टीम 12-13 अगस्त को हरियाणा में चुनाव प्रबंधों का जायजा लेगी। आयोग की टीम चंडीगढ़ में बैठक के बाद फील्ड में जाकर मतदान केंद्रों का भी दौरा कर सकती है। पिछले दो दिनों से प्रशासनिक तंत्र भी चुनावी मोड में काम करने लगा है। चंडीगढ़ स्थित सिविल सचिवालय में जहां शनिवार और रविवार को अवकाश के बावजूद कई शाखाओं में अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहते हैं, वहीं देर रात तक सचिवालय के कार्यालय खुलने लगे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं देर रात तक काम कर रहे हैं।

प्रदेश के सभी सरकारी विभागों के आला अधिकारी मुख्यमंत्री द्वारा फील्ड में की जा रही घोषणाओं की व्यावहारिकता की जांच के साथ-साथ तत्काल प्रभाव से उन पर अधिसूचनाएं जारी कर रहे हैं। जिन घोषणाओं पर अधिसूचना जारी हो चुकी है, उनके बारे में फीडबैक लेकर अधिकारियों की कार्यप्रणाली की जांच की जा रही है।

कार्यकर्ताओं की राय पर हरियाणा विस चुनाव में भाजपा देगी टिकट

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

- विधानसभा चुनाव के लिए एक सीट पर 50 से 80 दावेदार, 10 नंबर वाले का नाम टाप पर
- राज्य के सभी 22 जिलों में विशेष पर्यवेक्षक ने प्रमुख नेताओं व कार्यकर्ताओं से लिया फीडबैक

प्रत्याशी चयन की कवायद। प्रतीकात्मक

हरियाणा में भाजपा अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों को टिकट देगी। इसके लिए रविवार को पूरे प्रदेश में पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ताओं की राय जानी गई। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से हर जिले में दो-दो विशेष पर्यवेक्षक भेजे गए, जिन्होंने प्रत्येक जिले मे विधानसभावार टिकट के दावेदार नेताओं के नामों को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं से उनकी राय जानी। इन पर्यवेक्षकों में राज्य सरकार के मंत्री, पूर्व मंत्री, राज्यसभा सदस्य, विधायक और भाजपा संगठन के पदाधिकारी शामिल रहे। एक-एक विधानसभा सीट पर टिकट के लिए 50 से 80 नेताओं की दावेदारी सामने आई है। पार्टी पर्यवेक्षक अगले दो दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट तैयार कर जिला व प्रदेश कार्यालय के माध्यम से नवगठित प्रदेश चुनाव समिति को सौंप देंगे, जिसके बाद टिकटों के आवंटन की प्रक्रिया तेज कर दी जाएगी।

हरियाणा में कांग्रेस ने सभी 90 विधानसभा सीटों पर टिकट के लिए आवेदन मांगे हैं। इसके लिए बाकायदा पांच हजार से 20 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई थी। करीब 2500 लोगों ने कांग्रेस के टिकटों के लिए आवेदन किए हैं, लेकिन भाजपा ने विधानसभावार अपने टिकटार्थियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किए, जो रविवार को पूरे प्रदेश में एक साथ सभी जिलों में गए। पार्टी कार्यकर्ताओं को पहले से ही आब्जर्वरों के आने की सूचना दे गई थी। इसलिए भाजपा के सभी जिला मुख्यालयों पर रविवार को भीड़ लगी रही।

भाजपा पर्यवेक्षकों से टिकट के लिए संभावित दावेदारों के नाम पर चर्चा में सांसद, जिला परिषदों में भाजपा के पार्षद, चेयरमैन, ब्लाक समिति के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, मेयर, नगर निगम पार्षद, नगर पालिका, परिषद के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, निवर्तमान जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, सरकारी बोर्डों, निगमों के चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन भी हिस्सा बने। कुछ जिलों में विधानसभावार बाक्स रखे हुए थे, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी पसंद के संभावित तीन उम्मीदवारों के नाम पर्ची बनाकर डाले तो कुछ जिलों में सीधे पर्यवेक्षकों ने बारी-बारी से बातचीत कर तीन नामों की जानकारी ली। एक पार्टी कार्यकर्ता एक, दो और तीन नंबर के हिसाब से तीन नामों की राय दे सकता था। विधानसभावार जिस दावेदार के नाम की सबसे अधिक पर्चियां निकलेंगी, उसे 10 नंबर मिलेंगे। दूसरे स्थान पर रहने वाले को पांच और तीसरे स्थान पर रहने वाले को दो नंबर मिलेंगे।

अब चुनाव समिति के पास जाएगी नामों की रिपोर्ट

हरियाणा भाजपा के मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी के अनुसार सभी 90 विधानसभा सीटों के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने एक ही दिन में कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर ली है। पर्यवेक्षक कार्यकर्ताओं के मन की बात जान चुके हैं। रायशुमारी के लिए नियुक्त किए गए सभी नेता अपनी-अपनी रिपोर्ट तैयार कर पार्टी नेतृत्व को सौंपेंगे, ताकि प्रत्याशी तय करते समय इस रायशुमारी को ध्यान में रखा जा सके। अरविंद सैनी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ताओं की राय बड़ी महत्वपूर्ण होती है। कांग्रेस में आलाकमान ही सब कुछ होता है, जबकि भाजपा में कमल का निशान सर्वोपरि है।

दायरे का विस्तार

अपने शासनकाल में आदिवासी महोत्सव को दिया संस्थागत व राष्ट्रीय स्वरूप, आयोजन के जरिये दिए संदेश, आसन्न विधानसभा चुनाव पर भी नजर

आदिवासियों के बड़े जुटान से हेमंत ने साधे एक तीर से कई निशाने

प्रदीप सिंह ● जागरण

रांची : राजधानी में गत नौ-दस अगस्त को संपन्न आदिवासी महोत्सव के सफल आयोजन से मुख्यमंत्री सह सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने एक साथ कई संदेश दिए। एक मायने में उन्होंने एक तीर से कई निशाने साधे। हेमंत सोरेन ने अपने शासनकाल के दौरान इस महती आयोजन को संस्थागत के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वरूप भी प्रदान किया। पहले इस आयोजन का स्वरूप संस्थागत नहीं था। विभिन्न जनजातीय संगठन राजधानी में अपनी सांकेतिक उपस्थिति दर्ज कराते थे। अपने शासनकाल के दौरान हेमंत सोरेन ने इसकी पहल की। बीते वर्ष इस आयोजन को बड़ा फलक देने की प्रक्रिया आरंभ हुई। ताजा आयोजन इस मायने में भव्य रहा कि विभिन्न प्रांतों के साथ-साथ उत्तर-पूर्वी राज्यों से भी बड़ी संख्या में आदिवासियों का जुटान हुआ।

आदिवासी दिवस पर गत शनिवार को रांची में आयोजित कार्यक्रम में नगाड़ा बजाते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन (बाएं) और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन (दाएं)। जागरण

खास बात यह रही कि आयोजन स्थल के अलावा राजधानी में भी उत्सव का माहौल रहा। पारंपरिक परिधान में आदिवासी समुदाय के लोग थिरकते रहे। जनजातीय समाज का बड़ा जुटान कर हेमंत सोरेन ने यह संदेश दिया कि वे झारखंड से बाहर निकल देशभर में आदिवासियों के बीच लोकप्रिय होकर उभरे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी पांच आदिवासी सुरक्षित सीटों पर हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले गठबंधन ने जीत हासिल की है।

समर्थकों के नाम भावुक अपील के भी मायने

आदिवासी महोत्सव के क्रम में 10 अगस्त को हेमंत सोरेन का अपनी जन्मतिथि के मौके पर भावुक संदेश भी चर्चा के केंद्र में रहा। उन्होंने ईडी की कार्रवाई के बाद अपनी जेल यात्रा से संबंधित एक तस्वीर साझा की। उसमें रिहाई के वक्त उनके हाथ में लगी जेल की मुहर की तस्वीर थी। इसके साथ-साथ उन्होंने अपने आधार वर्ग को आकर्षित करते हुए लिखा- आदिवासी, दलित, पिछड़े अल्पसंख्यक के हक की मांग को हमेशा बुलंद करते रहेंगे। हेमंत अपना संदेश पहुंचाने में सफल रहे तो इसके पीछे बड़ी वजह इस कार्रवाई को लेकर उनके समर्थकों के बीच पैदा हुई सहानुभूति है। उनके राजनीतिक विरोधी अब इस बात को हवा दे रहे हैं कि लोकसभा चुनाव में भले ही इसका असर दिखा, लेकिन विधानसभा चुनाव में यह कारगर नहीं होगा। लेकिन, झामुमो के रणनीतिकार इस मुद्दे को आसानी से छोड़ने वाले नहीं हैं।

****

170 शहरों के 416 केंद्रों पर दो शिफ्टों में रविवार को नीट-पीजी का आयोजन किया गया। इसका आयोजन 23 जून को कराया जाना था, लेकिन विवादों के कारण इसके आयोजन में विलंब हुआ।

बंगाल में महिला डाक्टर की हत्या मामले में हटाए गए चिकित्सा अधीक्षक

कार्रवाई ▶ वारदात की रात ड्यूटी पर तैनात रहे सहायक पुलिस आयुक्त को भी हटाया गया

आरोपित की हो चुकी हैं चार शादियां, गलत बर्ताव के कारण छोड़ चुकीं तीन पत्नियां

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल के सरकारी आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के दो दिन बाद स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा अधीक्षक-सह-उप प्राचार्य डा. संजय वशिष्ठ को हटा दिया है। छात्र मामलों की डीन डा. बुलबुल मुखोपाध्याय फिलहाल उनका कार्य देखेंगी। इस बीच सामने आया है कि आरोपित संजय राय की चार शादियां हुई हैं। उसके गलत बर्ताव के कारण तीन पत्नियां उसे छोड़ चुकी हैं। चौथी पत्नी की कैंसर के कारण पिछले साल मौत हो चुकी है।

बता दें कि अस्पताल के सेमिनार हाल से शुक्रवार सुबह स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डाक्टर का अर्द्धनग्न शव बरामद हुआ था। रात दो बजे ड्यूटी खत्म होने के बाद उन्होंने खाना खाया और आराम करने के लिए चौथी मंजिल पर स्थित सेमिनार हाल में चली गई थीं। पुलिस को सेमिनार हाल से एक टूटा हुआ ब्लूटूथ ईयरफोन मिला, जिसके आधार पर आरोपित की पहचान हुई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने वारदात वाली रात ड्यूटी पर रहे दो सुरक्षाकर्मियों को पहले ही निलंबित कर दिया है। पुलिस आयुक्त विनीत कुमार गोयल का कहना है कि प्रशिक्षु डाक्टरों की मांग थी कि घटना की रात ड्यूटी पर तैनात सहायक पुलिस आयुक्त चंदन गुहा को पद से हटाया जाए, इसलिए उन्हें हटा दिया गया है। पद से हटाए गए चिकित्सा अधीक्षक डा. संजय को राष्ट्रीय चिकित्सा कालेज एवं अस्पताल के प्रोफेसर के रूप में स्थानांतरित किया गया है। घटना के बाद से ही अस्पताल के जूनियर डाक्टर आंदोलनरत हैं।

कोलकाता में रविवार को प्रदर्शन करते चिकित्सक और नर्सिंग कर्मचारी। प्रेट्र

आज से हड़ताल पर रहेंगे रेजिडेंट डाक्टर

घटना के विरोध में फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने सोमवार से देशभर के सरकारी अस्पतालों में अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है। फोर्डा ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखकर अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा को छोड़कर नियमित सेवाएं बंद करने की घोषणा की है और सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) से हड़ताल में शामिल होने की अपील की है। एम्स में रेजिडेंट डाक्टर हड़ताल में शामिल नहीं होंगे।

सुकांत ने नड्डा को लिखा पत्र : बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डा. सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और अन्य सुधारात्मक कदम उठाने का अनुरोध किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की टीम भेजकर सरकारी अस्पतालों में सख्त सुरक्षा प्रोटोकाल लागू कराया जाए।

महिला वन अधिकारी पर हत्या की कोशिश का आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : बंगाल के जेल मंत्री रहे अखिल गिरि को मनीषा साव नामक जिस महिला वन अधिकारी से दुर्व्यवहार के मामले में मंत्री पद गंवाना पड़ा था, अब उसी पर स्थानीय ग्रामीण महिला ने हत्या की कोशिश करने का आरोप लगाया है। महिला ने मंदारमणि कोस्टल थाने में शिकायत दर्ज करवाकर कहा है कि गत दो अगस्त को रात करीब 11 बजे मनीषा साव व वन विभाग के अन्य अधिकारियों ने उनकी दुकान को तोड़ने व आग लगाकर उन्हें वहां से हटाने की कोशिश की। उनकी हत्या की भी कोशिश की गई।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू की है। वन विभाग की ओर से इस बारे में अब तक कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई है। मालूम हो कि पूर्व मेदिनीपुर जिले के ताजपुर समुद्र तट से अतिक्रमण हटाने को लेकर वन विभाग की ओर से की गई कार्रवाई से अखिल गिरि इतने क्षुब्ध हो गए थे कि उन्होंने मनीषा साव को 'जानवर' कहते हुए उन्हें डंडे से पीटने की बात कही थी। इस घटना को लेकर भाजपा ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। राज्य प्रशासन के निर्देश पर अखिल गिरि ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। यह विभाग मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फिलहाल अपने पास रखा है।

संघ का नगरों में स्थित सेवा बस्तियों में सेवा कार्य प्रारंभ करने पर जोर

जागरण संवाददाता, रांची

सरसंघचालक भागवत ने समाज के अच्छे लोगों को संघ से जोड़ने का किया आग्रह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष पर देश के सभी नगरों में स्थित सेवा बस्तियों में सेवा कार्य प्रारंभ करने पर जोर देगा। इसके साथ ही समाज के अच्छे लोगों को संघ से जोड़ने का भी अभियान चलाएगा। इसके लिए स्वयंसेवक लोगों में संपर्क बढ़ाने के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के साथ बैठकें भी करेंगे। पुरी में नौ अगस्त से चल रही तीन दिवसीय प्रांत सेवा प्रमुखों की बैठक रविवार को समाप्त हो गई, इसमें सरसंघचालक मोहन भागवत ने कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कहा कि सभी शाखाओं के माध्यम से सेवा का कार्य प्रारंभ करना है। बैठक के दौरान हुए प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में बांग्लादेश का मुद्दा भी संघ प्रमुख के सामने रखा गया। इस पर सरसंघचालक ने कहा कि बांग्लादेश को लेकर केंद्र सरकार अपने स्तर से काम कर रही है। वहां की परिस्थिति को लेकर हमें समाज में जनजागृति खड़ा करना है।

सरसंघचालक ने बैठक में कहा कि अगले वर्ष संघ अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है। स्वयंसेवकों में यह अहंकार नहीं आना चाहिए कि अब तो संगठन के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं। हमें विनम्रता के साथ समाज के बीच जाना है और लोगों को संगठन से जोड़ने का काम करना है। समाज संघ से जुड़ने के लिए तैयार बैठा है। बैठक में पूर्व सरकार्यवाह भय्याजी जोशी, सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर, सीआर मुकुंदा सहित अखिल भारतीय सेवा प्रमुख, उनके सहयोगी, सभी क्षेत्र सेवा प्रमुख एवं सभी 45 प्रांतों के सेवा प्रमुख एवं सह सेवा प्रमुख उपस्थित रहे।

स्वावलंबन पर भी जोर देगा संघ : तीन दिनों की बैठक में संघ की ओर से पूरे देश में चलाए जा रहे सेवा कार्यों का ब्योरा भी रखा गया। आंकड़ों के अनुसार संघ की ओर से डेढ़ लाख से अधिक स्थलों पर सेवा कार्य संघ के स्वयंसेवकों की ओर से चलाए जा रहे है। इन सेवा कार्यों के माध्यम से संघ समाज में स्वावलंबन पर जो देगा। इसके लिए अलग-अलग तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने पर जोर दिया जाएगा। संघ का मानना है कि सभी कार्य हम सरकार के भरोसे नहीं छोड़ सकते हैं। इसके लिए समाज को आगे आना होगा।

विशेषज्ञों की राय, नीट की जगह पूर्व प्रणाली पर लौटने से पैदा होंगी पुरानी समस्याएं

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट की ओर से मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की परीक्षा नीट में आमूलचूल बदलाव के लिए कहे जाने के बाद पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग जोर पकड़ने लगी है, लेकिन कुछ विशेषज्ञ परीक्षा कराने की राज्यों की क्षमता और अधिवास (डोमिसाइल) नियम के अनुपालन को लेकर आशंकित हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से पुरानी समस्याएं पैदा हो जाएंगी जिनकी वजह से उसे खत्म किया गया था।

नीट के अधिवास नियम के मुताबिक, 85 प्रतिशत सीटें राज्य के निवासियों के लिए आरक्षित होती हैं जिन्होंने 12वीं की परीक्षा वहां के स्कूल से उत्तीर्ण की हो। बाकी 15 प्रतिशत सीटें अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए होती हैं। नीट विवाद के बीच तमिलनाडु, कर्नाटक एवं बंगाल ने अपनी विधानसभाओं में नीट का विकल्प छोड़ने एवं अपनी मेडिकल प्रवेश परीक्षा कराने का प्रस्ताव पारित किया है। द्रमुक की सदस्य रानी श्रीकुमार ने लोकसभा में भी इस प्रस्ताव का जिक्र किया था और आरोप लगाया कि नीट ने कई छात्रों के सपनों को तोड़ दिया

कहा, पूर्व में परीक्षा कराने में विफल रहे हैं राज्य

है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यह प्रस्ताव मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को नहीं भेजा।

एम्स के पूर्व निदेशक डा. एमसी मिश्रा का कहना है कि परीक्षा कराने के राज्यों के अधिकार में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन वे पूर्व में विफल रहे हैं। अगर उन्हें परीक्षा कराने का अधिकार मिले भी तो उन्हें सुनिश्चित करना होगा कि नीट पास करने वालों को 15 प्रतिशत अखिल भारतीय कोटे में प्रवेश मिले। साथ ही उन्होंने कहा कि इस विचार को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि तब क्या होगा जब दो राज्य एक ही तिथि पर परीक्षा कराने का फैसला करें।

दिल्ली मेडिकल काउंसिल के सेकेट्री व रजिस्ट्रार गिरीश त्यागी ने कहा कि राज्य के स्तर पर परीक्षा में धांधली की संभावना ज्यादा है। इसके अलावा राज्यों के लिए प्रश्नपत्रों में एकरूपता लाना चुनौतीपूर्ण होगा और इससे डाक्टरों की गुणवत्ता प्रभावित होगी। नीट की एक आनलाइन कोचिंग के संस्थापक कपिल गुप्ता ने राज्यों की मांग को धोखा और नौटंकी करार दिया।

170 शहरों में दो शिफ्टों में कराई गई नीट-पीजी

मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट-पीजी का रविवार को देश में 170 शहरों के 416 केंद्रों पर दो शिफ्टों में आयोजन किया गया। इसका आयोजन 23 जून को कराया जाना था, लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं पर उठे विवादों के कारण इसके आयोजन में विलंब हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, परीक्षा के लिए 2,28,540 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे। परीक्षा केंद्रों पर 1,950 से अधिक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता और 300 उड़नदस्ते के सदस्यों को तैनात किया गया था। साथ ही देशभर में परीक्षा की निगरानी के लिए आठ क्षेत्रीय कमान केंद्रों की स्थापना की गई थी।

कलिंगा के 13,944 छात्रों ने एकसाथ राष्ट्रगान गाकर बनाया रिकार्ड

जासं, भुवनेश्वर : ओडिशा के भुवनेश्वर में स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज (कीस) के 13,944 छात्रों ने एकसाथ राष्ट्रगान गाकर गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स के अधिकारियों ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। राष्ट्रगान गाने वाले समूह का नेतृत्व तीन बार ग्रैमी पुरस्कार के विजेता रिकी केज ने किया। संगीत निर्देशन भी उन्होंने ही किया। वहीं राष्ट्रगान के समूह प्रदर्शन में बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया, सरोद वादक अमन और अयान अली खान, और संतूर वादक राहुल शर्मा सहित कई अन्य प्रसिद्ध कलाकार शामिल रहे। रिकार्ड बनानेवाले छात्रों ने रिकी केज के साथ मिलकर राष्ट्रगान का एक स्मारकीय संस्करण तैयार किया है, जिसे आधिकारिक तौर पर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को जारी किया जाएगा। इस उपलब्धि परखुशी व्यक्त करते हुए कलिंगा इंस्टीट्यूट के संस्थापक डा. अच्युत सामंत ने कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है।

हाजिरजवाबी के लिए जाने जाते थे नटवर

नई दिल्ली, प्रेट्र : बहुमुखी प्रतिभा के धनी पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह नहीं रहे। उन्होंने कूटनीति, राजनीति के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की थीं। उन्होंने कई किताबें भी लिखीं जिसे काफी सराहा गया। 1984 में पद्म भूषण से सम्मानित नटवर अपनी हाजिरजवाबी और साफगोई के लिए जाने जाते थे।

नटवर सिंह का शनिवार देर रात गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में निधन हुआ। वह 93 वर्ष के थे। उनका इलाज चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को लोधी रोड श्मशान घाट पर किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनके निधन पर शोक जताया है।

नटवर की गिनती कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में होती थी। पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, राजीव गांधी के साथ नटवर के अच्छे संबंध रहे, लेकिन 'तेल के बदले अनाज घोटाले' पर बोल्कर समिति की रिपोर्ट के बाद सोनिया गांधी से मतभेद के कारण उन्हें कांग्रेस छोड़नी पड़ी।

पूर्व विदेश मंत्री का गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में शनिवार देर रात हुआ निधन

नटवर सिंह। फाइल/प्रेट्र

राजस्थान के भरतपुर में जन्मे नटवर को 1953 में भारतीय विदेश सेवा में चुना गया था। उन्होंने चीन, अमेरिका, पाकिस्तान, ब्रिटेन समेत कई देशों में प्रमुख पदों पर कार्य किया। उन्हें 1983 में नई दिल्ली में आयोजित सातवें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन का महासचिव और उसी वर्ष राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक का मुख्य समन्वयक बनाया गया था। उन्होंने 1984 में विदेश सेवा से इस्तीफा देकर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता। इसके बाद वह 1989 तक केंद्रीय राज्य मंत्री रहे।

उन्होंने 2004 में डा. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में विदेश मंत्री का पद संभाला, लेकिन वोल्कर समिति की रिपोर्ट के बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। दरअसल अक्टूबर 2005 में पाल वोल्कर की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने तेल के बदले खाद्य कार्यक्रम में भ्रष्टाचार की जांच रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया था कि नटवर के परिवार को तेल के बदले खाद्य कार्यक्रम में लाभ पहुंचाया गया। जिस वक्त यह रिपोर्ट आई नटवर विदेश गए थे। उनके मन में कसक थी कि सोनिया उनके बचाव में नहीं आईं। नटवर ने कई किताबें भी लिखीं, जिनमें 'द लिगेसी आफ नेहरू: ए मेमोरियल ट्रिब्यूट', 'माई चाइना डायरी 1956-88' और आत्मकथा 'वन लाइफ इज नाट इनफ' शामिल हैं।

गुरुद्वारा समिति की जमीन पर कब्जे को लेकर चली गोली, आठ घायल

जागरण संवाददाता, सिरसा

हरियाणा में सिरसा जिले के रानियां में रविवार को नामधारी गुरुद्वारा समिति की जमीन को लेकर दो गुटों में गोलियां चल गईं, जिनमें आठ लोग घायल हो गए। तीन की हालत गंभीर है। पुलिस ने 13 लोगों को नामजद करते हुए लगभग तीन सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रानियां तहसील के जीवन नगर गांव में नामधारी गुरुद्वारा समिति की 11 एकड़ एक कनाल जमीन को लेकर नामधारी सिखों के दो गुटों में विवाद हो गया। रविवार सुबह छह बजे ही सतगुरु उदय सिंह गुट के 250 से 300 अनुयायी गाड़ियों पर हथियारों से लैस होकर जमीन पर कब्जा लेने पहुंचे। उन्होंने जमीन की निशानदेही कर उस पर सफेद झंडे लगाने शुरू कर दिए। सतगुरु दलीप सिंह के अधीन चल रही नामधारी गुरुद्वारा समिति श्री जीवननगर के प्रबंधकों ने इसका विरोध किया, लेकिन वे नहीं रुके। बात बढ़ गई और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर फायरिंग करने लगे। करीब 12 राउंड गोलियां चलीं। पुलिस की जीप पर भी

नामधारी गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की शिकायत पर 13 नामजद, 300 अन्य के खिलाफ केस

एसपी विक्रांत भूषण मौके पर पहुंचकर मामले की जांच करते हुए। जागरण

गोली लगने के निशान मिले हैं। घायलों को तुरंत सिरसा के सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया। एसपी विक्रांत भूषण ने दोनों गुटों के साथ बैठक कर विवादित जमीन को जाने वाले सभी रास्तों को बंद करा दिया। सतगुरु दलीप सिंह के अनुयायी हरविंद्र सिंह मिट्ठू का दावा है कि उनकी यह जमीन 2029 तक नामधारी गुरुद्वारा समिति के पास गिरवी है। जबकि दूसरे पक्ष का कहना है कि यह गुरुद्वारा लंगर समिति भैणी साहिब की है।

अगले 10 वर्षों में 50 प्रतिशत तक बढ़ाएं उच्च शिक्षा में नामांकन दर : योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत बीते तीन वर्षों में शिक्षा के स्तर में आए सुधार के प्रयासों की सराहना की है। रविवार को प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और भावी योजनाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने 'एक मंडल, एक विश्वविद्यालय' का लक्ष्य पूरा कर लिया है और अब हम 'एक जिला-एक विश्वविद्यालय' की ओर बढ़ रहे हैं। सकल नामांकन दर को बेहतर करने में इन नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से सहायता मिल रही है। वर्तमान में उच्च शिक्षण संस्थानों में सकल नामांकन दर (ग्रास एनरोलमेंट रेशियो) लगभग 25 प्रतिशत है। हमारा लक्ष्य हो कि आगामी 10 वर्षों में यह 50 प्रतिशत से अधिक पहुंचे। बैठक में बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक, व्यावसायिक, कृषि तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिवों ने विभागीय प्रगति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और भावी कार्यक्रमों की समीक्षा

योगी आदित्यनाथ। फाइल

मुख्यमंत्री ने कहा है कि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 को लागू करने वाला अग्रणी राज्य रहा है। बीते तीन वर्षों में इसके माध्यम से सकल नामांकन दर (ग्रास एनरोलमेंट रेशियो) में वृद्धि, विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में शिक्षा गुणवत्ता स्तर में सुधार के लिए हुए प्रयासों के अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं में वार्षिक कैलेंडर तैयार करते समय यह सुनिश्चित करें कि अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर वार्षिक परीक्षाएं 15 मई तक संपन्न हो जाएं। यह भी सुनिश्चित करें कि हर विद्यालय में खेल के मैदान जरूर हों। युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के माध्यम से स्नातक व डिप्लोमा उत्तीर्ण युवाओं को औद्योगिक संस्थानों में अप्रेंटिसशिप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पिछले वित्तीय वर्ष में 53 हजार से अधिक युवा इस योजना से जुड़े और इस वर्ष अब तक 11 हजार अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया है। औद्योगिक इकाइयों से संवाद समन्वय करते हुए अधिकाधिक युवाओं को इससे लाभान्वित कराएं। सभी को समय से स्टाइपेंड का भुगतान होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बाल वाटिकाओं को उपयोगी बनाने और इसके लिए महिला एवं बाल विकास और बेसिक शिक्षा विभाग को मिलकर काम करने की नसीहत दी। कहा, बाल वाटिका को एक ऐसे केंद्र के रूप में विकसित करें, जहां बच्चों में सीखने के प्रति ललक पैदा हो।

गुना में प्रशिक्षण विमान दुर्घटना में दो पायलट हुए घायल

40 मिनट उड़ने के बाद हवाई पट्टी परिसर में ही झाड़ियों में गिरा एयरक्राफ्ट-152

गुना में पेड़ और झाड़ियों के बीच गिरा विमान। नईदुनिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, गुना

मध्य प्रदेश में गुना शहर के कैंट क्षेत्र में अशोकनगर रोड पर स्थित हवाई पट्टी परिसर में रविवार दोपहर एक निजी प्रशिक्षण संस्थान का एयरक्राफ्ट-152 तेज आवाज के साथ गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में विमान में सवार दो पायलट घायल हो गए। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

दो सीट वाले तीन प्रशिक्षण विमान शनिवार को कर्नाटक से मेंटेनेंस के लिए शा-शिव फ्लाइंग एकेडमी की हवाई पट्टी परिसर में लाए गए थे। इनमें से एक को मरम्मत के बाद रविवार को दोपहर जांच के लिए पट्टी पर लाया गया। रविवार दोपहर 1.30 बजे टेस्टिंग उड़ान के दौरान विमान को कम ऊंचाई पर पट्टी के आसपास ही उड़ाकर जांचा जा रहा था। विमान करीब 40 मिनट तक हवा में उड़ान भरता रहा, इस बीच इसके कोई खराबी आ गई और वह कुछ ही क्षणों में हवाई पट्टी के नजदीक झाड़ियों में जा गिरा। हवाई पट्टी परिसर से कर्मचारी दौड़कर पहुंचे और मलबे में फंसे पायलटों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। अस्पताल में भर्ती पायलटों की हालत खतरे से बाहर है। एकेडमी के अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उड़ान के दौरान विमान का इंजन बंद हो गया। ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तकनीकी टीम से कराई जा रही है।

खेती पर चर्चा

प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, नई किस्मों की जरूरत पर सवाल पूछे, दिल्ली के किसान सत्यवान सहरावत व सुमित से करीब 15 मिनट बात करते रहे मोदी

वर्षा से भीगते प्रधानमंत्री ने किसानों से किया संवाद

गौतम कुमार मिश्रा ● जागरण

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर में एक ओर विज्ञानी तो दूसरी ओर किसानों से घिरे थे। विज्ञानी जहां उन्हें कृषि क्षेत्र में चल रहे शोध व नई उन्नत किस्मों से अवगत करा रहे थे, तो प्रधानमंत्री इन किस्मों की जरूरत व इनके फायदे के बारे में किसानों से सीधे चर्चा कर रहे थे। प्रधानमंत्री की सर्वाधिक जिज्ञासा किसानों से यह जानने की थी कि जिन किस्मों के विकास के बारे में यहां विज्ञानी बातें कर रहे हैं, क्या सच में इनकी जरूरत थी और यदि इनकी जरूरत थी तो क्या इसका फायदा किसान उठा रहे हैं।

पूसा परिसर में प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए देशभर से प्रगतिशील किसान आए थे। हल्की बूंदाबांदी के बीच प्रधानमंत्री खेत में ही दिल्ली के सत्यवान सहरावत व सुमित डागर से करीब 15 मिनट तक बात करते रहे। सत्यवान बताते हैं कि प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, नई किस्मों की जरूरत पर उनसे सवाल पूछे। उन्हें बताया गया कि कठोर जलवायु के प्रति सहनशील किस्मों ने खेतीबाड़ी का काफी भला किया है। बीमारी रोधी किस्मों से भी किसानों को फायदा हुआ है। सुमित से प्रधानमंत्री ने श्रीअन्न की खेती के बारे में जानना चाहा। सुमित ने उन्हें बताया कि उनकी श्रीअन्न की खेती देखने अमेरिका व सूरीनाम से लोग आ चुके हैं।

नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में रविवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान किसानों से चर्चा करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

****

इन फसलों की किस्में जारी

प्रथम पृष्ठ से आगे

जारी 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर समेत विभिन्न अनाज के उन्नत बीज जारी किए। बागवानी में आम, अनार, अमरूद, बेल जैसे फलों के साथ सब्जियों में टमाटर, लौकी आदि के साथ कंद, मसालों, फूलों एवं औषधीय पौधों की विभिन्न किस्में जारी की गई। अनाज में धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा, रागी, छीना, सांबा आदि। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि एवं किसानों के लिए आज के दिन को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि नई किस्मों से प्रतिकूल मौसम में भी अच्छी पैदावार मिल सकती है। इस मौके पर मौजूद किसानों ने कहा कि ये नई किस्में निम्न लागत की वजह से उनके लिए बेहद लाभप्रद होंगी। सरकार ने हालिया बजट में अधिक उपज वालीं पर्यावरण अनुकूल किस्में जारी किए जाने को रेखांकित किया था।

मप्र में अंगदान करने वाले को अंत्येष्टि के पहले दिया जाएगा राजकीय सम्मान

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर अंगदानियों के स्वजन को किया जाएगा सम्मानित

अंगदान के बाद अस्पताल में ही अंगदानी को 'गार्ड आफ आनर' दिया जाएगा। ब्रेन डेड रोगियों के अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसा प्रयास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 15 अगस्त और 26 जनवरी को अंगदानी के स्वजन को सम्मानित किया जाएगा।

– डा. एके श्रीवास्तव, संचालक, चिकित्सा शिक्षा मप्र

अंगदान कर लोगों को नया जीवन देने वालों को राजकीय सम्मान (गार्ड आफ आनर) दिया जाएगा। ब्रेन डेड रोगियों से अंगदान को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्तर पर यह प्रयोग शुरू करने की तैयारी है। मध्य प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा है। स्वीकृति के बाद इसे सितंबर से लागू करने की तैयारी है। दुःख की घड़ी में भी स्वजन को गर्व का अनुभव हो, इसलिए यह व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर अंगदानियों के स्वजन को सम्मानित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गत दिनों मप्र को अंगदान के क्षेत्र में 'तेजी से उभरते' राज्य का पुरस्कार दिया था। राज्य में अब तक 60 ब्रेन स्टेम डेथ रोगियों का अंगदान हो चुका है। तमिलनाडु सरकार ने वर्ष 2023, ओडिशा सरकार ने फरवरी 2024 व आंध्र प्रदेश ने इसी माह से राजकीय सम्मान देने का निर्णय लिया है। दक्षिणी राज्यों में अंगदान को लेकर जागरूकता है। ब्रेन डेड रोगियों के अंगदान इन राज्यों में अधिक होते हैं।

229 लोगों की मौत हो चुकी है वायनाड में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन में। इसमें से 178 शवों की पहचान कर ली गई है। 51 शवों की पहचान नहीं हो पाई है और 130 लोग लापता हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 12 अगस्त, 2024

उत्तर भारत में तेज वर्षा से बढ़ी दुश्वारियां, राजस्थान में 14 की मौत

बिहार में पांच की मौत, विधानसभा परिसर में भरा पानी, अगले कुछ दिन ऐसा ही मौसम रहने की चेतावनी जारी

केदारघाटी में झील टूटने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

जागरण टीम, नई दिल्ली

उत्तर भारत में तेज वर्षा और भूस्खलन के कारण दुश्वारियों का दौर जारी है। रविवार को तेज वर्षा के कारण अलग-अलग राज्यों में हुए हादसों के चलते 21 की मौत हो गई है। राजस्थान में सबसे ज्यादा 14 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से सात की मौत बाणगंगा नदी में नहाने के दौरान डूबने से हुई। बिहार में वर्षा के कारण हुए हादसों में पांच लोगों की मौत हुई है। पहाड़ों में जहां भूस्खलन के चलते सड़कें बंद हैं, वहीं मैदानी क्षेत्रों में जलभराव और उफनाती नदियों के चलते दिक्कत बनी हुई है। जम्मू में प्रशासन ने मौसम को देखते हुए अमरनाथ यात्रा को स्थगित कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिन भी ऐसा ही मौसम बना रह सकता है।

राजस्थान में शनिवार से हो रही तेज वर्षा के कारण प्रदेश के कई जिलों में हालात बिगड़ने लगे हैं। वर्षा के चलते हुए हादसों में रविवार को 14 लोगों की मौत हो गई, जिनमें भरतपुर में नदी में नहाने के दौरान डूबे सात युवक भी शामिल हैं।

उत्तराखंड स्थित चमोली में रविवार को हुए भूस्खलन के बाद बाधित मार्ग। प्रेट्र

हिमाचल में मूसलधार वर्षा के कारण रविवार को कई जगह भारी नुकसान हुआ है। ऊना शहर में रविवार को जलभराव के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भारी वर्षा के कारण ऊना के बाथू स्थित औद्योगिक क्षेत्र जलमग्न हो गया। जागरण

बारिश से वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है। बाढ़ के हालात को देखते हुए स्कूलों में सोमवार को अवकाश घोषित कर दिया गया। सवाई माधोपुर जिले में कई छोटी-बड़ी नदियां उफान पर है। 20 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है।

हिमाचल में कहीं बादल फटा, कहीं सड़क धंसी : हिमाचल के शिमला में बादल फटने से सेब के 800 पौधे बह गए जबकि गोदाम में रखीं सेब की 200 पेटियां भी बह गईं। इसके अलावा कांगड़ा जिले में रानीताल के पास निर्माणाधीन मटौर-शिमला फोरलेन का लगभग 100 मीटर हिस्सा धंस गया। प्रदेश में 137 सड़कें बाधित हैं।

केदारघाटी के भीमबली में भारी भूस्खलन, मंदाकिनी नदी पर बनी झील : उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर भीमबली के पास मार्ग के दूसरी तरफ भारी भूस्खलन होने से मंदाकिनी नदी पर झील बन गई है। इससे नदी का प्रवाह रुक गया है। झील के टूटने पर बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए गौरीकुंड से लेकर रुद्रप्रयाग तक लोगों को सचेत कर दिया है। वहीं, चमोली में शनिवार रात बादल फटने से दो आवासीय भवन और एक गोशाला क्षतिग्रस्त हो गई। प्रदेश में 209 संपर्क मार्ग बाधित हैं, जिससे दर्जनों गांव अलग-थलग पड़ गए हैं। चारधाम यात्रा मार्ग भी निरंतर अवरुद्ध हो रहे हैं। रविवार सुबह करीब 11 बजे बदरीनाथ हाईवे पर छिनका भूस्खलन क्षेत्र में चट्टान का एक बड़ा हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गया।

तेजप्रताप के सरकारी आवास में जलजमाव, बिहार में पांच की मौत : पटना में राजद विधायक और पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव के आवास में भी जलजमाव हुआ है। इसके बाद उन्होंने सरकार पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने अपने आवास में जलजमाव का एक वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा विधायक आवास का यह हाल है तो सोचिए आम जनता का क्या होल होगा। बिहार में शनिवार को हुई जोरदार वर्षा के बाद कई इलाकों में जलजमाव हो गया। इसके अलावा पांच लोगों की मौत भी हुई है।

हरियाणा के 15 गांवों में पानी घुसा : हिमाचल के सिरमौर में बादल फटने और पहाड़ों से आए वर्षा के पानी के कारण हरियाणा के कई गांवों में पानी घुस गया। खेत भी डूब गए। वहीं, एक किसान की भी मौत हो गई है। पुलिस ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है।

पंजाब में बरसाती नाले में बही गाड़ी, एक ही परिवार के आठ सदस्यों समेत नौ की मौत

जागरण संवाददाता, होशियारपुर : पंजाब के होशियारपुर में माहिलपुर के पास 11 यात्रियों को लेकर जा रही इनोवा गाड़ी उफान मार रहे खड्ड में बह गई। रविवार सुबह हुए हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें आठ लोग एक ही परिवार के सदस्य हैं। दो लोग लापता हैं, जबकि एक युवक ने गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचा ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवार को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इनोवा कार सवार लोग हिमाचल प्रदेश के ऊना से नवांशहर के गांव महरोवाल में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। गांव जेजों दोआबा के निकट खड्ड में पानी पूरा उफान पर था। आसपास खड़े लोगों ने चालक को आवाज लगाई, लेकिन उसने अनसुना कर दिया और इनोवा को करीब सात फीट गहरे खड्ड के पार ले जाने लगा। इस दौरान इनोवा डूब गई। एक दंपती और उसके बेटे की डूबने से मौत हो गई। दंपती का 22 वर्षीय दूसरा पुत्र किसी तरह बच गया। मृतकों में महिला व बेटा, युवक और उसकी दो बहनें भी शामिल हैं। चालक भी डूब गया।

वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में तलाशी अभियान फिर शुरू

वायनाड, प्रेट्र : केरल में भूस्खलन प्रभावित वायनाड में रविवार को तलाशी अभियान फिर शुरू हो गया। केरल के मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने कहा कि रविवार को वायनाड के भूस्खलन प्रभावित इलाकों से बचावकर्मियों ने तीन मानव शरीर के अंग बरामद किए है। मंत्री के अनुसार, 30 जुलाई को आई विनाशकारी आपदा के बाद 130 लोग अभी भी लापता हैं।

एक दिन पहले शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के कारण अभियान रुका रहा। वायनाड दौरे में प्रधानमंत्री ने राहत और पुनर्वास में केरल की मदद में कोई कसर नहीं छोड़ने का आश्वासन दिया था। पुलिस और अग्निशमन बल के कर्मियों के अलावा विभिन्न सेवा और युवा संगठनों के स्वयंसेवक रविवार सुबह सेना द्वारा हाल ही में बनाए गए बेली ब्रिज को पार कर पहाड़ी क्षेत्रों की ओर गए। रविवार को चूरमाला, मुंडक्कई और पुचिरि मट्टम समेत छह जोन में तलाशी शुरू की गई। सूचिपारा के जोखिम वाले क्षेत्र और चलियार नदी के निचले भागों में सोमवार को अभियान बहाल किया जाएगा। वायनाड में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन से 229 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें 178 शवों की पहचान कर ली गई है। मलबे में दबे शवों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्ते की भी सहायता ली जा रही है।

24 घंटे के भीतर किश्तवाड़ के बाद अब ऊधमपुर में मुठभेड़, आतंकी फिर भागे

जागरण टीम, जम्मू

स्वतंत्रता दिवस नजदीक आते ही फिर आतंकी गतिविधियां बढ़ गई हैं। 24 घंटे के भीतर अनंतनाग के बाद किश्तवाड़ और अब ऊधमपुर के बसंतगढ़ में सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों के प्रहार, घने जंगलों के बीच धुंध और अंधेरे का फायदा उठा कर आतंकी भाग निकले हैं। तीनों मुठभेड़ के बाद आतंकियों के सफाए के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है।

रविवार तड़के किश्तवाड़ में प्यास के घने जंगल में कुछ देर तक आतंकियों व सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। आतंकियों के क्षेत्र में सक्रिय होने की आशंका पर प्रसिद्ध मचैल यात्रा को भी तीन घंटे से भी अधिक समय तक रोके रखा, लेकिन बाद में बहाल कर दी। बता दें कि मचैल गांव में प्रसिद्ध मां रणचंडी मचैल का मंदिर का बना हुआ है। इन दिनों जम्मू के अलावा पड़ोसी राज्य पंजाब, हिमाचल आदि से भी

आतंकियों के क्षेत्र में होने की आशंका पर मचैल यात्रा को भी तीन घंटे रुकी रही

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में रविवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ बाद तलाशी अभियान चलाते जवान। प्रेट्र

अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर हवलदार दीपक कुमार यादव और प्रवीण शर्मा के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। सेना शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। घायल जवानों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। - उपेंद्र द्विवेदी, सेना प्रमुख जनरल

श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। चार दिन पहले बसंतगढ़ के खनेड़ क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद भाग निकले आतंकियों का सुरक्षाबल लगातार पीछा कर रहे थे। रविवार रात को बसंतगढ़ के मरोट गांव में तीन आतंकियों की सुरक्षाबलों के साथ करीब 40 मिनट तक गोलीबारी चलती रही। इसके बाद आतंकी अंधेरे का लाभ उठा भाग निकले। धुंध तथा अंधेरे की वजह से सुरक्षाबलों की ओर से सतर्कता बरतते हुए अभियान चलाया जा रहा है। डीआइजी ऊधमपुर-रियासी रेंज मोहम्मद रईस भट्ट ने बताया कि मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आतंकियों के भागने के सभी रास्तों को बंद कर क्षेत्र में भेजा है।

अनंतनाग मुठभेड़ में घायल नागरिक की मौत, जंगल में तलाशी अभियान जारी

राज्य ब्यूरो, जागरण, श्रीनगर: अनंतनाग जिले में शनिवार रात भर चली मुठभेड़ में घायल दो नागरिकों में से एक की रविवार को मौत हो गई। जबकि एक अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं पुलिस मुठभेड़स्थल पर नागरिकों के आतंकियों के इतने पास मौजूद होने की भी जांच कर रही है। इस मुठभेड़ में सेना के दो जवान शनिवार को बलिदान हुए थे। मुठभेड़स्थल के आसपास जंगली क्षेत्र में सुरक्षाबलों की घेराबंदी में फंसे आतंकियों को मार गिराने का अभियान बड़े पैमाने पर चल रहा है। रविवार सुबह आतंकियों ने कुछ देर के लिए गोलीबारी की। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद से गोलीबारी बंद है।

शनिवार को आतंकियों से हुई मुठभेड़ में घायल नागरिक अब्दुल रशीद डार ने रविवार तड़के अस्पताल में दम तोड़ दिया। शनिवार दोपहर को आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया था। इसके बाद शुरू हुई मुठभेड़ में सेना के छह जवान भी घायल हुए थे। इसमें दो हवलदार दीपक कुमार यादव और लांस नायक प्रवीण शर्मा बलिदान हो गए थे।

मणिपुर में हिंसा : बम धमाके में पूर्व विधायक की पत्नी की मौत, गोलीबारी में चार मरे

इंफाल, प्रेट्र : मणिपुर में एक बार हिंसा ने जोर पकड़ लिया है। कांगपोकपी जिले में सैकुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप की पत्नी की एक बम धमाके में मौत हो गई। इसके अलावा, इस पूर्वोत्तर राज्य के तेंगनौपाल जिले में कुकी समुदाय के एक गुट की उसी समुदाय के उग्रवादियों से गोलीबारी में कुल चार लोग मारे गए हैं। इस बीच पूर्व विधायक की पत्नी की हत्या के मामले में असम कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर राज्यों के साथ सौतेली मां जैसा बर्ताव कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूसरे देशों के लिए उड़ान भर सकते हैं, लेकिन अपने ही देश के एक राज्य में नहीं जा सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार की रात को सैकुल के 64 वर्षीय पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप के घर पास स्थित एक घर में हुए भीषण बम विस्फोट में पूर्व विधायक की 59 वर्षीय दूसरी पत्नी सपम चारुबाला गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए तत्काल सैकुल ले

पूर्व विधायक के घर के पास स्थित घर में किया गया था विस्फोट

मणिपुर में रविवार को बंगलों में कुकी उग्रवादियों के बंकर को नष्ट करते जवान। प्रेट्र

जा गया जहां उनकी मौत हो गई। हाओकिप भी बम धमाके के समय अपने घर पर ही थे, लेकिन वह घटना में घायल नहीं हुए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चारुबाला मैतेई समुदाय की हैं जबकि हाओकिप कुकी-जू समुदाय के हैं। पूर्व विधायक ने पुलिस को लिखे अपने पत्र में कहा कि मामले की जांच करने को कहा है। उनका कहना है कि यह बम पहले से घर में पड़ा था और उनकी पत्नी के संपर्क में आते ही फट गया।

इसीतरह मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में एक ही समुदाय के ग्रामीण कार्यकर्ताओं और उग्रवादियों के बीच हुई गोलीबारी में सोलनोम क्षेत्र में आतंकी संगठन युनाइटेड कुकी लिब्रेशन फ्रंट (यूकेएलएफ) का एक उग्रवादी और तीन ग्रामीण कार्यकर्ता भी मारे गए। जवाबी कार्रवाई में ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने यूकेएलएफ के स्वयंभू प्रमुख एसएस हाओकिप का घर जला दिया। अधिकारियों का कहना है कि इस गोलीबारी के पीछे पालेल क्षेत्र में चूंगी वसूलने पर नियंत्रण करना है। पिछले साल इंफाल घाटी में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच हुई भीषण हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए थे।

जम्मू-कश्मीर में हिंसा को प्रशिक्षित आतंकी भेज रहा पाकिस्तान

जम्मू, प्रेट्र: जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि प्रदेश में हिंसा फैलाने और सुरक्षा स्थिति को बिगाड़ने के लिए पाकिस्तान अत्यधिक प्रशिक्षित आतंकियों की घुसपैठ करा रहा है। पड़ोसी देश के इन मंसूबों को विफल करने के लिए हमारे सुरक्षाबल पूरी तैयार हैं। इसके लिए रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीने में स्थिति में बड़ा बदलाव होगा।

एक समाचार एजेंसी से बातचीत में उपराज्यपाल ने जम्मू क्षेत्र में आतंकी घटनाओं की ओर इशारा करते हुए कहा, यह घटनाएं दुखद हैं। हम इसे स्वीकार करते हैं और प्रदेश और देश के लोगों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि इन घटनाओं पर निश्चित रूप से नियंत्रण किया जाएगा। पाकिस्तान आतंकवाद का जन्मस्थान है। उपराज्यपाल ने स्थिति को नियंत्रित करने में सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि पिछली घटनाओं को देखते हुए सुरक्षाबल और प्रशासन ने रणनीति बनाई है। सेना, सीआरपीएफ और पुलिस कर्मियों की तैनाती बढ़ाई

- जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा- हमारे सुरक्षाबल पूरी तरह तैयार
- पिछली घटनाओं को देखते हुए बढ़ाई गई सेना, सीआरपीएफ व पुलिस कर्मियों की तैनाती

गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रणनीति की समीक्षा की है। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे।

उपराज्यपाल ने कहा, पाकिस्तान अपने लोगों को खाना तक मुहैया नहीं करा सकता। इस वजह से जम्मू-कश्मीर उसका पसंदीदा विषय बन गया है। पाकिस्तान यह स्वीकार नहीं कर पा रहा कि भारत ने उसे कई युद्धों में हराया, इसलिए वह इस क्षेत्र को अस्थिर करने का प्रयास जारी रखता है। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर भारत के प्रति समर्थन बढ़ा है। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के दौरान भी कुछ देशों, जिनके दृष्टिकोण हमसे भिन्न थे, ने इसे भारत का आंतरिक मामला माना।

'सीमा पार से घुसपैठ रोकने को वीडीजी सदस्यों को आधुनिक हथियार व प्रशिक्षण'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक ने विलेज डिफेंस ग्रुप के सदस्यों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का लिया जायजा

जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में सक्रिय विदेशी आतंकी इस समय पहाड़ी क्षेत्रों में बंदूक के जोर पर लोगों का समर्थन हासिल कर पांव पक्के करने की कोशिश कर रहे हैं। हम ग्राम रक्षा समूह (विलेज डिफेंस ग्रुप) को मजबूत बनाकर सीमांत क्षेत्रों में अपनी सुरक्षा ग्रिड को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ऐसा कर सीमा पार से घुसपैठ के षड्यंत्र को पूरी विफल बनाया जाएगा। डीजीपी जम्मू जिले के बिश्नाह में वीडीजी सदस्यों को आधुनिक हथियार देकर सशक्त बनाने की दिशा में जम्मू-कश्मीर पुलिस की पहल का जायजा लेने के बाद यह बातें कहीं।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि सीमा पर सुरंग वाले क्षेत्र में हमारे लिए हमेशा बड़ी चुनौती रहे हैं। इसका सामना करने के लिए ग्राम रक्षा समूह के सदस्यों की संख्या बढ़ाने के साथ उन्हें मजबूत भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीमांत

आरआर स्वैन। फाइल

क्षेत्रों का इतिहास है कि जरूरत पड़ने पर सीमांत वासी पुलिस व सुरक्षाबल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए हैं। घुसपैठ पर पूरी तरह से अंकुश लगाने में सीमांतवासियों की अहम भूमिका है। बेहतर समन्वय से आतंक की चुनौती का सामना करने की रणनीति पर उन्होंने कहा कि इस समय जम्मू-कश्मीर पुलिस सीमा सुरक्षा बल के साथ पूरे जोश के साथ काम कर रही है। सीमा पर सुरक्षा ग्रिड को पुख्ता बनाने के लिए वीडीजी को बेहतर हथियार, उपकरण दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, विलेज डिफेंस ग्रुप की योजना पुरानी है। इसे नई ऊर्जा दी जा रही है। सुरक्षा ग्रिड को पुख्ता बनाने से सीमा पार से घुसपैठ नहीं हो पाएगी। हम सीमा की सुरक्षा पुख्ता बनाने में अहम योगदान देने वाले सीमांत वासियों का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें सम्मानित भी कर रहे हैं। महानिदेशक ने सीमा पार से घुसपैठ कर आए आतंकियों की संख्या बताने से इन्कार करते हुए कहा कि उनकी तादाद ज्यादा नहीं है।

इससे पहले पुलिस महानिदेशक ने त्रेबा ने विलेज डिफेंस ग्रुप के सदस्यों को आधुनिक हथियार चलाने के लिए दी जा रही ट्रेनिंग का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विलेज डिफेंस ग्रुप के सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी देने के साथ प्रमाणपत्र भी बांटे। पुलिस इस समय जम्मू, सांबा व कठुआ जिलों में विलेज डिफेंस ग्रुप को आतंकियों का सामना करने में सशक्त बनाने के लिए उन्हें सेल्फ लोडिंग राइफल दे रही है।

बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा में 19 साल्वर व पांच परीक्षार्थी गिरफ्तार

जागरण टीम, पटना

- शेखपुरा में भागलपुर के परीक्षार्थी को ब्लू टूथ पर बाहर से उत्तर बता रहे थे दो साल्वर

बिहार में केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) की ओर से रविवार को एकल पाली में सिपाही नियुक्ति के लिए प्रथम चरण की लिखित परीक्षा 545 केंद्रों पर हुई। पर्षद के अनुसार, कदाचार में 12 अभ्यर्थियों की संलिप्तता मिली, जिनमें चार को गिरफ्तार किया गया। बेगूसराय में दो अभ्यर्थियों को दूसरे के बदले परीक्षा देते गिरफ्तार किया गया, वहीं कैमूर, गोपालगंज व शेखपुरा से एक-एक अभ्यर्थी को पकड़ा गया। नालंदा में एक तथा मधेपुरा में दो अभ्यर्थियों के खिलाफ कार्बन कापी लेकर भागने के आरोप में प्राथमिकी कराई गई। गोपालगंज में चार परीक्षार्थियों को निष्कासित कर दिया गया। इसके साथ ही अलग-अलग जगहों पर हुई कार्रवाई में 19 साल्वर गिरफ्तार किए गए। उनके पास से इलेक्ट्रानिक डिवाइस ब्लूटूथ, मोबाइल फोन व अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

शेखपुरा में सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा में एक परीक्षार्थी और साल्वर गिरोह के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। परीक्षार्थी डीएम उच्च विद्यालय स्थित केंद्र में कान में ब्लू टूथ लगाए बैठा था, उसे बाहर से दो साल्वर प्रश्नों के उत्तर बता रहे थे। एसपी बलिराम कुमार चौधरी ने बताया कि परीक्षा केंद्र से 22 वर्षीय राजीव कुमार को सूक्ष्म इलेक्ट्रानिक डिवाइस के साथ पकड़ा गया। उसी की निशानदेही पर केंद्र के निकट अजय कुमार के घर से दो साल्वर दबोचे गए। इनके पास से वाकी-टाकी, कई मोबाइल फोन, बटन बैटरी, ब्लूटूथ, आधार कार्ड तथा कई बैंकों के डेबिट कार्ड सहित कुल 17 तरह की सामग्रियां जब्त की गई हैं। वहीं, अरवल में पुलिस ने साल्वर गैंग के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसपी राजेंद्र कुमार भील ने बताया कि बालिका हाई स्कूल परीक्षा केंद्र के बाहर कुछ संदिग्धों पर पुलिस की नजर पड़ी। जैसे ही पुलिस उनके निकट पहुंची, सभी भागने लगे। इनको दौड़ाकर पकड़ा गया।

स्वतंत्रता के सारथी

शासन की तंद्रा तोड़ने के साथ भ्रष्टाचार पर प्रहार का माध्यम बनी आरटीआइ

शिवहर के मुकुंद प्रकाश मिश्रा ने 10 वर्ष में आरटीआइ के माध्यम से विकास कार्यों को तेजी देने का भी किया काम

नीरज ● जागरण

शिवहर: खरीदी गई खेती की जमीन का दाखिल-खारिज अंचल कार्यालय बिना कारण रिजेक्ट कर देता था। ऐसा लगातार तीन बार हुआ। दो वर्ष अंचल कार्यालय के चक्कर काटने के बाद परेशान अरविंद कुमार ने वर्ष 2022 में बिहार के शिवहर जिले के सूचना का अधिकार कार्यकर्ता मुकुंद प्रकाश मिश्रा के सहयोग से आरटीआइ लगा दाखिल-खारिज की प्रक्रिया व रिजेक्ट करने के कारणों की जानकारी मांगी। इससे उनका दाखिल-खारिज हो गया। इसके बाद से वह आरटीआइ कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं। मुकुंद ने जिले में बीते 10 वर्षों में ऐसे 100 से अधिक आरटीआइ कार्यकर्ता खड़े कर दिए हैं, जो अब भ्रष्टाचार पर प्रहार कर रहे हैं। शासन-प्रशासन जब बात नहीं सुनता तो सूचना के अधिकार को हथियार बना आवाज उठाते हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ उठा रहे आवाज

मुकुंद प्रकाश मिश्रा

मुकुंद अब लोक सेवाओं के अधिकार अधिनियम का भी सहारा ले रहे हैं। पहले वह आरटीआइ लगाते हैं। मामले को जिला लोक सूचना पदाधिकारी के यहां ले जाते हैं। इसकी सुनवाई के बाद लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के फैसले के बाद दबे मामलों में रफ्तार आ जाती है। पिछले तीन महीने में जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकार ने 20 फैसले दिए हैं। अरविंद कुमार कहते हैं कि मुकुंद की वजह से उनकी जमीन का दाखिल-खारिज हो सका। उनकी प्रेरणा से वे दो साल में 40 आरटीआइ लगा चुके हैं।

शिवहर के मिश्रा टोला निवासी बीटेक की शिक्षा हासिल कर चुके मुकुंद ने अन्ना हजारे के आंदोलन से प्रभावित होकर सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जनहित के मुद्दों को उठाना शुरू किया था। इसके बाद वे आरटीआइ के तहत लड़ाई लड़ने लगे। बीते 10 वर्षों में पांच हजार से अधिक आवेदन लगाकर उन्होंने शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। 100 से अधिक आवेदन तो उन्होंने विभिन्न सड़कों से संबंधित ही लगाए हैं। इसी का परिणाम है कि जिले में दो दर्जन से अधिक ठेकेदारों पर कार्रवाई हुई है।

संसद तक उठा मामला तो शुरू हुआ रेललाइन का काम: शिवहर-सीतामढ़ी रेललाइन के मुद्दे पर उन्होंने छह वर्ष में 60 से अधिक आवेदन लगाए। वर्ष 2006-07 में 78.92 किमी लंबी इस रेललाइन को स्वीकृति मिली थी। मगर काम शुरू नहीं हुआ। आरटीआइ लगाई तो रेलवे ने कभी कहा परियोजना की स्वीकृति नहीं मिली तो कभी कहा योजना बंद कर दी गई है। एक बार कहा कि यह घाटे की परियोजना है। इस पर उन्होंने पटना हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की। इस पर हाई कोर्ट ने रेलवे और बिहार सरकार को तलब भी किया। इसके बाद तत्कालीन सांसद रमा देवी ने वर्ष 2023 में संसद में इस मामले को उठाया तो शिवहर-सीतामढ़ी रेललाइन का काम शुरू हुआ।

आरटीआइ लगाने के बाद बागमती पर पूरा हुआ डैम का निर्माण ● जागरण

लड़कियों का होने लगा नामांकन

नवाब उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवहर में लड़कियों का नामांकन नहीं होता था। मुकुंद के आरटीआइ से जवाब मांगने के बाद विभाग एक्शन में आया और लड़कियों का नामांकन शुरू हुआ। शिवहर डिग्री कालेज को मान्यता, इसके नए भवन का निर्माण व यहां की छात्राओं को कन्या उत्थान योजना का लाभ दिलाने का काम किया। बैलवा घाट में बागमती नदी आरटीआइ लगाने के बाद ही डैम का निर्माण पूरा हुआ। ब्लड बैंक की स्थापना, हाईवे का निर्माण और अन्य कई काम भी हुए।

डिग्री कालेज को दिलाई मान्यता

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

नक्सलियों ने की पूर्व उपसरपंच की हत्या, डर से महिला ने दी जान

नईदुनिया न्यूज, सुकमा : सुरक्षाबलों के जबरदस्त दबाव के बावजूद छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का आतंक जारी है। शुक्रवार की रात नक्सलियों ने सुकमा जिले में एक पूर्व सरपंच की धारदार से हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद नक्सली चेतावनी के भय से गांव की ही एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात छह नक्सली नागाराम के पूर्व उपसरपंच हेमला सुकलाल के घर पहुंचे और पुलिस का भेदिया बताकर उसकी हत्या कर दी। ग्रामीणों ने बताया कि नक्सलियों ने गांव के 18 लोगों को चेतावनी देते हुए मौत की सजा देने की बात कही थी, जिसमें ये दोनों भी थे। नक्सलियों की केरलापाल कमेटी ने घटनास्थल पर पर्चे फेंक कर वारदात की जिम्मेदारी ली है।

****

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का एक प्रसिद्ध वक्तव्य है, आप अपने दोस्त बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं। ऐसे में बांग्लादेश में भारत समर्थक शेख हसीना सरकार का तख्तापलट देश के लिए एक और झटका है। इस घटना ने हमारे सामने एक और अस्थिर पड़ोसी खड़ा कर दिया है, जो भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा सकता है। भारत श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, और चीन जैसे पड़ोसियों के साथ पहले से ही चुनौतीपूर्ण सुरक्षा परिदृश्य का सामना कर रहा है। चीन पिछले दो दशक से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने में जुटा हुआ है। एक बड़ी ताकत के तौर पर चीन के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। संसाधनों के जरिये ही वह पाकिस्तान, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार और नेपाल में अपनी उपस्थिति मजबूत करता जा रहा है। चीन ने पिछले एक दशक में बांग्लादेश में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए काफी प्रयास किए हैं, हालांकि उसे उम्मीद के अनुरूप सफलता नहीं मिली। चीन जैसी बड़ी ताकत के साथ अस्थिर पड़ोसी भारत के रणनीतिक हितों के लिए किस तरह की चुनौतियां पेश कर रहे हैं, यह पड़ताल का बड़ा मुद्दा है।

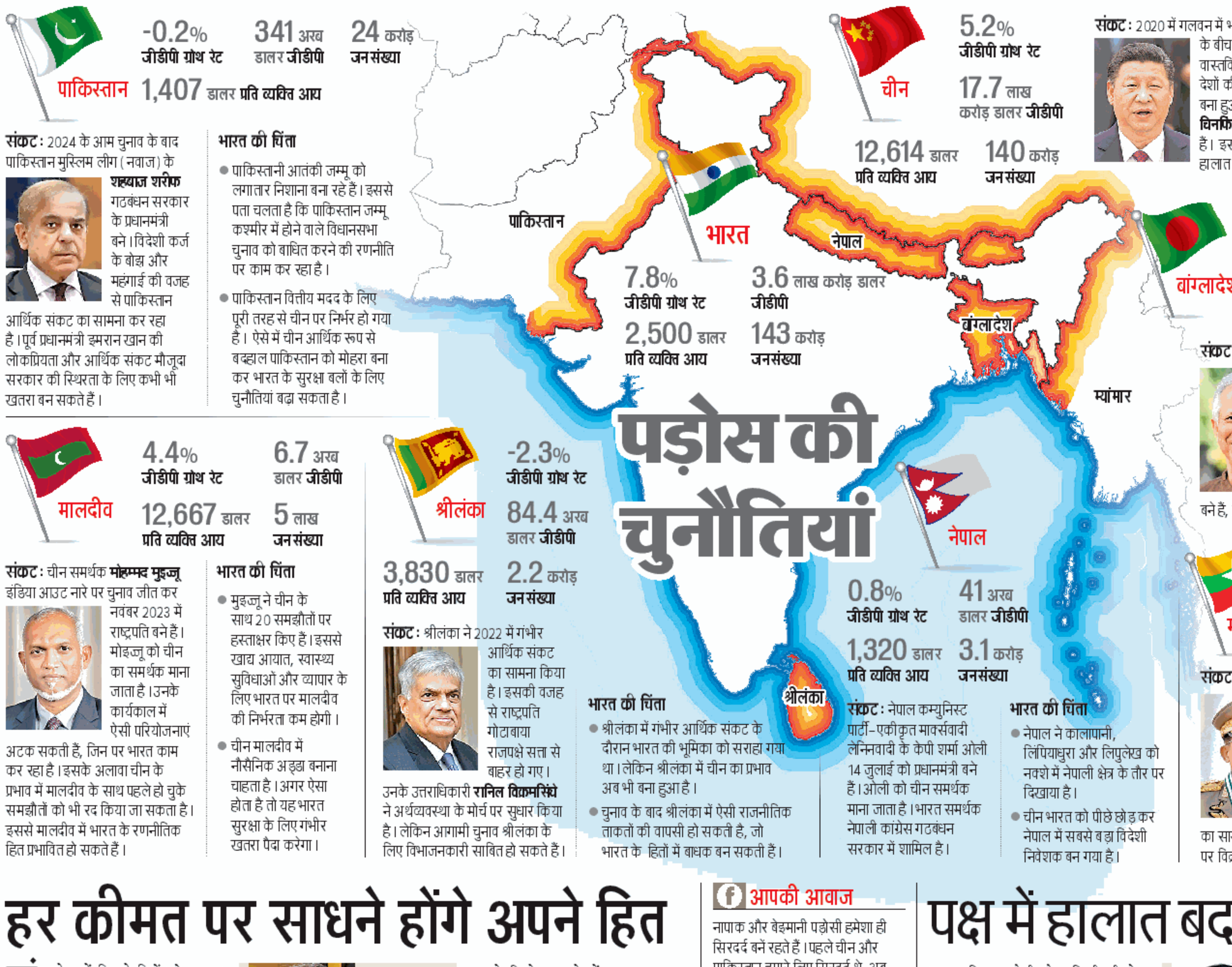

पाकिस्तान

-0.2% जीडीपी ग्रोथ रेट | 341 अरब डालर जीडीपी | 24 करोड़ जनसंख्या | 1,407 डालर प्रति व्यक्ति आय

संकट : 2024 के आम चुनाव के बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के **शहबाज शरीफ** गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री बने। विदेशी कर्ज के बोझ और महंगाई की वजह से पाकिस्तान आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की लोकप्रियता और आर्थिक संकट मौजूदा सरकार की स्थिरता के लिए कभी भी खतरा बन सकते हैं।

भारत की चिंता
- पाकिस्तानी आतंकी जम्मू को लगातार निशाना बना रहे हैं। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को बाधित करने की रणनीति पर काम कर रहा है।
- पाकिस्तान वित्तीय मदद के लिए पूरी तरह से चीन पर निर्भर हो गया है। ऐसे में चीन आर्थिक रूप से बदहाल पाकिस्तान को मोहरा बना कर भारत के सुरक्षा बलों के लिए चुनौतियां बढ़ा सकता है।

चीन

5.2% जीडीपी ग्रोथ रेट | 17.7 लाख करोड़ डालर जीडीपी | 12,614 डालर प्रति व्यक्ति आय | 140 करोड़ जनसंख्या

संकट : 2020 में गलवन में भारत और चीन की सेनाओं के बीच संघर्ष हुआ। इसके बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों देशों की सेनाएं तैनात हैं, गतिरोध बना हुआ है। चीन के राष्ट्रपति **शी चिनफिंग** की नीतियां आक्रामक हैं। इससे दोनों देशों के बीच हालात काफी जटिल हो गए हैं।

भारत की चिंता
- चीन-रूस की 'असीमित मित्रता' भारत के सुरक्षा हितों को खतरे में डाल सकती है। चीन भारत के सीमा पर अपने बेस और पोजीशन को मजबूत कर रहा है।
- चीन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के जरिये दक्षिण एशिया में प्रभाव बढ़ा रहा है। वह भारत को चारों तरफ से घेरने की रणनीति पर काम कर रहा है

बांग्लादेश

6.0% जीडीपी ग्रोथ रेट | 446.3 अरब डालर जीडीपी | 2,620 डालर प्रति व्यक्ति आय | 17 करोड़ जनसंख्या

संकट : आरक्षण के मुद्दे पर शुरू हुआ छात्रों का विरोध प्रदर्शन लगातार 15 वर्ष तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह में बदल गया। शेख हसीना को अपनी जान बचाने के लिए देश छोड़ना पड़ा है। **मोहम्मद यूनुस** अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं, हालांकि हालात अभी अस्थिर हैं।

भारत की चिंता
- भारत समर्थक शेख हसीना सरकार ने बांग्लादेश में उत्तर पूर्व के आतंकी समूहों सहित भारत विरोधी गतिविधियों पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया था। कट्टरपंथी इस्लामी समूह भारत के लिए खतरा बन सकते हैं।
- द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े प्रोजेक्ट जैसे ऊर्जा प्रोजेक्ट प्रभावित हो सकते हैं। चीन बांग्लादेश में प्रभाव बढ़ा सकता है।

मालदीव

4.4% जीडीपी ग्रोथ रेट | 6.7 अरब डालर जीडीपी | 12,667 डालर प्रति व्यक्ति आय | 5 लाख जनसंख्या

संकट : चीन समर्थक **मोहम्मद मुइज्जू** इंडिया आउट नारे पर चुनाव जीत कर नवंबर 2023 में राष्ट्रपति बने हैं। मोइज्जू को चीन का समर्थक माना जाता है। उनके कार्यकाल में ऐसी परियोजनाएं अटक सकती हैं, जिन पर भारत काम कर रहा है। इसके अलावा चीन के प्रभाव में मालदीव के साथ पहले हो चुके समझौतों को भी रद किया जा सकता है। इससे मालदीव में भारत के रणनीतिक हित प्रभावित हो सकते हैं।

भारत की चिंता
- मुइज्जू ने चीन के साथ 20 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे खाद्य आयात, स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यापार के लिए भारत पर मालदीव की निर्भरता कम होगी।
- चीन मालदीव में नौसैनिक अड्डा बनाना चाहता है। अगर ऐसा होता है तो यह भारत सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करेगा।

श्रीलंका

-2.3% जीडीपी ग्रोथ रेट | 84.4 अरब डालर जीडीपी | 3,830 डालर प्रति व्यक्ति आय | 2.2 करोड़ जनसंख्या

संकट : श्रीलंका ने 2022 में गंभीर आर्थिक संकट का सामना किया है। इसकी वजह से राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे सत्ता से बाहर हो गए। उनके उत्तराधिकारी **रानिल विक्रमसिंघे** ने अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर सुधार किया है। लेकिन आगामी चुनाव श्रीलंका के लिए विभाजनकारी साबित हो सकते हैं।

भारत की चिंता
- श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट के दौरान भारत की भूमिका को सराहा गया था। लेकिन श्रीलंका में चीन का प्रभाव अब भी बना हुआ है।
- चुनाव के बाद श्रीलंका में ऐसी राजनीतिक ताकतों की वापसी हो सकती है, जो भारत के हितों में बाधक बन सकती हैं।

नेपाल

0.8% जीडीपी ग्रोथ रेट | 41 अरब डालर जीडीपी | 1,320 डालर प्रति व्यक्ति आय | 3.1 करोड़ जनसंख्या

संकट : नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी के केपी शर्मा ओली 14 जुलाई को प्रधानमंत्री बने हैं। ओली को चीन समर्थक माना जाता है। भारत समर्थक नेपाली कांग्रेस गठबंधन सरकार में शामिल है।

भारत की चिंता
- नेपाल ने कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख को नक्शे में नेपाली क्षेत्र के तौर पर दिखाया है।
- चीन भारत को पीछे छोड़ कर नेपाल में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक बन गया है।

म्यांमार

2.5% जीडीपी ग्रोथ रेट | 64.5 अरब डालर जीडीपी | 5.42 करोड़ जनसंख्या | 1,190 डालर प्रति व्यक्ति आय

जागरण रिसर्च

संकट : फरवरी, 2021 में सेना ने आंग सान सू की को सत्ता से हटा दिया। सैन्य शासक **मिन आंग ह्लाइंग** के नेतृत्व में म्यांमार गृहयुद्ध का सामना कर रहा है। 50% हिस्से पर विद्रोहियों का हो गया है नियंत्रण।

भारत की चिंता
- म्यांमार में जारी गृहयुद्ध भारत के कलादान मल्टीमाडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट को प्रभावित कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद उत्तर-पूर्व भारत को विकसित बनाना है।
- गृहयुद्ध की वजह से म्यांमार के करीब 50,000 नागरिक भारत आ चुके हैं। आशंका है कि उत्तर पूर्व के आतंकी समूह फिर से संगठित हो सकते हैं।

हर कीमत पर साधने होंगे अपने हित

बांग्लादेश में पिछले दिनों जो हालात बने हैं वह बहुत चिंताजनक हैं। खास कर जनवरी में जो सरकार चुनाव जीत कर आई, तभी से तरह तरह के विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। कोशिश की जा रही थी कि सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करते हुए चुनी हुई सरकार को हटा दिया जाए। और पिछले हफ्ते प्रदर्शनकारी ऐसा करने में सफल हो गए।

ऐसा लगता है कि भीड़ का सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करना और उनकी मांगे ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई हैं। इसमें सोशल मीडिया और साइबर माध्यमों की भी अहम भूमिका है। इस तरह से भीड़ सड़क पर उतर कर अपनी मांगे मनवाने में सफल हो रही है और यहां वोट की ताकत गौण हो गई है। अगर भीड़ को राजधानी या जहां सरकारी प्रतिष्ठान है वहां आने दिया जाए तो वे सारे रास्ते बंद कर सकते हैं। बांग्लादेश में भी यही हुआ। वहां की प्रधानमंत्री को लग रहा था कि भीड़ पर काबू पाया जा सकता है। लेकिन बाद में बांग्लादेश की सेना के भी हाथ पांव फूल गए, पुलिस के भी हाथ पांव फूल गए। कई पुलिस स्टेशन जला दिए गए। सेना ने प्रधानमंत्री से कहा कि आप जाइये हम आपकी सुरक्षा नहीं कर पाएंगे। तो बांग्लादेश में यह बहुत बड़ी बात हुई है। यह हर लोकतंत्र के लिए एक सबक है कि लोकतंत्र के साथ वहां की सरकारों को इस बात का इस बात का ध्यान रखना होगा कि ऐसे हालात पैदा न हों कि भीड़ सड़क पर उतर आए। लोगों को ऐसा नहीं लगना चाहिए कि उनके पास सड़क पर उतरने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। लोग मरने-मारने पर न उतर आएं। बांग्लादेश में जब 1971 की लड़ाई हुई तो पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान के बीच लड़ाई हुई। उस समय जो बुद्धिजीवी थे, प्रोफेसर थे सबको मार दिया गया था। उस समय पाकिस्तान की मदद अमेरिका कर रहा था क्योंकि वह उस समय चीन से अपने रिश्ते सुधारने में लगा हुआ था। वह चीन को रूस के खेमे से निकालना चाहता था। इसमें उनकी मदद पाकिस्तान कर रहा था। पाकिस्तान ने इस मसले का फायदा उठाया। लेकिन अभी तो मामला पूरी तरह से बदल गया है। इस बार भीड़ ने सड़क पर उतर कर एक सरकार को हटा दिया। ट्युनीशिया में भी ऐसा हो चुका है, मिस्र में ऐसा हो चुका है और कुछ वर्ष पहले श्रीलंका में भी ऐसा हुआ था जब अराजक भीड़ ने सत्ता में बैठे लोगों को देश छोड़ कर भागने के लिए मजबूर कर दिया। तो इस तरह भारत के पड़ोसी देशों श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव में हालात अस्थिर हैं। और इन देशों में चीन का प्रभाव भी पड़ रहा है। चीन इन देशों में राजनीतिक दलों को पैसा देता है और इन दलों का इस्तेमाल अपने हित पूरे करने के लिए करता है।

भारत भी अपने स्तर पर प्रयास कर रहा है कि इन देशों में लोकतंत्र फले फूले, लेकिन हमारे पास इतने संसाधन नहीं हैं कि हम चीन की तरह इन देशों में पैसा खर्च कर सकें। ऐसे में पड़ोसी देशों में हमारे रणनीतिक हित दांव पर लगे हैं। इससे निपटने के लिए सरकार के सभी मंत्रालयों को एकजुट हो कर एक प्लान बना कर काम करना होगा। अभी हर मंत्रालय और विभाग अलग-अलग अपने स्तर पर काम कर रहा है। विदेश मंत्रालय नोट बना कर भेज देता है। उसे लगता है कि उसने अपना काम कर दिया।

शशांक
पूर्व विदेश सचिव

पड़ोसी देशों में होने वाली घटनाएं हमारे राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करती हैं। सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां खड़ी होती हैं। इससे निपटने के लिए जरूरी है कि सरकार एक प्लान बनाए और सभी अंग एकजुट होकर काम करें। यह काम एनजीओ के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है।

आपकी आवाज

नापाक और बेइमानी पड़ोसी हमेशा ही सिरदर्द बनें रहते हैं। पहले चीन और पाकिस्तान हमारे लिए सिरदर्द थे, अब बांग्लादेश के कट्टरपंथियों के कारण एक ओर पड़ोसी हमारे लिए सिरदर्द बन सकता है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस अगर चीन, पाकिस्तान और कट्टरपंथियों के इशारे पर काम करते हैं तो वो भारत जैसे समझदार देश को खो ही देंगे। साथ ही अपने देश को ओर ज्यादा गरीबी, बेरोजगारी और अन्य समस्याओं की तरफ ले जाएंगे। **राजेश कुमार चौहान**

हां यह सच है भारत अस्थिर और कमजोर अर्थव्यवस्था वाले पड़ोसी देश से घिरा हुआ है। श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, अफगानिस्तान और नेपाल की राजनीति में हमेशा उथल-पुथल होती रहती है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता सामने आने के बाद भारतको सोच समझ कर कदम उठाना चाहिए। **पुष्पेंद्र सिन्हा**

पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं श्रीलंका में अस्थिरता हम कुछ ही वर्ष पहले देख चुके हैं। वर्तमान में बांग्लादेश में आई अस्थिरता को हम देख रहे हैं। निश्चित ही इन अस्थिर राष्ट्रों से भारत का विकास भी लगातार प्रभावित हो रहा है। साथ ही साथ एशिया में भी अशांति का माहौल व्याप्त होता दिख रहा है। विश्व में संपूर्ण मानव जाति लगातार संघर्षों में घिरती नजर आ रही है। **संदीप रौशन**

पक्ष में हालात बदलने में सक्षम हैं हम

एक स्थिर पड़ोसी होना किसी भी देश के हित में है। विशेष रूप से जब हम दक्षिण एशिया के परिप्रेक्ष्य में देखते तो भारत भौगिलिक दृष्टि से एक बड़ा देश और उसके पड़ोस में छोटे- छोटे कई देश हैं। ये देश हमारे साथ सांस्कृतिक रूप से जुड़े हुए हैं और सभी पड़ोसी देशों के साथ हमारा एक लंबा इतिहास रहा है।

जाहिर सी बात है कि जब पड़ोसी देशों में अस्थिरता होगी तो इसका असर हमारे ऊपर भी पड़ेगा। न सिर्फ रणनीतिक और राजनीतिक कारणों से बल्कि सांस्कृतिक कारणों से। जैसे बांग्लादेश में अस्थिरता आई है राजनीतिक कारणों से। इसके बाद वहां जो सामाजिक समस्याएं देखने में आ रही हैं, जो अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है, हमले हो रहे हैं, उसका असर भारत पर भी देखने को मिल रहा है। भारत के लोग भी उद्वेलित हो रहे हैं, लोगों को कष्ट हो रहा है कि वहां हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। श्रीलंका में कोई घटना हो, पाकिस्तान में हो या अफगानिस्तान में या किसी भी पड़ोसी देश में हो, भारत इसके प्रभाव से अछूता नहीं रह पाता है। अस्थिरता भारत को सिर्फ रणनीतिक और राजनीतिक कारणों से ही प्रभावित नहीं करती बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक कारणों से भी प्रभावित करती है। दूसरा बिंदु है कि भारत की पड़ोसी देशों को लेकर जो विदेश नीति है, उसके तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत ही मुक्त रूप से पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं।

डा. अभिषेक श्रीवास्तव
असिस्टेंट प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

भारत की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। अब प्रतिकूल हालात को भी अपने पक्ष में मोड़ने में हम सक्षम हैं। मालदीव का उदाहरण सबके सामने हैं। चंद महीने पहले भारत के खिलाफ बेसुरा बोल रहा यह देश अब भारत को अपना करीबी सहयोगी बता रहा है।

इसको लेकर कोई पूर्व शर्त या छिपी हुई शर्त नहीं है, जो भी है पूरी तरह से मुक्त और पारदर्शी है। अब क्या हो रहा है कि पड़ोसी देशों की सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध रखती है तो कुछ राजनीतिक समूह ऐसे हैं, जो घरेलू राजनीति या वोट बैंक के लिए भारत विरोधी राजनीति को बढ़ावा देते हैं। जैसा हमने मालदीव और कुछ दूसरे देशों में देखा है। इसके पीछे हमारे पड़ोस में बैठा एक बड़ा देश जैसे चीन और कुछ ऐसे देश हैं, जो घोषित तौर पर तो हमारे मित्र देश हैं लेकिन वे समय-समय पर हमारे हितों को बाधित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे देशों से मिलने वाली फंडिंग और सुविधाएं भारत विरोधी राजनीति को हवा देती हैं। भारत विरोधी समूह खड़ा करने की कोशिश पड़ोसी देशों में हो रही है। एक ऐसा प्रयास है कि भारत को सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और रणनीतिक रूप से अस्थिर रखा जाए। लेकिन पिछले दो तीन महीनों से देखने में आया है कि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर मालदीव के साथ संबंधों को जिस तरह से पटरी पर ले आए हैं, वह भारत की विदेश नीति की परिपक्वता दिखाती है। अभी विदेश मंत्री एस जयशंकर का मालदीव दौरा भारत के लिहाज से काफी सकारात्मक रहा है। जब मोइज्जू चुनाव जीत कर राष्ट्रपति बने थे, उस समय लग रहा था कि अब तो मालदीव भारत के हाथ से निकल जाएगा। लेकिन भारत ने पिछले दो तीन महीनों में मालदीव के मसले को काफी अच्छी तरह से हैंडल किया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव आया है। अब भारत इस बात से ज्यादा प्रभावित नहीं होता है कि किसी देश में किस दल की सरकार है। सरकार भारत समर्थक है या उसका रूझान किसी दूसरे देश की तरफ है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों और अपने नागरिकों को सामने रख कर दूसरे देशों से डील करता है।

राष्ट्रीय फलक

त्रिपुरा में छेड़छाड़ के मामले में भीड़ ने की शिक्षक की पिटाई, मौत

अगरतला, प्रेट्र : त्रिपुरा के गोमती जिले में स्कूल शिक्षक पर नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए उन्मादी भीड़ ने उस पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल शिक्षक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, लेकिन किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

आरोप है कि 40 वर्षीय शिक्षक ने ट्यूशन के दौरान लड़की से छेड़छाड़ की थी। इसके बाद विगत गुरुवार को शिक्षक की जमकर पिटाई कर दी गई। उसे गिरफ्तार कर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। शुक्रवार को एक स्थानीय अदालत से उसे जमानत मिल गई। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, घर लौटने के बाद शिक्षक बीमार पड़ गया। इलाज के लिए उसे अगरतला के जीबीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वित्त मंत्री और स्थानीय विधायक प्राणजीत सिंघा राय ने शिक्षक पर हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि किसी पर भी आरोप हो सकते हैं, लेकिन कानून को हाथ में लेना अपराध है। पुलिस इस मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

चिकित्सकीय लापरवाही से 13 वर्षों से लकवाग्रस्त है मरीज, मिलेंगे 65 लाख

- एनसीडीआरसी ने फोर्टिस एस्काट्र्स, डाक्टर को दिया मुआवजे के भुगतान का निर्देश
- वर्ष 2011 में मरीज की एंजियोप्लास्टी के दौरान हुई थी चिकित्सकीय लापरवाही

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने ओखला रोड स्थित फोर्टिस एस्काट्र्स हार्ट इंस्टीट्यूट और डाक्टर को एक मरीज को 65 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। मरीज की पत्नी की शिकायत पर सुनवाई करते हुए आयोग ने यह निर्देश दिया। मरीज जो खुद एक डाक्टर हैं मई 2011 में एंजियोप्लास्टी प्रक्रिया के दौरान हुई चिकित्सकीय लापरवाही के कारण लकवाग्रस्त हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कहा, यह साबित हो गया है कि फोर्टिस एस्काट्र्स के कार्डियेक साइंस डिपार्टमेंट के चेयरमैन डा. अशोक सेठ ने मरीज के फेफड़ों की स्थिति पर ध्यान दिए बगैर एंजियोप्लास्टी कर दी, हालांकि उस वक्त एंजियोप्लास्टी अत्यंत आवश्यक नहीं थी। वे (अस्पताल और डाक्टर) यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते कि मरीज और उसकी बेटी डाक्टर हैं। उन्होंने जोखिमों को अच्छी तरह से जानते हुए अपनी सहमति दी थी।

चिकित्सीय लापरवाही के लिए मरीज की पत्नी ने मुआवजे का दावा किया। शिकायत के अनुसार फोर्टिस एस्काट्र्स और उसके डाक्टर को यह पता लगाने में लगभग 72 घंटे लग गए कि मरीज को मस्तिष्क रक्तस्राव (ब्रेन हेमरेज) या दौरा पड़ा था। अत्यधिक देरी के कारण मरीज के मस्तिष्क को स्थायी क्षति हुई। दौरे के बाद मरीज की सर्जरी की गई। उसके बाद वह एक महीने तक कोमा में रहे। जब वह कोमा से बाहर आए तो उनका बायां हिस्सा पूरी तरह से लकवाग्रस्त हो गया। बोलने, सुनने या समझने की उनकी क्षमता खत्म हो गई। सात अगस्त के अपने फैसले में आयोग ने कहा कि मरीज को पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कहा, फोर्टिस एसकाट्र्स और डा. सेठ को संयुक्त रूप से और अलग-अलग निर्देश दिया जाता है कि वे इस शिकायत को दर्ज करने की तारीख से भुगतान की तारीख तक छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ दो महीने के भीतर 65 लाख रुपये का भुगतान करें।

आस्ट्रेलियाई संसद को संबोधित करेंगी रानी मुखर्जी व करण जौहर

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में 15 अगस्त से शुरू होने वाले 15वें वार्षिक इंडियन फिल्म फेस्टिवल आफ मेलबर्न से दो दिन पहले अभिनेत्री रानी मुखर्जी और फिल्ममेकर करण जौहर आस्ट्रेलियाई संसद को संबोधित करेंगे। दोनों को भौगोलिक दूरियों के बावजूद लोगों को सांस्कृतिक तौर पर एक साथ लाने में सिनेमा की शक्ति के बारे में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया है। रानी मुखर्जी ने कहा कि मैं आस्ट्रेलियाई संसद में भारतीय फिल्म बिरादरी का प्रतिनिधित्व करने और सिनेमा के समृद्ध इतिहास के बारे में बोलने को लेकर गौरवांवित हूं। सिनेमा के माध्यम से आस्ट्रेलिया और भारत के बीच बढ़ते सांस्कृतिक संबंधों के बारे में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। वहीं करण जौहर ने कहा कि मैं इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बनने और भारतीय सिनेमा की अविश्वसनीय यात्रा का जश्न मनाने के लिए रोमांचित हूं। यह देखना अविश्वसनीय है कि कहानियां कितनी दूर तक जाती हैं। इस दौरान प्रख्यात फिल्ममेकर यश चोपड़ा पर डाक टिकट जारी किया जाएगा। फेस्टिवल का समापन 25 अगस्त को होगा।

****

आग की अफवाह पर पंजाब मेल से कूदे 20 यात्री, छह नदी में गिरे

- अमृतसर से हावड़ा जा रही थी ट्रेन, शाहजहांपुर में किसी ने चला दिया अग्निशमन यंत्र

आग की अफवाह के बाद मीरानपुर कटरा स्टेशन पर खड़े पंजाब मेल के यात्री। जागरण

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृतसर से हावड़ा जा रही पंजाब मेल (एक्सप्रेस ट्रेन) की जनरल बोगी में रविवार सुबह छह बजे शरारत की गई। पुल पर चलती ट्रेन में किसी यात्री ने अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) की पिन दबा दी। उससे गैस निकलती देख अफवाह फैली कि बोगी में आग लग गई। अफरातफरी के बीच चेन पुलिंग कर 20 यात्री बोगी से कूद गए, जिनमें छह नदी में जा गिरे। गनीमत रही कि उस समय बोगी का हिस्सा नदी के किनारे पर था, इसलिए यात्री पानी के बजाय रेत पर गिरे। ऊंचाई भी कम थी। शेष 12 यात्री पटरी के किनारे खाली स्थान पर लड़खड़ाकर गिर गए थे।

यात्रियों ने बताया कि ट्रेन उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में बहगुल नदी के पुल पर पहुंची ही थी कि तभी जनरल बोगी में आग की अफवाह फैल गई। कुछ यात्रियों के चेन पुलिंग करने से ट्रेन की गति धीमी हो गई। इसी दौरान हड़बड़ी में यात्रियों ने बोगी से छलांग लगानी शुरू कर दी। महिलाओं में चीख-पुकार मच गई। आरपीएफ चौकी प्रभारी नरवीर यादव ने एंबुलेंस मंगाई, मगर 10 मिनट तक नहीं आई। यह देख उन्होंने बोगी से कूदे सभी 20 यात्रियों को दोबारा सीट पर बैठाया, जिसके बाद ट्रेन रवाना की। शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन के अधीक्षक पीएस तोमर ने बताया कि चार यात्रियों के पैरों में चोट आई है। नदी के किनारे कूदे छह यात्रियों को अधिक चोट आने पर राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया।

अलीगढ़ में एअर प्रेशर पाइप से भरी हवा, मजदूर की मौत

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में फैक्ट्री में मजदूरों ने हैवानियत की हद पार कर दी। साथी मजदूर में एअर प्रेशर पाइप डालकर हवा भर दी। हालत बिगड़ने पर मजदूर को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार हवा से आंतें फट गईं। मरने वाले के पिता की तहरीर पर एक नामजद व अज्ञात मजदूर के अलावा फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मुकदमा किया गया है।

वीरपाल सिंह करीब आठ वर्ष से प्लास्टिक पाइप और पानी की टंकी बनाने वाली कोनार्क फैक्ट्री में नौकरी करते थे। उनकी रात में ड्यूटी थी। प्रतिदिन की तरह शुक्रवार शाम साढ़े सात बजे फैक्ट्री गए। शनिवार सुबह करीब आठ बजे भाई विजयपाल के पास फोन आया कि फैक्ट्री में काम करने के दौरान वीरपाल के साथ दुर्घटना हो गई है। उन्हें जीवन ज्योति अस्पताल ले गए हैं। साथ काम करने वाले मजदूरों ने बताया कि जीतू व अन्य कर्मचारियों ने मजाक में वीरपाल के संवेदनशील अंग में एअर प्रेशर पाइप डालकर हवा भर दी थी। अस्पताल में दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वीरपाल ने दम तोड़ दिया।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 12 अगस्त, 2024

दैनिक जागरण

प्रसन्नता की कुंजी तो मन के पास होती है

ओलिंपिक में भारत

पेरिस ओलिंपिक के समापन के पहले ही भारत का सफर खत्म हो चुका था। इस बार भारत एक रजत पदक समेत कुल छह पदक ही हासिल कर सका। इस प्रदर्शन को उत्साहजनक नहीं कहा जा सकता, क्योंकि भारत तमाम तैयारी के बावजूद पिछले प्रदर्शन को भी नहीं दोहरा सका। इससे यही रेखांकित होता है कि भारत को खेलों में बड़ी शक्ति बनने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। पदक तालिका में भारत का स्थान पहले 50 देशों में भी नहीं है। सबसे बड़ी आबादी वाले देश का पदक तालिका में इतना पीछे रहना ठीक नहीं। इस बार कुछ ही खेलों में भारतीय खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर सके। इनमें सर्वोपरि रहे नीरज चोपड़ा, जिन्होंने पिछली बार स्वर्ण पदक जीतकर करिश्मा किया था और इस बार उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा। इसके बाद भी वह भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में अपनी छाप छोड़ने में सफल रहे। शूटिंग में मनु भाकर ने भी चमत्कृत करने वाला प्रदर्शन किया। उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ युगल प्रतिस्पर्धा में भी सरबजोत सिंह के साथ कांस्य पदक जीता। शूटिंग में ही ऐसा ही प्रदर्शन स्वप्निल कुसाले ने भी किया। कुश्ती में अमन सहरावत के कांस्य के रूप में एक ही पदक मिला। विनेश फोगाट से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया। पदकों की संख्या कम रह जाने का एक कारण यह भी रहा कि लक्ष्य सेन, अर्जुन बबूटा समेत कई खिलाड़ी चौथे स्थान से आगे नहीं जा सके। हाकी टीम की ओर से लगातार दूसरा कांस्य पदक हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि यही बताती है कि भारतीय हाकी अपने स्वर्णिम दिनों की ओर लौट रही है।

ओलिंपिक में समापन के साथ ही हमारे नीति-नियंताओं, खेल संगठनों, खेल प्रशासकों और स्वयं खिलाड़ियों को इस पर आत्ममंथन करना चाहिए कि भारत ओलिंपिक में इतना पीछे क्यों है। यह तो साफ है कि अपने देश में वैसी खेल संस्कृति विकसित नहीं हो सकी है, जैसी अब तक हो जानी चाहिए थी। चूंकि खेल संस्कृति का सही तरह विकास नहीं हो सका है इसलिए विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं की तलाश और उनका समुचित प्रशिक्षण नहीं हो पाता। इस काम में सरकारी विद्यालय भी पीछे हैं और निजी स्कूल भी। विभिन्न खेल संगठन भी खेल प्रतिभाओं को तलाशने और उन्हें निखारने का काम नहीं कर पाते। एक समस्या यह भी है कि खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही अपने करियर की भी चिंता करनी पड़ती है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि केंद्र सरकार के साथ कुछ ही राज्य सरकारें खेलों को बढ़ावा देने के लिए तत्पर दिखती हैं। खेलों और खिलाड़ियों का विकास कैसे हो, इसकी सीख चीन समेत अन्य देशों से भी ली जानी चाहिए। अब जब भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आर्थिक विकास खेलों के विकास में सहायक होता है तब फिर भारत को ओलिंपिक की पदक तालिका में पहले बीस स्थानों में तो अपनी जगह बनानी ही चाहिए।

कड़ी कार्रवाई जरूरी

पंजाब में नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट को लेकर जिस तरह की चेतावनी केंद्र सरकार की ओर से दी गई है उसे देखते हुए राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल कदम उठाना चाहिए। प्रोजेक्ट के निर्माण में लगे स्टाफ से मारपीट और जान से मारने की धमकी देना गंभीर मामला है। ऐसे मामलों में स्थानीय पुलिस को शिकायत करने के बाद भी समुचित कार्रवाई न होना हैरानीजनक है। यह जांच का विषय है कि जालंधर एवं लुधियाना में जब शिकायत की गई तो पुलिस ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। चाहे जमीन अधिग्रहण का मामला हो या कानून व्यवस्था का, यदि केंद्र की ओर से प्रोजेक्टों को रद कर दिया जाता है तो इससे नुकसान पंजाब का ही ज्यादा होगा। खास करके दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे तो बहुत ही महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। इसके पूरा होने के बाद पंजाब से जम्मू एवं दिल्ली जाने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट से पंजाब के व्यापार एवं कारोबार में भी सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। निवेश की संभावना भी बढ़ेगी, जिसकी राज्य को बहुत आवश्यकता है। पंजाब पर तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है और बीस हजार करोड़ रुपये केवल ब्याज देना पड़ रहा है। निवेश ज्यादा आएगा तो राज्य की आर्थिक स्थिति सुधरेगी। निवेश तभी आएगा जब कानून व्यवस्था बेहतर होगी। हाईवे निर्माण में लगे स्टाफ को जिन लोगों ने भी धमकी दी है उनके खिलाफ कार्रवाई आवश्यक है।

नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट के निर्माण में लगे स्टाफ से मारपीट और जान से मारने की धमकी देना गंभीर मामला है। ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए

भारतीय कृषि का अमृतकाल

शिवराज सिंह चौहान

मोदी सरकार में किसानों को सशक्त बनाने के लिए बीज से लेकर बाजार तक हर वह फैसला लिया गया, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए

अवधेश राजपूत

कृषि विकास और किसान कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अन्न के माध्यम से हमारे जीवन संचालन के सूत्रधार अन्नदाता के जीवन में सुख-समृद्धि लाना हमारा संकल्प है। इस संकल्प की पूर्ति के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे। किसान की आय बढ़ाने के लिए हमने छह सूत्रीय रणनीति बनाई है। उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत घटाना, उत्पादन के ठीक दाम दिलाना, प्राकृतिक आपदा में राहत की उचित राशि दिलाना, कृषि का विविधीकरण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना इसके अहम पहलू हैं। उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सबसे जरूरी हैं अच्छे बीज, जो कम पानी और विपरीत मौसम में भी बेहतर उत्पादन में सक्षम हो सकें। ऐसे बीजों की 109 नई किस्मों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्र और किसानों को समर्पित किया है।

बीते 10 वर्षों में कृषि परिदृश्य तेजी से बदला है। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण असंतुलन जैसी समस्याओं के बीच उत्पादकता बढ़ाने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए अगले पांच वर्षों में हमारा लक्ष्य जलवायु अनुकूल फसलों की 1500 नई किस्में तैयार करने का है। वर्तमान में विज्ञान से ही किसानों का कल्याण संभव है। मुझे अपने कृषि विज्ञानियों पर गर्व है जो जलवायु अनुकूल किस्में तैयार कर रहे हैं। कृषि में किए जा रहे नवाचारों से कृषि एवं किसान कल्याण सुनिश्चित होगा।

किसान होने के नाते मैं भलीभांति समझता हूं कि बढ़िया उत्पादन के लिए अच्छे बीज कितने आवश्यक हैं। अगर बीज उन्नत और मिट्टी एवं मौसम की प्रकृति के अनुकूल होंगे तो उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मोदी जी ने यह समझा और व्यापक विजन के साथ इस दिशा में कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया। विविधता भारतीय कृषि की विशेषता है। यहां कुछ दूरी के अंतराल पर ही खेती का मिजाज बदल जाता है। जैसे मैदानी खेती अलग है तो पहाड़ों की खेती अलग। इन सभी भिन्नताओं और विविधताओं को ध्यान में रखते हुए फसलों की 109 नई किस्में जारी की गई हैं। इनमें खेती की 69 किस्में और बागवानी की 40 किस्में राष्ट्र को समर्पित कर दी गई हैं। भारत को ग्लोबल न्यूट्रिशन हब बनाने और श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिए मोदी सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है।

हमारा संकल्प है कि किसान के परिश्रम का उचित मूल्यांकन हो और उन्हें फसलों का उचित दाम मिले, इसके लिए हम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कर रहे हैं। किसानों की आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में है और उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ भारत की चिंता भी रही है कि मानव शरीर और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित उत्पादन हो। आज भारत नई हरित क्रांति का साक्षी बन रहा है। हमारे अन्नदाता ऊर्जादाता तथा ईंधनदाता भी बन रहे हैं। पशुपालन, मधुमक्खी पालन, औषधीय खेती, फूलों-फलों की खेती सहित अन्य संबंधित क्षेत्रों को सशक्त बनाया जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकारों की प्राथमिकता में कृषि और किसान रहे ही नहीं। जबकि मोदी जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वर्ष 2013-14 में कृषि मंत्रालय का बजट 27 हजार 663 करोड़ रुपये था जो 2024-25 में बढ़कर 1 लाख 32 हजार 470 करोड़ रुपये हो गया है। यह बजट सिर्फ कृषि विभाग का है। कृषि से संबद्ध क्षेत्रों और फर्टिलाइजर सब्सिडी के लिए अलग बजट है। मोदी सरकार किसानों को यूरिया और डीएपी सस्ती दरों पर उपलब्ध करा रही है। यूरिया पर सरकार किसानों को करीब 2,100 रुपये सब्सिडी जबकि डीएपी के एक बैग पर 1083 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसान स्वावलंबी और सशक्त हुआ है। फसलों के नुकसान पर भी फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक सुरक्षा कवच है।

मोदी सरकार में किसान को सशक्त बनाने के लिए बीज से लेकर बाजार तक हर वह फैसला लिया, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। उनकी मुश्किलें कम करे और मुनाफा बढ़ाए। इसी कड़ी में एक लाख करोड़ रुपये की एग्री इन्फ्रा फंड के जरिये कृषि से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। पूरे देश में 700 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र किसान और विज्ञान को जोड़ रहे हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के जरिये टेक्नोलाजी से दूरदराज की हमारी माताओं-बहनों को भी जोड़ा जा रहा है। कृषि सखियों को प्रशिक्षण देने के पहले चरण में अब तक 35 हजार कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

मोदी जी का विजन है कि भारत कृषि में आत्मनिर्भर बने। इस दिशा में भी रणनीति बनाकर कार्य किया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में हम 18,000 करोड़ रुपये की लागत से 100 निर्यात केंद्रित बागवानी क्लस्टर बनाएंगे। किसानों के लिए मंडी तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 1500 से अधिक मंडियों का एकीकरण किया जाएगा। साथ ही 6,800 करोड़ रुपये की लागत से तिलहन मिशन की शुरुआत कर रहे हैं। सब्जी उत्पादन क्लस्टर बनाने की भी तैयारी है। इससे छोटे किसानों को सब्जियों-फल और अन्य उपज के लिए नए बाजार और बेहतर दाम मिलेंगे। सरकार ने यह संकल्प भी लिया है कि दलहन फसलों में तुअर, उड़द और मसूर की पूरी खरीद एमएसपी पर की जाएगी।

यजुर्वेद में उल्लिखित है 'अन्नानां पतये नमः क्षेत्राणां पतये नमः' अर्थात अन्न के स्वामी और खेतों के स्वामी अन्नदाताओं को नमन। कृषि पराशर में भी उल्लेख है-अन्न ही प्राण है, अन्न ही बल है एवं अन्न ही समस्त प्रयोजनों का साधन है। किसानों के बिना इस देश का अस्तित्व ही अधूरा है। इसलिए हमारे प्राचीन शास्त्रों में भी किसानों को प्रणाम किया गया है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसका आत्मा। हमारे लिए किसान की सेवा भगवान की पूजा है। आज प्रधानमंत्री के दीर्घकालिक विजन तथा सर्वांगीण, समावेशी और समग्र विकास वाले सोच के साथ भारत एवं भारतीय कृषि निरंतर आगे बढ़ रही है और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे किसान भाई-बहन आजादी के अमृतकाल में आत्मनिर्भर भी बनेंगे और समृद्ध संपन्न होने के साथ-साथ देश के अन्न भंडार भरते रहेंगे।

(लेखक केंद्र सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री हैं)

response@jagran.com

जमीन पर उतरती नई शिक्षा नीति

बद्री नारायण

नई शिक्षा नीति तभी साकार रूप ले सकेगी जब उसके अनुरूप पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध होंगी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लागू होने के बाद उसके क्रियान्वयन पर शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) तथा शिक्षा से जुड़ी अन्य संस्थाएं लगातार काम कर रही हैं। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती है कि इस नई शिक्षा नीति के आत्मा को कैसे ज्ञान सृजन एवं शिक्षण में उतारा जाए? हमें समझना होगा कि नई शिक्षा नीति मात्र एक ढांचागत परिवर्तन ही नहीं है, बल्कि यह ज्ञान के नवनिर्माण की एक सतत प्रक्रिया है। यह भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आधारभूत परिवर्तन को आगे बढ़ाने वाली नीति है। नई शिक्षा नीति का पूर्ण क्रियान्वयन तभी संभव हो पाएगा जब इस पर आधारित नई पाठ्यपुस्तकें जल्द से जल्द तैयार हों। देखा जाए तो नई शिक्षा नीति के दर्शन एवं आत्मा में आजादी के बाद बनीं अनेक राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों की निरंतरता दिखाई पड़ती है। इसमें राधाकृष्णन कमेटी एवं डीएस कोठारी कमेटी तथा शिक्षा क्षेत्र में हुए अन्य विमर्शों की छवियां भी दिखाई पड़ती हैं। इसमें अपनी जमीन, अपनी मातृभाषा, अपनी अस्मिता एवं राष्ट्रीयता की छवियां दिखाई एवं उनकी ध्वनियां भी सुनाई पड़ती हैं।

यह जानना सुखद है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक निर्माण के कार्य में लगी है। ये पाठ्यपुस्तक छप कर आनी भी शुरू हो गई हैं। अभी हाल में कक्षा छह के विद्यार्थियों के लिए एनसीईआरटी द्वारा विकसित एवं प्रकाशित पुस्तक 'एक्सप्लोरिंग सोसायटीः इंडिया एंड बियोंड' देखने को मिली। इसका हिंदी संस्करण भी शायद कुछ दिनों में आ जाए। यह पाठ्यपुस्तक बहुत रचनात्मक ढंग से छात्रों में विश्लेषणात्मक, वर्णनात्मक एवं वृत्तांत क्षमता विकसित करने वाली है। सामाजिक ज्ञान को अपने आसपास के उदाहरणों से सरल भाषा में छात्रों में प्रवाहित करने का बहुत सुंदर प्रयास करती दिखती है। विद्यार्थियों में सामाजिक विज्ञान की चेतना जगाने की यह प्रक्रिया बहुत ही रोचक दिखाई पड़ती है। इसके अलावा इस पाठ्यपुस्तक में अनेक प्रेरणादायी उद्धरणों एवं रचनात्मक अभ्यासों को अत्यंत तारतम्यता से प्रस्तुत किया गया है। इसमें ऐसे-ऐसे चित्र दिए गए हैं जो किशोर मन को गहराई से छूते हैं। इस प्रकार से छात्रों में सामाजिक विज्ञान से जुड़े ज्ञान को प्रवाहित करने की कोशिश की गई है। साथ ही छात्रों को महत्वपूर्ण तथ्यों और विश्लेषणों की ओर आकर्षक ढंग से बार-बार ध्यान दिलाने की कोशिश की गई है।

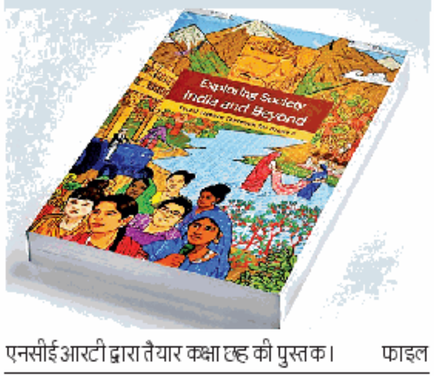

एनसीईआरटी द्वारा तैयार कक्षा छह की पुस्तक। फाइल

भारतीय समाज की विविधता में एकता का भाव इस पाठ्यपुस्तक की एक विशेषता है। इसमें देश की इस विविधता को बनाए रखने पर खासा जोर दिया गया है। इस पाठ्यपुस्तक में शुरू से अंत तक सभी अध्यायों में संवाद के जरिये ज्ञान प्रवाहित करने की रचनात्मक कोशिशें दिखाई पड़ती हैं। भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा को भी अत्यंत निरपेक्ष एवं ज्ञानपरक ढंग से इस पाठ्यपुस्तक में प्रस्तुत किया गया है। इसे पढ़ते हुए सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में 'एक में अनेक' रचने का भाव दिखाई पड़ता है। यह जानना रोचक है कि इस पाठ्यपुस्तक की शुरुआत भारतीय संविधान के मुख्य तत्वों से होती है। यह पाठ्यपुस्तक छात्रों में भारतीय संविधान के मूल आत्मा को प्रवाहित करने का सफल प्रयास करती दिखती है। अत्यंत सरल ढंग से इस पाठ्यपुस्तक में दो पृष्ठों में संविधान में बताए गए मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों को प्रस्तुत किया गया है। 'गवर्नेंस एवं डेमोक्रेसी' नामक पाठ में जमीन से जुड़ी अनेक केस स्टडी, प्रेरक व्यक्तित्वों एवं घटनाओं के उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं। इन उदाहरणों से यह बताने की कोशिश की गई है कि किस प्रकार भारत में पंचायती राज की व्यवस्था ने हाशिये पर बसे अनेक समूहों में भी नेतृत्व विकसित करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इससे आजादी के बाद अनेक आदिवासी एवं सीमांत समूहों, पिछड़ों, अत्यंत पिछड़ों, ट्रांसजेंडर एवं सामाजिक परिवर्तन में लगे तमाम प्रेरक व्यक्तित्वों का एक बड़ा नेतृत्वकारी वर्ग विकसित हुआ है।

इस पाठ्यपुस्तक में परिवार एवं समुदाय पर भी एक अत्यंत उपयोगी पाठ दिया गया है, जिसमें बहुत ही सरलता एवं ग्राह्यपरकता के साथ भारतीय परिवार व्यवस्था को सहजतापूर्वक समझाया गया है। उम्मीद है कि इससे छात्रों में अपने परिवार एवं आसपास के समुदायों के साथ आत्मिक एवं ज्ञानात्मक संबंध विकसित हो पाएगा। इस पाठ्यपुस्तक की शुरुआत में विद्यार्थियों के नाम एक छोटा पत्र लिखा गया है, जिसमें इस पाठ्यपुस्तक को कैसे पढ़ें, इसे कैसे समझें, इसके बारे में काफी सरल ढंग से बताया गया है।

जाहिर है, यह एक नवोन्मेषी प्रयास है, जिससे छात्रों को इस पाठ्यपुस्तक से निर्मित होने वाले ज्ञान की संरचना एवं उसका ढंग आसानी से समझ में आ सकता है। यह एक प्रकार से एक 'मास्टर की' की तरह है जिससे यह पुस्तक छात्रों एवं शिक्षकों के लिए खुलती जाती है। इसके अंत में एक क्यूआर कोड भी दिया गया है, जिससे छात्र सामाजिक विज्ञान से जुड़े अत्यंत रोचक ज्ञानपरक वीडियो, पहेली, खेल एवं कहानी देख पाएंगे। इन सबके कारण यह पाठ्यपुस्तक 'नए समय की पाठ्यपुस्तक' के रूप में हमारे सामने आती है। यूं तो एनसीईआरटी हमारे देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में अपने बेहतर पाठ्यपुस्तक निर्माण के लिए हमेशा प्रशंसित होती रही है, किंतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत पाठ्यपुस्तक निर्माण का उसका यह प्रयास बेहद सराहनीय है। हमारे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए यह एक नया अनुभव बनकर सामने आया है। उम्मीद है, इसका सबको लाभ मिलेगा।

(लेखक जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज के निदेशक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

भक्ति और सुख

परमपुरुष का गुणगान करना कीर्तन है। संस्कृत में 'कीर्तन' का मतलब है जोर से उच्चारण करना जिससे ध्वनि दूसरों के कानों तक पहुंचे। वैसे परमपुरुष को कीर्तन की प्रतीक्षा नहीं रहती, फिर भी मनुष्य कीर्तन क्यों करता है? वास्तव में इसके पीछे का विज्ञान यह है कि मनुष्य स्थूल यानी भौतिक से सूक्ष्म यानी आध्यात्मिक जगत की ओर जाना चाहता है। पहले भी मनुष्य को गाना और नाचना पसंद था। हालांकि यह बहुत स्थूल था। धीरे-धीरे लोगों ने गानों और नृत्य को परिष्कृत किया। भगवान शिव ने विभिन्न छंदों, राग-रागिनियों और तांडव नृत्य का आविष्कार किया। इसी तरह स्थूल से सूक्ष्मतर की ओर बढ़ने की इस प्रगति को 'नंदनविज्ञान' कहा जाता है। नंदनविज्ञान के माध्यम से मनुष्य ने सुंदरता और आनंद की अनुभूति की। अंततः यह अवस्था 'मोहनविज्ञान' में बदल जाती है। इसमें व्यक्ति खुद मोहित हो जाता है व स्वयं को भूल जाता है। कीर्तन भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है, जहां व्यक्ति परमपुरुष को आनंद देने की कोशिश में स्वयं को भूल जाता है।

कीर्तन न केवल एक आध्यात्मिक अनुभव है, बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता हासिल करने का भी स्रोत है। इससे व्यक्ति को आत्मिक संतोष और आनंद की प्राप्ति होती है। इसका प्रभाव मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, क्योंकि कीर्तन के समय उच्चारित होने वाली ध्वनियां और गीतों की लय हमारी मानसिक स्थिति को शांत और स्थिर करती हैं। ध्वनि के माध्यम से उत्पन्न होने वाली तरंगें हमारे मस्तिष्क की गतिविधियों को प्रभावित करती हैं और इस प्रकार एकाग्रता बढ़ाती हैं। कीर्तन के दौरान जो भावना उत्पन्न होती है, वह हमें परमपुरुष के निकट ले जाती है और हमें शांति का अनुभव कराती है। कीर्तन के माध्यम से हम अपने जीवन के उच्चतम लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार यह हमें आत्मिक प्रगति की ओर ले जाता है।

श्री श्री आनंदमूर्ति

धैर्य के साथ लक्ष्य साधें युवा

डा. मोनिका शर्मा

आस्था का भाव धैर्य की सौगात देता है। धीरता का गुण जीवन के हर लक्ष्य साधना आसान बनाता है। अपने लक्ष्यों को पाने के मार्ग पर बिना रुके-थके आगे बढ़ते रहने का यह व्यावहारिक सा भाव है। यह इंसान के मनोविज्ञान को बल देने वाली बात है। हाल ही में पेरिस ओलिंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाली भारत की डबल मेडल विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने जीत के बाद गीता की चर्चा की। मनु भाकर ने कहा कि 'मैंने बहुत बार गीता पढ़ी। मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि बस वही करो जो तुम्हें करना है।' ध्यातव्य है कि मनु भाकर के हिस्से बहुत सी मुश्किलें आईं। टोक्यो ओलिंपिक में पिस्टल में खराबी आने से वह पदक पाने से चूक गई थीं। नतीजतन, लंबे समय तक अवसाद के दौर से गुजरीं। इन परिस्थितियों में मनु ने गीता पढ़कर कर्मशील रहने की सीख ली। मन को सही दिशा देते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने में सफलता पाई। पेरिस में पदक जीतने के बाद मनु ने कहा कि 'मेरे दिमाग में गीता के श्लोक चल रहे थे। मैंने कर्म पर फोकस किया, फल की चिंता नहीं की। मेरे दिमाग में चल रहा था कि वह करो जो आप कर सकते हो और मैंने वही किया।'

असल में कर्मशील रहने वाले लोग कामयाबी तो पाते ही हैं, उतार-चढ़ाव को झेलने की शक्ति भी जुटा लेते हैं

जीवन के पीड़ादायी दौर में अवसाद, आत्महत्या और आपराधिक गतिविधियों के घेरे में आने वाली युवापीढ़ी के लिए यह विचारणीय बात है। असल में कर्मशील रहने वाले लोग कामयाबी तो पाते ही हैं, उतार-चढ़ावों को झेलने की शक्ति भी जुटा लेते हैं। देश की युवा खिलाड़ी की प्रतिबद्धता और सकारात्मक सोच, दोनों ही युवाओं के लिए प्रेरणादायी हैं। युवाओं को समझाती है कि मन की शक्ति से बढ़कर कुछ नहीं। इस बल को पाने के लिए मन-जीवन का एक सकारात्मक आधार चुनना चाहिए। यह आपका परिवार, आध्यात्म, योग या आशावादी सोच, कुछ भी हो सकता है। दरअसल, अंतर्मन की शक्ति को साधने के लिए अपने भीतर विश्वास की मजबूत नींव बनाना बेहद जरूरी है।

दरअसल, असफलता के दौर में बहुत से युवा जीवन से ही हार मान लेते हैं। अवसाद के घेरे में आ जाते हैं। यही वजह है कि सधी जीवनशैली और सार्थक प्रयास कामयाबी ही नहीं, नाकामयाबी के समय भी आवश्यक हैं। गीता में अनुशासन और स्व-नियंत्रण के महत्व को बहुत सहज ढंग से समझाया गया है। इतना ही नहीं, जीवन के कई मोर्चों पर संयम, संतुलन और प्रबंधन की शिक्षा भी शामिल है। भटकाव भरे इस दौर में वाकई युवाओं को संयमित जीवनशैली अपनाने की जरूरत है। हर हाल में सकारात्मक बने रहने की दरकार है। संयम, समर्पण और निष्ठा से कर्मरत रहने का सोच सांसारिक सफलता की राह दिखाने वाली तो है ही, आत्मिक उन्नति से भी जुड़ा है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

भयंकर एवं त्रासद बांग्लादेश

'अनिश्चितता से घिरा बांग्लादेश' शीर्षक से लिखे आलेख में संजय गुप्त ने भारतीय चिंताओं को तो उजागर किया ही है, साथ ही यह भी बताया कि बांग्लादेश के लिए भी इसमें कई संदेश निहित हैं। आज के सार्वभौम विश्व में बांग्लादेश जैसी घटनाएं आश्चर्यजनक और त्रासद हैं, जो झकझोर कर रख देती हैं। अपने ही देश के एक अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को लक्ष्य कर उन्हें जान से मारना, उन पर अत्याचार करना, उनकी संपत्ति को तहस-नहस करना भला किस आंदोलन का मकसद हो सकता है। यह कैसा आंदोलन है, जो अपने ही देश में रह रहे एक समुदाय विशेष पर अत्याचारों को प्रोत्साहित कर रहा है। भारत का बांग्लादेश को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका से लेकर उसकी तरक्की में भी बहुत योगदान रहा है। जिन देशों के चंदे और शह पर बांग्लादेश में यह सत्ता परिवर्तन हुआ है वे अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को साधने में लगे हुए हैं। इस बात को बांग्लादेश जब तक समझेगा तब तक शायद बहुत देर हो चुकी होगी। इस समय सबसे बड़ी चिंता बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की सुरक्षा की है जिसके प्रति कार्यवाहक प्रमुख मुहम्मद यूनुस भी चिंतित दिखाई दे रहे हैं। लगता है उन्हें अपने देश के अल्पसंख्यक समुदाय के नागरिकों सहित भारतीय चिंताओं का भी भान है। वह नोबेल पुरस्कार से पुरस्कृत विभूति हैं और विश्व में उनकी प्रतिष्ठा है। हमें आशा करनी चाहिए कि वह बांग्लादेश में अराजक तत्वों को काबू करने में तत्पर होंगे।

योगराज, खरड़ (पंजाब)

मेलबाक्स

हिंदू एकता का शंखनाद

जहां भीड़तंत्र हावी हो जाता है, वहां लोकतंत्र के लिए स्थान नहीं बचता। बांग्लादेश में शेख हसीना को हटाने के नाम पर हुई व्यापक हिंसा में वहां सैकड़ों हिंदुओं को हिंसा का शिकार होना पड़ा है। हिंदुओं के खिलाफ की गई यातनाओं से यह साबित हो गया है कि शेख हसीना शासन के दौरान बांग्लादेश के भारत से संबंध प्रगाढ़ होना इस्लामिक कट्टरपंथियों को नहीं पच रहा था। बांग्लादेश के आंदोलन में हिंदुओं को चोट पहुंचाना दुखद है। इस विवाद से भारत-बांग्लादेश के धागा व्यापार पर भी भारी दुष्प्रभाव पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने बेशक इस्लामिक कट्टरपंथ के विरोध एवं हिंदुओं के समर्थन में अपनी आंखें, कान और मुंह बंद कर लिए हैं, लेकिन देश-विदेश में हिंदू एकता का शंखनाद सिर चढ़ कर बोल रहा है।

युगल किशोर शर्मा, फरीदाबाद

अनिश्चितता से भरा बांग्लादेश

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। सेना उसके साथ है। इसके बावजूद न हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा रुक रही है, न शांति स्थापित हो रही है। यहां तक कि वहां के सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस का घेराव कर, इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया है। इससे तो यही दिख रहा है कि अंतरिम सरकार अराजक आंदोलनकारियों पर आवश्यक सख्ती नहीं बरत रही है। शेख हसीना पर निरंकुश शासक का आरोप लगता रहा है। लेकिन जहां जमात ए इस्लामी जैसे संगठन सक्रिय हों, जो बांग्लादेश की अपेक्षा पाकिस्तान के प्रति वफादार हों। इस आंदोलन में अमेरिका, चीन, पाकिस्तान ने अपने-अपने स्वार्थों के लिए आग में घी डाला। अमेरिका बांग्लादेश के एक द्वीप में सैन्य अड्डा बनाना चाहता था, जो शेख हसीना को मंजूर नहीं था। चीन शेख हसीना के भारत से घनिष्ठ संबंध से चिढ़ता था, उसने पाक के जरिये आंदोलन को हवा दी। पाकिस्तान के मन में तो पुरानी रंजिश है ही, अब उसे अवसर मिल गया। कुल मिलाकर आरक्षण तो मात्र एक बहाना था, असल मकसद शेख हसीना को अपदस्थ करना था। भारत के लिए बांग्लादेश के हालात परेशान करने वाले हैं। एक तो हिंदुओं पर अत्याचार के कारण। दूसरा आशंका यही लग रही है कि नेपाल, मालदीव, म्यांमार की तरह बांग्लादेश भी चीन से अधिक नजदीकी रखेगा। यह सच सिद्ध हुआ तो दोनों के लिए ही दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

सीपी बंसल, दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए; नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

आजकल

बांग्लादेश में सनातन संस्कृति की रक्षा

अमिय भूषण
भारतीय संस्कृति के अध्येता

बीते सप्ताह बांग्लादेश में तख्तापलट के पश्चात मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है। इस बीच वहां हिंदुओं पर अत्याचार किए गए, जिनका सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। ऐसे में बांग्लादेशी हिंदू इन दिनों सड़कों पर है। चटगांव से लेकर राजधानी ढाका तक प्रदर्शनों का दौर जारी है। वहां की अंतरिम सरकार के सामने अपने जान-माल और हितों की रक्षा के लिए इन्होंने अपनी मांग रखी है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय और सनातन संस्कृति की रक्षा आज एक बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचारों के विरोध में बड़ी संख्या में प्रदर्शन करते हिंदू समुदाय के लोग। फाइल

वर्तमान का बांग्लादेश अतीत के भारत भूमि का वह भूभाग रहा है, जहां कई आध्यात्मिक विभूतियों ने जन्म लिया है। यह भक्ति शक्ति और आध्यात्मिक सामाजिक चेतना की भाव भूमि रही है। हिंदू संस्कृति का समुच्चय समेटे इस भूमि में कई प्रसिद्ध देवालय एवं तीर्थ हैं। वहीं आध्यात्मिक विभूति एवं सामाजिक मनीषियों की भी इस भूमि ने शृंखला दी है। शक्ति की इस उपासना भूमि पर ढाकेश्वरी और जेशोरेश्वरी जैसे कई प्रसिद्ध देवी शक्तिपीठ हैं। यही नहीं, ढाका का रमणा काली मंदिर अविभाजित भारत का सर्वाधिक प्रसिद्ध काली मंदिर रहा है। बात देवालय एवं तीर्थों की छोड़ भी दें तो यह औपनिवेशिक दौर के कई क्रांतिकारी संतों की जन्म एवं कर्मभूमि है।

बांग्लादेशी हिंदू इन दिनों अपने देश की सड़कों पर है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सामने अपने जान-माल और हितों की रक्षा के लिए इन्होंने अपनी एक आठ सूत्री मांग रखी है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की इन मांगों पर बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार किस तरीके से काम करती है, यह देखने वाली बात होगी। फिलहाल बांग्लादेश में भय का वातावरण कायम है। बात भले सत्ता परिवर्तन की हो, किंतु एक बार पुनः धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान के बीच पुरजोर संग्राम है।

इस संघर्ष का एक बड़ा कारण इसके पाकिस्तानी अतीत से भी जुड़ा है। तब पहचान के संकट और जातीय उत्पीड़न ने ही बांग्लादेश नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। जिसमें सर्वाधिक आहुति इस भूभाग पर निवास करने वाले हिंदू समुदाय ने ही दी थी। इस शांतिप्रिय सुशिक्षित और संपन्न तबके ने अतीत के जख्मों को भुलाकर ऐसा किया था। बात बांग्लादेश के हिंदू जनता की करें तो वह इनके लिए किसी कीड़े-मकोड़े से बढ़कर कुछ भी नहीं है। इनके साथ किए जाने वाले व्यवहार को देख मध्ययुगीन बर्बर मुस्लिम आक्रांताओं की याद आती है। आखिर इसके क्या कारण हैं, इसकी विवेचना से पहले कुछ हालिया घटनाओं को समझना होगा।

वस्तुतः बांग्लादेश में आरक्षण के मुद्दे को लेकर छात्र पिछले कुछ समय से आंदोलित थे। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ गुस्से की आड़ में हिंदुओं के समूलनाश का षड्यंत्र जारी है। जमाती आतंकी छात्रों के दबाव में बांग्लादेश के मुख्य न्यायाधीश को भी इस्तीफा देना पड़ा है। बांग्लादेश के कार्यवाहक मुखिया मुहम्मद यूनुस का पहला बयान है कि बांग्लादेश एक परिवार है और इसे एकजुट करना है। इसके बावजूद यहां सार्वजनिक संग्रहालयों से कला धरोहरों को नष्ट किया जा रहा है। देश के सभी 65 जिलों में हिंदुओं के घर और मंदिर आततायियों के निशाने पर हैं। मूर्तियां, कलाकृति और ठाकुरबाड़ी आदि तोड़े और जलाए जा रहे हैं। इस हिंसा के दौरान हिंदू पुलिसकर्मी से लेकर चिकित्सक भी निशाने पर हैं। संभव है कि इनमें से कुछ शेख हसीना के अवामी दल के समर्थक एवं मतदाता भी हो सकते हैं, किंतु क्या इसके आधार पर या फिर इस आक्रोश की आड़ में समुदाय विशेष के प्रति ऐसे जघन्य अपराध की इजाजत दी जा सकती है?

अब तक आई हिंसा की खबरों के अनुसार 52 जिलों में दो सौ से अधिक घटनाएं सामने आई हैं। सैकड़ों हिंदू घर एवं प्रतिष्ठान तथा तीन दर्जन से कहीं अधिक मंदिरों को निशाना बनाया गया है। ऐसे कई सारे वीडियो इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स पर चल रहे हैं जिनमें राह चलते हिंदू युवतियों के साथ घोर आपत्तिजनक और बेहद अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। कम उम्र की लड़कियां और बच्चे वहां शिकार बन रहे हैं। इनका अपहरण और दुष्कर्म भी हिंदू निर्मूलन की दिशा में एक और इस्लामिक बढ़त है। इसके नाते धरती के इस भूभाग पर हिंदू आबादी का लगातार कम होना जारी है। इस समुदाय ने यहां कला साहित्य, शिल्प एवं स्थापत्य को सहेजा संजोया है। इन्होंने उद्यम तथा ज्ञान विज्ञान जैसी विधाओं को भी बढ़ाया है, किंतु अब अस्तित्व की जंग लड़ रहे हैं। भारत विभाजन के समय इस भूभाग पर 30 प्रतिशत से कहीं अधिक हिंदू आबादी थी। वर्ष 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष के दौरान यह संख्या करीब 15 प्रतिशत के आसपास थी, जो धीरे-धीरे कम होते हुए आठ प्रतिशत के आसपास ही रह गई है।

हिंदुओं के प्रति दोयम भाव : इनके कारणों की विवेचना करें तो इसका एकमेव कारण सभ्यताओं के संघर्ष में सुसंस्कृत समाज का हारना है। क्योंकि विरोधी हर दौर में मूल्य और विचारों से जकड़े लोगों के उलट बर्बरता और छल कपट का पर्याप्त प्रयोग करते हैं। ऐसा ही कुछ अतीत बांग्लादेश का भी है। यहां का हिंदू समाज नजरुल इस्लाम और रवींद्रनाथ के गीत गाता गुनगुनाता रहा। उसके लिए यह भूमि आमार सोनार तो हिंदू मुस्लिम एक परिवारजन थे। किंतु बंगबंधु शेख मुजीबुर से लेकर मुहम्मद यूनुस तक सभी हुक्मरानों के व्यक्तित्व की भलीभांति समीक्षा की जाए तो प्रत्येक में इस्लामिक गाजी ही नजर आएगा।

वहीं पश्चिमी देशों को प्रिय सुशिक्षित नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर यूनुस पद संभालने के बाद से इस हिंसा को रोकने की जगह भारत पर द्वेषपूर्ण वक्तव्य देने में व्यस्त हैं। वैसे इन्होंने आंदोलनकारी छात्रों से अल्पसंख्यक हिंदुओं की रक्षा का निवेदन किया है। ये छात्र जमात नामक संस्था से संबद्ध हैं जिसका एकमेव उद्देश्य लोकतांत्रिक देश को इस्लामिक गणराज्य बनाना है। वैसे जमात के प्रमुख अपनी उदारता दिखाने के लिए ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा कर रहे हैं, परंतु दूसरी ओर देश के सुदूरवर्ती गांवों में इनके लोगों हिंदुओं पर हमले जारी हैं। इन सबके बीच भारत सरकार और भारत के नागरिकों को इस बारे में चिंता करनी चाहिए कि बांग्लादेश में सनातन संस्कृति के प्रति हो रहे कुठाराघात को कैसे रोका जाए?

पलायन कर शरणार्थी बनने पर विवश न हों हिंदू

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में संक्रमण के इस दौर में पिटते हुए नहीं, बल्कि हुंकार भरते हुए हिंदू दिखाई दे रहे हैं। हिंदुओं का यह रुख न केवल उनके लिए, बल्कि उनके राष्ट्र का नागरिक बने रहने का अभिमान और शरणार्थी या घुसपैठिए की लाचारी से मुक्त बने रहने का स्वाभिमान भी है। उनकी इस भावना को सम्मान देते हुए मुहम्मद यूनुस को कहना पड़ा है कि हिंदू देश के नागरिक हैं, अतएव उनके प्रति हिंसा तत्काल बंद होनी चाहिए। यूनुस ने कहा, 'हम ऐसी सरकार का गठन करेंगे, जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। अगर आपको मुझ पर भरोसा है, तो यह तय करना होगा कि कहीं भी किसी पर कोई हमला नहीं किया जाए।'

दरअसल बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हालात बद से बदतर होते दिखाई दिए हैं। पुलिस बलों ने भी स्वयं को आंदोलनकारी छात्रों से मुकाबले के लिए सक्षम नहीं पाया, लिहाजा 650 से अधिक थानों में तालाबंदी कर दी थी। इस कारण अराजक तत्वों को खुली छूट मिल गई और वे बांग्लादेश में रहने वाली लगभग एक करोड़ 30 लाख की हिंदू आबादी वाले क्षेत्रों में आक्रामक होते दिखाई दिए। लिहाजा हिंदुओं को अपनी रक्षा के लिए स्वयं आगे आना पड़ा। अपनी संगठन क्षमता दिखाने की दृष्टि से बांग्लादेश में हिंदू जागरण मंच के नेतृत्व में हिंदू व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय राजधानी ढाका के शाहबाग में एकत्रित हुए और आगजनी, लूटपाट एवं हमलों के विरोध में बड़ा प्रदर्शन किया। इस बीच देखने में आया है कि संयुक्त राष्ट्र और मुहम्मद यूनुस तो हिंदुओं की सुरक्षा की पैरवी कर रहे हैं, लेकिन भारत में कांग्रेस और विपक्षी दलों के मुंह इस घटना पर पूरी तरह से नहीं खुल रहे हैं। इस मामले पर नेता प्रतिपक्ष का खुलकर नहीं बोलना दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि हमारे देश में कांग्रेस के कुछ नेताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए चिंता जताई है, परंतु नेता प्रतिपक्ष को भी इस मामले पर मुखरता से बोलना चाहिए, जिसका अभाव ही दिख रहा है। याद रहे कांग्रेस व विपक्ष की इस वोट बैंक की राजनीति के चलते कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ावा मिला, जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि वहां से पांच लाख से भी ज्यादा हिंदुओं और सिखों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा।

इन सबके बीच बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू समाज की आवाज को मुखर ढंग से उठाया नहीं जा सका है। बड़ी संख्या में हिंदुओं का पलायन भारत में होता रहा है। बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा है, राजनीतिक रूप से हाशिए पर चले जाना। परंपरागत रूप से हिंदू वोटर बांग्लादेश में सत्तारूढ़ आवामी लीग के समर्थक रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना स्वयं को धर्मनिरपेक्ष बताकर हिंदुओं को सुरक्षा मुहैया कराने का वादा तो करती रही हैं, लेकिन हमले की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश अपने कार्यकाल में कभी नहीं लगा पाईं। हिंदू बांग्लादेश में इसलिए कमजोर हुए, क्योंकि पलायन करके भारत का रुख करते गए। यह पहली बार हुआ है कि बांग्लादेश के सभी अल्पसंख्यकों ने मिलकर विरोध प्रदर्शन किया और वहां की सरकार को देश का नागरिक होने के अधिकार को जताया। यदि हिंदू इसी दृढ़ता से पेश आते रहे तो उन्हें पलायन करके किसी अन्य देश का शरणार्थी बने रहने की जरूरत शायद नहीं रह जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले एक निश्चित पद्धति के अनुसार होते रहे हैं। कट्टरपंथी संगठन हिंदुओं पर हमले की पृष्ठभूमि तैयार करते हैं जिसके बाद हमलों का दौर शुरू हो जाता है। उधर सरकार केवल बयानबाजी करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। यह बात अब वहां के अल्पसंख्यक समझ चुके हैं, लेकिन राजनीतिक रूप से हाशिए पर होने के कारण वे कुछ कर नहीं पाते थे। लिहाजा अब वे स्वयं को मजबूत बनाने के प्रयास में जुट चुके हैं।

खरी-खरी

लीकेज का पानी

रेखा शाह आरबी

जब घर की छत टपकती थी, तो जगह जगह बर्तन रख दिए जाते हैं। घर वाले नजरे गड़ाए लीकेज वाली जगह पर देखते रहते हैं कि पानी कहां से आ रहा और किधर तक जा रहा है। इधर-उधर न फैले और आखिर कहां-कहां से लीकेज हो रहा है, इस ओर भी ध्यान रहता है। वैसे तो हर लीकेज खराब है, चाहे वह पैसे का हो, पेपर का हो, पानी का हो या किसी विभाग से हो। परंतु चिंताजनक यह है कि लीकेज को रोकने वाले कम लोग हैं और बहते मलाई को बटोरने वाले ज्यादा हैं।

खैर जीवन भर की जमा पूंजी लगाकर पोपटलाल ने घर बनाया। घर उनकी अकेले की कमाई से बना था। इसीलिए वह अपने घर को लेकर बड़े फिक्रमंद थे। अचानक से घर की छत लीकेज होने लगी तो पोपटलाल घबरा गए। लीकेज से गिरते हुए पानी को रोकने के लिए घर के सभी बर्तनों को काम पर लगाया गया। पोपटलाल ने सभी जतन किए, परंतु लीकेज थम नहीं रहा था। चूंकि पोपटलाल आम आदमी थे, इसलिए उनके उपाय भी आम थे। लेकिन जब संसद जैसा भवन लीकेज कर रहा हो, तो ड्रम या तपेले या प्लास्टिक की बाल्टी से बिल्कुल काम नहीं चलने वाला है। उसमें अधिक स्टोर नहीं किया जा सकता था। उसके लीकेज को संभालने के लिए कुछ भारी भरकम चीज होनी चाहिए। आम आदमी तो काफी हल्का-फुल्का होता है। एक भी विपत्ति आती है तो अपने को संभाल नहीं पाता है। या तो लुढ़क जाता है या दिवालिया हो जाता है।

सबसे अच्छा तो यह रहे कि लीकेज की जगह पर नेताओं को खड़ा कर दिया जाए, क्योंकि इनके स्टोरेज की क्षमता अधिक है। ये अपने अंदर अनेक पुलों और योजनाओं को आत्मसात कर लेते हैं। उसके बाद भी डकार नहीं लेते हैं। यह अपने अंदर कितना भी मैटेरियल स्टोर कर लेते हैं। वैसे भी इनका ज्यादा कोई काम तो रहता नहीं है। अपने निर्वाचन क्षेत्र से दिल्ली, दिल्ली से अपने क्षेत्र, तो कम से कम लीकेज की समस्या दूर करने में तो काम आएं। सांसद महोदय की स्टोरेज क्षमता का आकलन नहीं किया जा सकता है। लीकेज वाले मामले से वैसे आप उनकी क्षमताओं को समझने में सक्षम हो सकते हैं।

पोस्ट

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के माध्यम से कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले भारत के छोटे निवेशकों को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, जबकि उनके 'डीप स्टेट' साथियों को पिछली बार की तरह बड़े लाभ की उम्मीद है, लेकिन याद रहे कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। विक्रांत@vikrantkumar

हिंडनबर्ग प्रकरण ने कुछ साबित किया हो या नहीं, मगर एक बात जरूर रेखांकित की है कि भारत को बर्बाद करने के लिए उस पर हमले का जोखिम लेने की क्या जरूरत है? हिंडनबर्ग जैसों को खरीद लीजिए और फिर बड़ी फुर्सत के साथ उद्योग जगत से लेकर संवैधानिक संस्थाओं पर अपनी सुविधा से चुन-चुनकर आरोप लगवाते रहिए। लोग केंकड़ों की तरह खुद ही मर मिटेंगे।
शिव कांत@shivkant

शेख हसीना को अपदस्थ कर उनके बांग्लादेश से पलायन में अहम भूमिका निभाने वाली सेना ने बांग्लादेशी राजनीति पर अपनी पकड़ फिर से मजबूत कर ली है। ऐसी खबरें सामने आई हैं कि शेख हसीना के निर्देश पर देश में लाकडाउन लगाने से मना करने वाली सेना ने तख्तापलट के बाद नागरिकों पर गोलीबारी से गुरेज नहीं किया। ब्रह्मा चेलानी@Chellaney

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या केंद्र सरकार ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने से इन्कार कर सही किया?

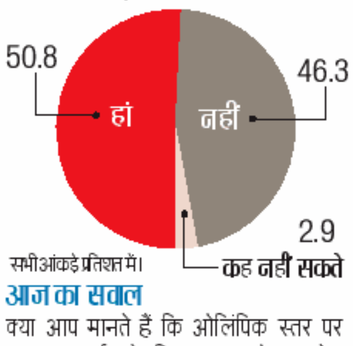

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या आप मानते हैं कि ओलिंपिक स्तर पर दमदार प्रदर्शन के लिए भारत को नए खेल कार्यक्रम की जरूरत है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

हिंदू के संहार पर चुप हैं सेक्युलर लोग,
पर गाजा के नाम पर चिल्लाने का रोग।
चिल्लाने का रोग कहां हैं आज ओवैसी,
निकले ना आवाज आज गाजा के जैसी!
जले बांग्लादेश आप चुप क्यों हैं बंधु,
राहुल को भी याद न आते हैं क्यों हिंदू!!
- ओमप्रकाश तिवारी

हरिशंकर मिश्र
वरिष्ठ समाचार संपादक

उत्तर प्रदेश डायरी

तैयार हो रही एक और घमासान की जमीन

भारतीय जनता पार्टी के लिए यह निराशा से उबरने का बड़ा अवसर है तो सपा-कांग्रेस के लिए यह साबित करने की चुनौती कि लोकसभा चुनाव की सफलता उसके लिए महज संयोग नहीं थी और उसका जनाधार बढ़ रहा है, इसलिए घमासान तगड़ा होगा और अखाड़ा बनेंगे वे 10 विधानसभा क्षेत्र जहां उपचुनाव होना है। यही वजह है कि मुकाबले की तैयारियां दोनों तरफ से जोरदार हैं। ये 10 विधानसभा क्षेत्र वे हैं, जहां विधायक रहे नौ सदस्य अब सांसद हो गए हैं। इनमें से चार सपा, तीन भाजपा और दो एनडीए के सहयोगी दलों के सदस्य हैं। दसवीं कानपुर की सीसामऊ सीट सपा के विधायक इरफान सोलंकी के सजायाफ्ता होने के कारण रिक्त हुई है।

भाजपा ने अभी से ही अपनी पूरी ताकत झोंक दी है तो इसका कारण साफ है कि कई सीटें ऐसी हैं जहां सपा का बोलबाला रहा है और उन पर जीत हासिल करके ही 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत आधार खड़ा किया जा सकता है। दूसरी ओर सपा अपने जनाधार वाली सीटों को किसी कीमत पर नहीं खोना चाहती, इसलिए वह योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ रही है, हालांकि उसका हथियार वही पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) है जिसके बूते उसने लोकसभा चुनाव में 37 सीटें हासिल कर ली हैं। कांग्रेस उसके साथ खड़ी दिखाई देगी, लेकिन यह देखने की बात होगी कि उपचुनाव में अखिलेश उसे कितना हिस्सा देते हैं। आमतौर पर उपचुनावों के प्रति उदासीन रहनेवाली बसपा भी लड़ाई को त्रिकोणात्मक बनाने के लिए तैयार है।

नवनिर्वाचित सांसदों के लिए भी यह चुनौती होगी कि वे स्वयं की रिक्त सीटों पर पार्टी के प्रत्याशियों को जिताकर साबित करें कि उनका जनाधार अभी बरकरार है। भाजपा इस चुनाव को लेकर कितनी गंभीर है, इसे इसी बात से समझा जा सकता है कि हर सीट के लिए अलग-अलग मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उप मुख्यमंत्री भी दो-दो सीटों की कमान संभाल रहे हैं। योगी ने अयोध्या की मिल्कीपुर और अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट की जिम्मेदारी ली है और वहां का दौरा भी शुरू कर दिया है। मिल्कीपुर पर भाजपा का खास फोकस इसलिए भी है, क्योंकि यहां से विधायक चुने गए सपा के अवधेश प्रसाद ने फैजाबाद में भाजपा को हराया है। अवधेश का क्षेत्र में प्रभाव भी है। रही बात कटेहरी क्षेत्र की तो यहां से विधायक चुने गए लालजी वर्मा भी अब सपा से सांसद हैं और क्षेत्र में उनका भी खासा असर है। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रयागराज की फूलपुर और मिर्जापुर जिले की मझवा विधानसभा सीट एवं ब्रजेश पाठक को कानपुर की सीसामऊ और मैनपुरी की करहल सीट का दायित्व दिया गया है। फूलपुर सीट से केशव का कद आंका जाएगा, क्योंकि यहां से वह पूर्व में सांसद रह चुके हैं तो मझवां में भाजपा को निषाद पार्टी से समन्वय बनाकर आगे बढ़ना होगा, क्योंकि यहां निषाद मत चुनाव प्रभावित करते रहे हैं। ब्रजेश पाठक के लिए अलबत्ता बड़ी चुनौती है, क्योंकि करहल सीट सपा का अभेद्य दुर्ग मानी जाती है और पिछले चुनाव में यहां से सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं लड़े थे। उनके सांसद बनने के बाद यह सीट रिक्त हुई है और सपा किसी भी कीमत पर इसे गंवाना नहीं चाहेगी। इसीलिए यहां से परिवार के तेज प्रताप यादव को लड़ाने की तैयारी चल रही है।

इसके अलावा गाजियाबाद, खैर, मीरापुर और सीसामऊ सीटों पर उपचुनाव होना है। इनमें मीरापुर में पिछली बार रालोद जीता था जो अब भाजपा के साथ है और इसका असर परिणाम पर देखने को मिल सकता है। सीसामऊ में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या काफी है, इसलिए यहां भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती होगी। भाजपा के लिए यह उपचुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण है, इसलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं ही संभाल रखी है। उपचुनाव की तैयारियों के बहाने जातीय समीकरणों को तो दुरुस्त किया ही जा सकता है, निष्क्रिय और नाराज कार्यकर्ताओं को भी अपने साथ फिर से जोड़ना संभव हो सकेगा। इसी उद्देश्य से उपचुनाव वाले विधानसभा क्षेत्रों में संगठन के नेताओं को भी लगा दिया गया है। इनमें प्रदेश उपाध्यक्ष व महामंत्री शामिल हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष भी तैयारियों की समीक्षा कर चुके हैं। कोई दो राय नहीं कि उपचुनाव 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए धरातल तैयार करेंगे और ऐसा जीत हासिल करके ही किया जा सकता है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी बैठकों व कार्यक्रमों में एक साथ दिखने लगे हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा की दस सीटों पर चल रही उपचुनाव की तैयारी। फाइल

छत्तीसगढ़ डायरी

गहमागहमी के बीच कुछ सहमे हुए कदम

सतीश चंद्र श्रीवास्तव
संपादकीय प्रभारी, रायपुर

बस्तर में चित्रकोट जलप्रपात और इंद्रावती नदी उफान पर है और इधर रायपुर में प्रशासनिक एवं राजनीतिक गहमागहमी बढ़ती जा रही है। राज्यपाल बदल गए हैं। मंत्रियों के दो रिक्त पदों पर निर्णय नहीं हो सका है। स्वतंत्रता दिवस समारोह निकट है और भाजपा नेतृत्व हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने में जुट गया है। इधर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार नौवें महीने में प्रवेश करने जा रही है। जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया तेज हुई है। इन सबके बीच प्रदेशवासियों का मन-मस्तिष्क कुछ उधेड़बुन में है। साय सरकार ने मतदाताओं से किए गए वादे तो पूरे कर दिए, भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के दावों पर काम कुछ सहमा-सहमा सा है। कारण स्पष्ट नहीं हो रहा।

महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की पात्र महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपये का भुगतान नियमित रूप से हो रहा है। इसी तरह किसानों से किए वादे के अनुसार 3,100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदी और एकमुश्त भुगतान का वादा भी पूरा किया गया। विकास कार्यों में ऐसी ही स्फूर्ति की उम्मीद है। इस तरह जिन मुख्य वादों पर भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव लड़ा, वह लोकसभा चुनाव के पहले ही पूरे कर दिए गए। अब मसला दावों का है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व विपक्ष के जिस नेता पर चुनावी सभाओं में भ्रष्टाचार का सरगना होने के आरोप लगा रहा था, उससे पिछले आठ महीने में एक बार भी पूछताछ तक नहीं हो सकी है। छत्तीसगढ़ के खजाने को कांग्रेस आलाकमान के लिए एटीएम बना देने के लिए भाजपा द्वारा आरोपित बताया जाता रहा व्यक्ति हाल के दिनों में उलटा प्रदेश सरकार पर हमलावर है। शराब, कोयला परिवहन, सीजीपीएससी, पीडीएस राशन से लेकर गोठान तक के घोटालों के लिए मंचों से नामित व्यक्ति गोवंश के सड़क पर होने के मुद्दे पर सरकार को घेर रहा है। यह मंथन का विषय भी है।

प्रदेश सरकार के सामने चुनौती है कि एक समय सीमा में भ्रष्टाचारियों को सजा दिलाए, क्योंकि आरोपितों को देरी का फायदा मिलने की भी बातें सामने आ रही हैं। पीडीएस घोटाले के आरोपित वरिष्ठ आइएएस अनिल टुटेजा और आलोक शुक्ला की जमानत में गड़बड़ी सामने आ चुकी है। जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में इस बात के प्रमाण तक सौंप दिए हैं कि आरोपितों ने जमानत देने वाले जज तक से संपर्क कायम कर लिया था। इसीलिए जनता सहमी-सहमी है कि कहीं लंबी न्याय प्रक्रिया भ्रष्टाचारियों को बचाव का रास्ता नहीं दे दे। जांच एजेंसियों के काम में तेजी लाने के लिए अंततः सरकार को ही पहल करनी होगी।

सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवाली सहित नियुक्ति घोटाले के अन्य आरोपितों के घरों पर छापे और उन्हें पूछताछ के लिए बुलाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सत्ता में आने के बाद विष्णु देव साय सरकार ने सबसे पहले सीजीपीएससी भर्ती घोटाले की सीबीआइ जांच की ही घोषणा की थी। अब आवश्यक हो गया है कि अन्य मामलों में भी सीबीआइ, ईडी, ईओडब्लू सहित सभी एजेंसियां कार्रवाई की प्रक्रिया में तेजी लाएं। कांग्रेस और नक्सलियों के बीच तालमेल के आरोप लगाती रही भाजपा को एक बार और मुद्दा मिल गया है। नक्सलियों के लिए लेवी वसूलने के आरोप मोहला-मानपुर-अंबागढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार पांच आरोपितों में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल का सलाहकार विवेक सिंह भी शामिल है। राजनांदगांव रेज के आइजी ने दावा किया है कि आरोपितों ने एक करोड़ रुपये से अधिक की लेवी वसूली कर नक्सलियों तक पहुंचाने का काम किया। अगर यह सही है तो बस्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं की मांग को और बल मिल जाता है जो क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं की नक्सलियों से सांठगांठ के आरोप लगाते रहे हैं। प्रदेश में कांग्रेस के पहली पंक्ति के नेताओं के झीरम नक्सल हमले में मारे जाने का जख्म अभी भी रह-रहकर जीवंत हो उठता है। मई 2013 के सुकमा जिले के झीरम कांड में 32 लोगों की मौत के आरोपितों में कांग्रेस नेताओं का नाम होने के दावे भी किए जाते रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता सशंकित और भ्रमित हो रहे हैं। सरकार की तरफ से सत्य सामने लाए जाने की उम्मीद कर रहे हैं।

इन सबके बीच प्रदेश सरकार स्वतंत्रता दिवस की तैयारी में जुट गई है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। रैलियां निकाली जा रही हैं। विष्णु देव साय इसका नेतृत्व कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को "जनदर्शन" कार्यक्रम में उन्होंने कांकेर जिला अस्पताल में 1200 से ज्यादा शवों का पोस्टमार्टम कर चुकी संतोषी दुर्गा को नारी शक्ति का प्रतीक बताते हुए तिरंगा भेंट कर साहसी कार्यों के लिए सम्मानित किया। उम्मीद की जानी चाहिए कि नवंबर में प्रस्तावित स्थानीय निकाय चुनाव की गहमा गहमी और बढ़ने से पहले सरकार की तरफ से भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध ठोस कदम के परिणाम भी सामने आने लगेंगे।

1200 पोस्टमार्टम करने वाली संतोषी दुर्गा को तिरंगा भेंट करते विष्णु देव साय। सीएम की वाल से

****

ओयो ने निवेशकों के समूह से 1,457 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली : ओयो ब्रांड नाम से होटल चेन का संचालन करने वाली कंपनी ओरेवल स्टेज लिमिटेड ने फंडिंग के ताजा दौरान में निवेशकों से समूह से 1,457 करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। आइपीओ लाने की तैयारी कर रही कंपनी ने यह राशि 2.4 अरब डालर के मूल्यांकन पर जुटाई है। सूत्रों ने बताया कि इस राशि का इस्तेमाल घरेलू और वैश्विक स्तर पर कारोबार विस्तार में किया जाएगा। (प्रेट्र)

मजबूत उपभोक्ता मांग का लाभ लेने के लिए अगले वर्ष मार्च तक विभिन्न शहरों में 21 हजार करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाएं लांच की जाएंगी।

— पिरोजशा गोदरेज, कार्यकारी चेयरपर्सन, गोदरेज ग्राप्टीज

एक नजर में

बीते पांच वर्षों में 32 प्रतिशत बढ़ा फ्लैट का औसत आकार

नई दिल्ली : संपत्ति के मूल्य में वृद्धि के बावजूद बड़े घर उपभोक्ताओं की पसंद बन रहे हैं। यही कारण है कि देश के सात प्रमुख शहरों में फ्लैट का औसत आकार बीते पांच वर्षों में 32 प्रतिशत बढ़ चुका है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनराक के अनुसार, एनसीआर में फ्लैट का औसत आकार 96 प्रतिशत बढ़कर 2,450 वर्ग फिट हो गया है जो 2019 में 1,250 वर्ग फिट था। (एएनआइ)

नेपाल में यूपीआइ लेनदेन की संख्या एक लाख के पार

नई दिल्ली : नेशनल पेमेंट कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआइ) की वैश्विक सब्सिडियरी एनआइपीएल ने कहा है कि नेपाल में यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) के जरिये सीमापार लेनदेन की संख्या एक लाख के पार पहुंच गई है। नेपाल में पर्सन-टू-मर्चेंट यूपीआइ सेवाएं देने के लिए एनआइपीएल ने इसी वर्ष मार्च में फोनपे के साथ समझौता किया था। (प्रेट्र)

अप्रैल-जून के दौरान कोयला आयात छह प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली : चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जून के दौरान कोयला आयात में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। बी2बी ई-कामर्स प्लेटफार्म एमजंक्शन के अनुसार, इस दौरान 7.52 करोड़ टन कोयले का आयात हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कोयले का आयात 7.11 करोड़ टन रहा था। डाटा के अनुसार, जून माह में आयात 6.59 प्रतिशत बढ़कर 2.29 करोड़ टन रहा है। (प्रेट्र)

चालू वित्त वर्ष में शुरू होगी रिलायंस की गीगा-फैक्ट्री

नई दिल्ली : देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज चालू वित्त वर्ष 2024-25 में ही अपनी पहली सोलर गीगा-फैक्ट्री शुरू करने की योजना बना रही है। कंपनी ने वर्ष 2035 तक अपने पूरे संचालन को कार्बन उत्सर्जन मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। पहली गीगा-फैक्ट्री की उत्पादन क्षमता 20 गीगावाट होगी। कंपनी ने 2021 में 10 अरब डालर के निवेश से चार गीगा-फैक्ट्री स्थापित करने की घोषणा की थी। (प्रेट्र)

अगस्त में शुद्ध बिकवाल बने विदेशी निवेशक

एफपीआइ ने इस महीने अब तक 13,431 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, डेट बाजारों में निवेश जारी

- अमेरिका में मंदी की आशंका के कारण विदेशी निवेशकों ने बढ़ाई बिकवाली
- बेहतर तिमाही नतीजों के चलते जुलाई में किया था 32,365 करोड़ का निवेश

6,261 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं एफपीआइ डेट बाजारों में

97,249 करोड़ रुपये हुआ डेट बाजारों में कुल एफपीआइ निवेश

नई दिल्ली, प्रेट्र: जापान में ब्याज दरों में बढ़ोतरी और अमेरिका में मंदी की आशंका के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने भारतीय बाजारों से निकासी बढ़ा दी है। यही कारण है कि अगस्त में एफपीआइ भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध बिकवाल बन गए हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के अनुसार, अगस्त में अब तक एफपीआइ शेयर बाजारों से 13,431 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं। इस निकासी के बाद पूरे कैलेंडर वर्ष 2024 में इक्विटी में एफपीआइ निवेश घटकर 22,134 करोड़ रुपये रह गया है।

सतत आर्थिक वृद्धि, निरंतर सुधारों और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के कारण इसी वर्ष जुलाई में एफपीआइ ने घरेलू इक्विटी बाजारों में 32,365 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इससे पहले जून में राजनीतिक स्थिरता और बाजारों में तेज उछाल के कारण 26,565 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। हालांकि, इस वर्ष डेट या बांड बाजारों में एफपीआइ की निवेश जारी है। अगस्त में अब तक एफपीआइ डेट बाजारों में 6,261 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। इसके साथ एफपीआइ का डेट बाजारों में कुल निवेश बढ़कर 97,249 करोड़ रुपये हो गया है। 2024 में अब तक इक्विटी, डेट और अन्य इस्ट्रूमेंट्स में कुल निवेश 1.31 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि यदि आने वाले समय में घरेलू बाजारों में तेजी जारी रहती है तो एफपीआइ अधिक बिकवाली पर जोर दे सकते हैं। इसका कारण यह है कि भारतीय शेयरों का मूल्यांकन काफी ऊंचा बना हुआ है। मूल्यांकन विदेशी निवेशकों को आकर्षक मुनाफावसूली का अवसर प्रदान कर रहा है।

आठ कंपनियों का पूंजीकरण घटा

बीते सप्ताह बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1,66,954.07 करोड़ रुपये की गिरावट रही है। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 33,930.56 करोड़ रुपये की कमी हुई है। इसके अलावा एलआइसी, एसबीआइ, इन्फोसिस, टीसीएस, भारती एयरटेल, आइसीआइसीआइ बैंक और एचडीएफसी बैंक का पूंजीकरण भी घटा है।

2024 में एफपीआइ निवेश

महीना	इक्विटी	डेट
जनवरी	-25744	19837
फरवरी	1539	22419
मार्च	35098	13602
अप्रैल	-8671	-10949
मई	-25586	8761
जून	26565	14955
जुलाई	32365	22363
अगस्त*	-13431	6261

*डाटा नौ अगस्त तक का है। स्रोत: एनएसडीएल

शेयर बाजारों में 1.30 लाख करोड़ का निवेश करेगी एलआइसी : मोहंती

जीवन बीमा कंपनी एलआइसी के प्रबंध निदेशक और सीईओ सिद्धार्थ मोहंती का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में शेयर बाजारों में 1.30 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कंपनी अप्रैल-जून 2024 के दौरान 38 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर चुकी है। पिछले वर्ष समान अवधि में बीमा कंपनी ने 23,300 करोड़ रुपये का निवेश किया था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी शेयर बाजारों में अपने निवेश से 15,500 करोड़ रुपये का लाभ कमा चुकी है और तिमाही आधार पर इसमें 13.5 प्रतिशत की वृद्धि रही है। मोहंती ने कहा कि हम निश्चित रूप से बाजार और मूल्य की चाल पर नजर बनाए हुए हैं। हम कम से कम पिछले वित्त वर्ष के 1.31 लाख करोड़ रुपये के बराबर निवेश की योजना बना रहे हैं।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का बाजार पर नहीं होगा कोई खास असर

- विशेषज्ञ बोले- गिरावट की स्थिति में दो-तीन दिन में सामान्य हो जाएगा बाजार
- एएमएफआइ ने कहा- रिपोर्ट में पुरानी घटनाओं को जोड़कर सनसनी पैदा करने का प्रयास

जेएनएन, नई दिल्ली : अमेरिका की शार्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में अदाणी शेयर विवाद में सेबी प्रमुख पर आरोप-प्रत्यारोपों के बीच अब सबकी नजरें सोमवार यानी आज सुबह खुलने वाले बाजार पर रहेंगी। कुछ जानकारों का मानना है कि हिंडनबर्ग की इस ताजा रिपोर्ट से घरेलू शेयर बाजारों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। वहीं, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बाजार गिरता है तो यह खरीदारी का अच्छा मौका होगा क्योंकि आरोपों में दम नहीं है। गिरावट की स्थिति में बाजार दो-तीन दिनों में सामान्य हो जाएगा।

दूसरी ओर, एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआइ) सेबी की चेयरपर्सन के पक्ष में आ गया है। एएमएफआइ ने रविवार को कहा कि शार्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट बाजार इकोसिस्टम में विश्वास की कमी पैदा करने की कोशिश कर रही है। एएमएफआइ ने एक बयान में कहा कि मार्केट रेग्युलेटर की चेयरपर्सन पर बाहरी टिप्पणियां न केवल भारतीय पूंजी बाजार में माधबी पुरी बुच के योगदान को कम करने का प्रयास है, बल्कि यह हमारे देश की आर्थिक प्रगति को भी कमजोर करती है। इस रिपोर्ट ने पूर्व में हुई घटनाओं को जोड़कर सनसनी पैदा करने का प्रयास किया है।

उद्योग संगठन ने चेतावनी दी कि यदि आरोपों पर लगाम नहीं लगाई गई तो वे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के मार्ग में अनावश्यक बाधाएं पैदा कर सकते हैं। भारत में बाजार संरचना मजबूत है। वर्तमान सेबी अध्यक्ष के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं और सेबी ने म्यूचुअल फंड को सबसे पारदर्शी और प्रभावी उत्पाद बना दिया है।

सलाह देने का नजरिया अपनाएं कर अधिकारी

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर विभाग के अधिकारियों को करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय डराने-धमकाने के बजाय सलाह देने का नजरिया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जिम्मेदार, उत्तरदायी, पारदर्शी दिखने के लिए नए सिरे से प्रयास करने चाहिए।

सीबीडीटी प्रमुख ने 24 जुलाई को मनाए गए 165वें आयकर दिवस के अवसर पर सहकर्मियों से आनलाइन वीडियो संवाद में यह बात कही है। उन्होंने कहा कि कर विभाग में कई परिवर्तन हुए हैं। प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है। करदाताओं का आधार बढ़ाया गया है और इसका स्वरूप प्रवर्तन और विरोधात्मक विभाग से बदलकर काफी हद तक एक सेवा विभाग बन गया है।

अक्टूबर से ब्याज दरों में कटौती कर सकता है आरबीआइ

- क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष में दरों में दो बार कटौती की उम्मीद जताई
- मानसून बेहतर रहने से प्रमुख खाद्यानों की बोआई में आई तेजी

नई दिल्ली, एएनआइ: क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि यदि मौसम की स्थिति और वैश्विक कमोडिटी की कीमतों जैसे बाहरी कारकों से कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं होता है तो आरबीआइ अक्टूबर से ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। एजेंसी ने अनुमान जताया है कि चालू वित्त वर्ष में ब्याज दरों में दो बार कटौती हो सकती है।

एजेंसी ने कहा कि खाद्य महंगाई के ज्यादा रहने के कारण आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल में रेपो दर को स्थिर रखने का फैसला लिया है। खाद्य वस्तुओं की कीमत को प्रभावित करने वाली मौसम की घटनाओं जैसी जलवायु परिस्थितियां अक्सर बदल रही हैं और उन पर नजर रखने की जरूरत है। एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि आने वाले समय में व्यापक आर्थिक माहौल बेहतर होगा, जिससे ब्याज दरों में कटौती की पृष्ठभूमि तैयार होगी।

रेटिंग एजेंसी का कहना है कि इस बार कृषि उत्पादन की संभावनाएं बेहतर दिख रही हैं। ऐसे में दरों में कटौती के लिए खाद्य चुनौती कम होने की उम्मीद है। मानसून सामान्य से बेहतर रहा है और प्रमुख खाद्यान्नों में बोआई में तेजी आई है। सितंबर तक कृषि की संभावनाएं स्पष्ट होने के साथ ही हमें उम्मीद है कि दरों में कटौती का मार्ग प्रशस्त होगा।

तीन वर्ष के निचले स्तर पर स्टील का मूल्य

नई दिल्ली, प्रेट्र: आयात में बढ़ोतरी के कारण घरेलू बाजार में स्टील का मूल्य घटकर तीन वर्ष के निचले स्तर पर आ गया है। मार्केट रिसर्च फर्म बिगमिंट के अनुसार, हाट रोल्ड काइल्स (एचआरसी) का मूल्य घटकर 51 हजार रुपये प्रति टन पर आ गया है जो अप्रैल 2022 में 76 हजार रुपये प्रति टन के उच्च स्तर पर था।

इसी तरह, कोल्ड रोल्ड काइल्स (सीआरसी) का मूल्य 58,200 रुपये प्रति टन पर आ गया है जो अप्रैल 2022 में 86,300 रुपये प्रति टन था। इन मूल्यों में स्टील पर लगने वाला 18 प्रतिशत जीएसटी शामिल नहीं है। बिगमिंट ने कहा कि आयात में वृद्धि से घरेलू कीमतों पर असर पड़ा है, जिससे मांग प्रभावित हुई है। डाटा के अनुसार, अप्रैल-जून 2024 तिमाही के दौरान स्टील आयात 68 प्रतिशत बढ़कर 19.3 लाख टन रहा है।

नए नियमों से 30-40 प्रतिशत तक घट सकता है एफएंडओ कारोबार

रिपोर्ट में दावा- नए नियम लागू हुए तो घट सकते हैं निवेशक, सेबी ने खुदरा कारोबारियों को नुकसान से बचाने के लिए पेश किए हैं नियम

नई दिल्ली, प्रेट्र: कैपिटल मार्केट रेग्युलेटर सेबी की ओर से सिक्योरिटीज में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) कारोबार के लिए प्रस्तावित नियमों से शेयर बाजारों और ब्रोकरों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। सेबी ने खुदरा कारोबारियों को नुकसान से बचाने के लिए नए नियम पेश किए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेबी के इन नियमों से एफएंडओ कारोबार की मात्रा में 30-40 प्रतिशत की गिरावट आएगी। जेफरीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साप्ताहिक विकल्प अनुबंधों की संख्या को 18 से घटाकर छह करने के सेबी के प्रस्तावित उपायों से उद्योग के प्रीमियम पर लगभग 35 प्रतिशत प्रभाव पड़ सकता है। अगर कारोबार बाकी अनुबंधों पर स्थानांतरित होता है तो समग्र प्रभाव 20-25 प्रतिशत तक कम हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 तक एनएसई की आय में 25-30 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जबकि बीएसई की आय में 15-18 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। सेबी के प्रस्तावों में साप्ताहिक विकल्प अनुबंधों को युक्तिसंगत बनाना, परिसंपत्तियों की स्ट्राइक कीमतों को युक्तिसंगत बनाना, अनुबंध समाप्ति के दिन कैलेंडर स्प्रेड लाभों को हटाना, खरीदारों से विकल्प प्रीमियम का अग्रिम संग्रह, लाट आकार में वृद्धि आदि शामिल हैं।

पहली छमाही में एमएंडए लेनदेन 11 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एएनआइ: कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली छमाही यानी जनवरी से जून के दौरान विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) लेनदेन में मूल्य के लिहाज से करीब 11 प्रतिशत की वृद्धि रही है। हालांकि, इस दौरान एमएंडए सौदों की संख्या में गिरावट आई है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस ने ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी-जून 2024 के दौरान 1.221 ट्रिलियन डालर के विलय एवं अधिग्रहण सौदों हुए हैं। इसमें 2023 की समान अवधि के मुकाबले 11.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। हालांकि, इस दौरान सौदों की संख्या 12.9 प्रतिशत घटकर 19,415 रही है। रिपोर्ट के अनुसार, इससे संकेत मिलता है कि वैश्विक विलय एवं अधिग्रहण 2022 की मंदी से पूरी तरह उबर नहीं पाया है।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

झारखंड में कुत्ते ने ले ली छह माह की बच्ची की जान

चक्रधरपुर : झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के गोपीपुर गांव में रविवार सुबह आवारा कुत्ते ने एक छह माह की बच्ची की जान ले ली। घटना के वक्त बच्ची आंगन में सो रही थी, जबकि बच्ची की मां घर से दूर शौच के लिए गई थी। इसी बीच अचानक गली का एक कुत्ता घर में घुस आया बच्ची पर हमला कर दिया। कुत्ते को घर में घुसा देख मोहल्ले के बच्चों ने शोर मचाया और कुत्ते को पत्थर मारकर भगाया, लेकिन तब तक कुत्ता बच्ची को गंभीर रूप से घायल कर चुका था। गंभीर रूप से घायल बच्ची को परिवार और आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। (जासं)

लाजिस्टिक कंपनी का माल से भरा ट्रक लेकर फरार, तीन काबू

गुरुग्राम: सेक्टर 37 थाना क्षेत्र स्थित एक लाजिस्टिक कंपनी का माल से भरा ट्रक लेकर निकला ड्राइवर व एक अन्य साथी फरार हो गए। कंपनी के मालिक की शिकायत पर केस दर्ज होने के बाद पालम विहार क्राइम ब्रांच ने इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली के साध नगर पालम कालोनी निवासी प्रवीण राणा ने सेक्टर 37 थाने में दी शिकायत में कहा कि वह लाजिस्टिक कंपनी चलाते हैं। एक वेयर हाउस गुरुग्राम के सेक्टर 37 में है। इनका ड्राइवर और अन्य साथी वेयर हाउस से माल लदा ट्रक लेकर निकले, लेकिन कंपनी तक नहीं पहुंचे। (जासं)

मुठभेड़ में गोली लगने के बाद बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद : इंदिरापुरम पुलिस की रविवार रात हिंडन बैराज के पास एक बदमाश से मुठभेड़ हो गई। गोली लगने से घायल बदमाश को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपित बदमाश पर लूट और चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। सहायक पुलिस आयुक्त स्वतंत्र सिंह ने बताया कि वसुंधरा सेक्टर 16 के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। तभी एक स्कूटी सवार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। आरोपित की पहचान दिल्ली, हर्ष विहार के पुनीत सेहरावत के रूप में हुई। (जासं)

बाडी वार्न कैमरों की रिकार्डिंग बनेगी सीरियल किलर की चार्जशीट का आधार

जागरण संवाददाता, बरेली

- बरेली में पूछताछ के दौरान हत्याकांड वाले छह स्थानों पर ले गया था आरोपित

आरोपित कुलदीप

पहले जारी स्केच पर सवाल, हिरासत के समय की फोटो से मिलान

सौतेली मां से नफरत में छह महिलाओं के हत्यारोपित कुलदीप गंगवार के विरुद्ध पुलिस ने कई साक्ष्य एकत्र किए हैं। शुक्रवार को राजफाश से पहले पुलिस ने उससे लंबी पूछताछ की थी। वह हत्याकांड वाले सभी छह स्थानों पर पुलिस टीम को लेकर गया। घटनाक्रम बताता रहा, जिसकी रिकार्डिंग साथ चल रहे पुलिसकर्मियों के बाडी वार्न कैमरों में हुई है। इसके अलावा महिला के डमी का गला घोटते और हत्या का कारण बताते हुए वीडियो का उल्लेख भी चार्जशीट में किया जाएगा। पुलिस अधिकारी राजफाश के मजबूत साक्ष्य गिना रहे, दूसरी ओर आरोपित के स्केच और हिरासत के समय फोटो की समानता पर सवाल उठने लगे।

शाही-शीशगढ़ क्षेत्र में पिछले वर्ष जून से इस वर्ष जुलाई तक 11 हत्याएं हुईं थीं। इनके राजफाश में जुटी पुलिस ने मंगलवार रात को तीन स्केच जारी कर कहा कि हत्यारा ऐसा हो सकता है। इसके बाद बुधवार को कुलदीप को पकड़कर पूछताछ शुरू कर की, शुक्रवार को राजफाश कर दिया। पुलिस के अनुसार, उसने बताया कि सौतेली मां ने प्रताड़ित किया इसलिए महिलाओं से नफरत में हत्याएं करने लगा। रविवार को इंटरनेट मीडिया पर कुलदीप का स्केच और हिरासत के दौरान खींचा गया फोटो एक्स पर प्रसारित होने लगा। कई पोस्ट में लिखा गया कि फोटो में उसके कालर व चेहरे के बायीं ओर परछाई पड़ रही। तीन में एक स्केच भी हूबहू बना है...

स्केच पहले बना या फोटो पहले खिंचा: एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि शाही-शीशगढ़ क्षेत्र में 14 महीने पुलिस ने सर्च अभियान चलाया, 2000 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ हुई। कुलदीप ने सातवीं महिला की हत्या का प्रयास भी किया था। उनके बताए हुलिया के आधार पर स्केच बनवाए। ग्रामीणों की सूचना पर आरोपित कुलदीप को गिरफ्तार किया गया। छह हत्याएं कुलदीप ने पुलिस के कैमरे के सामने स्वीकारी हैं। इसी क्षेत्र में पांच अन्य हत्याएं भी हुईं, इनमें दो महिलाओं के स्वजन ने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। शेष तीन में पूछताछ के लिए कुलदीप को रिमांड पर लेंगे। सोमवार को कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया जाएगा।

आटो ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, सेवानिवृत्त जज घायल

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : कौशांबी थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा में आटो ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा सवार आइएएस के पिता और सेवानिवृत्त जज घायल हो गए। घटना शुक्रवार की है। पुलिस ने ई-रिक्शा चालक की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित आटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

गाजीपुर गांव दिल्ली के गोविंद ने दर्ज एफआइआर में बताया कि वह आनंद विहार से सवारी लेकर कौशांबी की ओर जा रहे थे। कौशांबी में सार्वजनिक शौचालय के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे आटो ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ई-रिक्शा में सवार बुजुर्ग मुंह के बल गिर गए। उनके गंभीर चोट आई। उन्हें पास के निजर अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस के मुताबिक, घायल बुजुर्ग की पहचान सेवानिवृत्त जज लल्लू सिंह के रूप में हुई है। वह राजस्थान कैडर के आइएएस अधिकारी के पिता हैं।

हरियाणा के दो भाइयों का बेलारूस में अपहरण, दी जा रहीं यातनाएं

जासं, कुरुक्षेत्र

- स्वजन का दावा, छोड़ने की एवज में मांगे जा रहे 10 लाख रुपये

गांव बिशनगढ़ के युवकों की भेजी फोटो। सौ. इंटरनेट मीडिया

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के दो चचेरे भाइयों का पूर्वी यूरोप के बेलारूस में अपहरण कर लिया गया है। आरोप है कि अपहर्ता उन्हें यातनाएं दे रहे हैं और छोड़ने के लिए 10 लाख रुपये फिरौती मांग रहे हैं। परिवार के लोगों ने प्रदेश के परिवहन मंत्री असीम गोयल से मुलाकात कर मदद की गुहार लगाई है।

कुरुक्षेत्र जिले के सैनी माजरा गांव के पास बसे बिशनगढ़ के कमल और अभिषेक एक एजेंट के माध्यम से एक महीना पहले जर्मनी के लिए रवाना हुए थे। 15 दिन से उनका परिवार से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था। दो-तीन दिन से परिवार के मोबाइल पर कुछ वीडियो आए। इनमें दोनों को प्रताड़ित किया जा रहा है। छोड़ने की एवज में 10 लाख मांगे हैं। परिवार के विजय कुमार ने बताया कि जर्मनी जाते समय बेलारूस में इनका अपहरण हो गया। दोनों को रोज पीटा जाता है और नंगे शरीर पर गर्म प्रेस से दागा जाता है। विजय ने बताया कि दोनों परिवारों के पास इतनी बड़ी रकम नहीं है, जबकि अगवा करने वाले बार-बार धमका रहे हैं। विजय ने बताया कि दोनों को मामूली खाना दिया जाता है और अधिकांश समय प्रताड़ित किया जाता है। वीडियो में दोनों चीखते नजर आ रहे हैं।

बदमाशों को पकड़ने पहुंची कोयंबटूर पुलिस पर हमला, वाहनों में तोड़फोड़

नईदुनिया प्रतिनिधि, राजगढ़

- कोयंबटूर में लूट, डकैती, चोरी की वारदात में सामने आया तीन बदमाशों का नाम

लूट-डकैती व चोरी की कई वारदात के मामले में संदिग्ध बदमाशों को पकड़ने के लिए मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में पहुंची तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले की पुलिस टीम पर शनिवार शाम को हमला कर दिया गया। हमलावरों ने पथराव कर पुलिस के वाहनों में तोड़फोड़ की, जिसमें तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस मामले में 15 को नामजद करते हुए 20 हमलावरों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है।

पुलिस के मुताबिक, कोयंबटूर जिले में चोरी, लूट, डकैती के कई मामले में मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के बोड़ा थाना क्षेत्र स्थित गुलखेड़ी गांव के कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं। दरअसल, कोयंबटूर पुलिस ने कुछ बदमाशों को गिरफ्तार किया तो उन्होंने राजगढ़ के गुलखेड़ी गांव के तीन लोगों के नाम लिए। इनको पकड़ने के लिए कोयंबटूर से चार पुलिसकर्मी शनिवार शाम को राजगढ़ पहुंचे। यहां उनके साथ तीन थानों का पुलिस बल वाहनों से गुलखेड़ी गांव में पहुंचा। पुलिसकर्मी बदमाशों के बारे में ग्रामीणों से पूछताछ कर ही रहे थे कि 15-20 लोगों ने पुलिस के वाहनों पर पथराव कर दिया। इससे खलबली मच गई। डायल 100 समेत अन्य वाहनों के शीशे भी तोड़ दिए गए। पथराव में एक एएसआइ और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। हमले के बाद खुद को घिरा देखकर पुलिस बल को गांव से भागना पड़ा। बता दें कि राजगढ़ का गुलखेड़ी गांव अपराध और अवैध शराब बनाने को लेकर बदनाम है। यहां के कई लोग पहले भी कई जगह अपराधों में शामिल पाए जा चुके हैं। पुलिस टीम पर हमले के बाद राजगढ़ के पुलिस अधिकारियों ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई है।

दिल्ली पुस्तक मेला खत्म, अंतिम दिन मिली खासी छूट

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: भारत मंडपम में चल रहे 28वें दिल्ली पुस्तक मेला का रविवार को समापन हो गया। मेले के अंतिम दिन अपेक्षाकृत अधिक संख्या में पाठक पहुंचे। पुस्तक प्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कोई दोस्तों के साथ, तो कोई परिवार के साथ पहुंचा था। रविवार को वर्षा के बावजूद लोग यहां पहुंचे। मेले के आखिरी दिन पुस्तकों पर खासी छूट भी मिली। कमोबेश हर स्टाल पर 20 से 30 प्रतिशत की छूट मिल रही थी, वहीं उपन्यास तो 100 रुपये में दो से तीन मिल रहे थे।

मेले में विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षक-शिक्षिकाओं सभी ने भाग लिया। इस दौरान कंप्यूटर व इंटरनेट के युग में भी पुस्तकों के प्रति बच्चों का उत्साह देखने लायक था। ज्ञानोपयोगी, समसामयिक, सामान्य ज्ञान के साथ ही ख्याति प्राप्त लेखकों सुधा मूर्ति, हैरी पोटर, फिलिप पूलमैन, रस्किन बांड आदि की पुस्तकें भी उपलब्ध थीं।

****

अंधेरे में सड़क पर लड़ रहे गोवंशी से टकराकर बाइक सवार की मौत

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद

मृतक मदीन। फाइल

जानलेवा हादसों का सबब बन रहे बेसहारा गोवंशी, दस दिन में दूसरा मामला

सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंशी अब जानलेवा हादसों का सबब बन रहे हैं और नगर निगम अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। अंधेरे में सड़क पर गोवंशी की वजह से दस दिन में दूसरा हादसा हो गया है, जिसमें किसी व्यक्ति की जान चली गई हो। धौज थाने के अंतर्गत बल्लभगढ़-सोहना रोड, मोहब्बताबाद गांव के पास अंधेरे में सड़क पर लड़ रहे गोवंशी ने बाइक सवार पर हमला कर दिया। बाइक सवार सड़क पर गिर गए। एक गोवंशी ने तो उन पर कई बार हमला किया। उनके सिर में गहरी चोट लगी थी। बाइक सवार ने हेलमेट भी नहीं लगाया था। पुलिस ने उसके शव का पोस्टमार्टम बादशाह खान अस्पताल में कराकर उसके स्वजन को सौंप दिया।

ट्रक चलाता था मदीन: आलमपुर में रहने वाला 56 साल का मदीन के दो बेटे व पांच बेटी हैं। वह पाली क्रेसर जोन में ट्रक चलाता था। अक्सर रात की ड्यूटी रहती थी। शनिवार रात को वह क्रेसर जोन बाइक से जा रहा था। मोहब्बताबाद गांव के सामने सड़क पर दो गोवंशी लड़ रहे थे। मदीन साइड से निकलने लगा, तभी एक गोवंशी ने उस पर हमला कर दिया। मदीन चिल्लाया। आसपास के लोग दौड़े और गोवंशी को भगाया। मदीन की इस हादसे में मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस व मदीन के स्वजन को दी गई। मदीन के स्वजन ने बताया कि इस सड़क पर जगह-जगह बेसहारा पशु घूमते रहते हैं। रोज कहीं न कहीं हादसा होता है। इस मेन रोड पर लाइट भी नहीं है, जबकि यह टोल रोड है।

बिहार में वंदे भारत से आरपीएफ ने 50 लाख के साथ हैंडलर को पकड़ा

जासं, पटना: रांची से पटना जंक्शन आई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से आरपीएफ की टीम ने 50 लाख नकद के साथ एक हैंडलर को पकड़ा गया। रकम किसी कोयला व्यवसायी की बताई जा रही है। उसे रेल पुलिस व आयकर विभाग के पदाधिकारी तलाश रहे हैं। पकड़ा गया हैंडलर बजरंग ठाकुर झारखंड का निवासी है। वहीं, कोयला व्यवसायी का नाम पी. ठाकुर बताया जा रहा है।

आरपीएफ इंस्पेक्टर सुशील कुमार ने बताया कि पटना जंक्शन पर शनिवार रात रांची से आई वंदे भारत से बजनी सूटकेस लेकर उतर रहे यात्री को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रोका तो पहले तो उसने पहचान बताने में आनाकानी की। सख्ती करने पर उसने अपना नाम बजरंग ठाकुर बताया। सूटकेस खोलकर दिखाने को कहा गया तो उसने चोरी का बताया और कहा कि इसकी चाबी उसके पास नहीं है। इस पर जीआरपी को बुलवाया। सूटकेस खोलकर रुपये की गिनती की गई तो पूरे पचास लाख रुपये पाए गए।

14 यूक्रेनी ड्रोन और चार टोचका-यू सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों को रूस ने नष्ट कर दिया है। यह जानकारी रूस के रक्षा मंत्रालय ने दी है। अन्य रूसी क्षेत्रों में भी 18 ड्रोन नष्ट किए गए हैं।

अमेरिका ने सेंट मार्टिन द्वीप के लिए कराया तख्तापलट : शेख हसीना

इस्तीफा देने से पहले राष्ट्र को संबोधित करने को तैयार किए गए भाषण पत्र से सामने आई जानकारी

जेएनएन, नई दिल्ली

बांग्लादेश में तख्तापलट का शिकार हुईं शेख हसीना ने अमेरिका पर सनसनीखेज आरोप लगाया है। शेख हसीना के एक भाषण पत्र के अनुसार अमेरिका बांग्लादेश के सेंट मार्टिन द्वीप पर सैन्य अड्डा बनाना चाहता था। जब उन्होंने द्वीप सौंपने से मना कर दिया तो अमेरिका ने तख्तापलट करा दिया। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने से पहले राष्ट्र को संबोधित करने के लिए तैयार किए गए भाषण से यह जानकारी सामने आई है। हालांकि सेना ने प्रदर्शनकारियों का हवाला देकर हसीना को राष्ट्र को संबोधित करने से रोक दिया था।

भाषण पत्र के अनुसार हसीना का दावा है कि अगर वे सेंट मार्टिन द्वीप अमेरिका को सौंप देतीं तो उनकी सरकार बनी रहती। पिछले वर्ष जून में भी शेख हसीना ने आरोप लगाया था कि अमेरिका बीएनपी की जीत के बदले सेंट मार्टिन द्वीप का अधिग्रहण करके सैन्य अड्डा बनाना चाहता है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि अगर बीएनपी सत्ता में आई तो वह इस द्वीप को अमेरिका को बेच देगी। हालांकि अमेरिका का विदेश विभाग इन दावों को खारिज कर चुका है। 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद से ही सेंट मार्टिन द्वीप देश की राजनीति में हावी रहा है। बंगाल की खाड़ी से नजदीक होने और म्यांमार के साथ समुद्री सीमा होने के कारण अमेरिका और चीन की द्वीप में दिलचस्पी रही है। अमेरिका और चीन इस द्वीप के जरिये क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहते हैं।

- बांग्लादेश की पूर्व पीएम का दावा, द्वीप अमेरिका को सौंप देती तो बनी रहती उनकी सरकार
- बांग्लादेश बनने के बाद से ही सेंट मार्टिन द्वीप देश की राजनीति में हावी

शेख हसीना। फाइल

सेंट मार्टिन द्वीप का इतिहास

नारियल के पेड़ बड़ी संख्या में होने के कारण इस द्वीप को बंगाली में 'नारिकेल जिंजिरा' या नारियल द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। इसे 'दारुचिनी द्वीप' या दालचीनी द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। 18वीं शताब्दी में इसे पहली बार अरब व्यापारियों ने बसाया था। उन्होंने इसे 'जजीरा' नाम दिया था। 1900 में ब्रिटिश सर्वेक्षणकर्ताओं की एक टीम ने सेंट मार्टिन द्वीप को ब्रिटिश भारत के हिस्से के रूप में शामिल किया और इसका नाम सेंट मार्टिन नामक एक ईसाई पुजारी के नाम पर रखा। 1937 में म्यांमार से अलग होने के बाद यह द्वीप ब्रिटिश भारत का हिस्सा बना रहा। 1947 के विभाजन में यह पाकिस्तान के नियंत्रण में चला गया। 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद मूंगा द्वीप बांग्लादेश का हिस्सा बन गया।

कहां है सेंट मार्टिन द्वीप : सेंट मार्टिन द्वीप, बंगाल की खाड़ी के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित है। म्यांमार के पास, बांग्लादेश के सबसे दक्षिणी प्रायद्वीप, काक्स बाजार-टेकनाफ से लगभग नौ किलोमीटर दक्षिण में एक छोटा मूंगा द्वीप है। यह बांग्लादेश का एकमात्र मूंगा द्वीप है। द्वीप का भूभाग केवल तीन वर्ग किलोमीटर में है और यहां लगभग 3,700 लोग रहते हैं। यहां के निवासी मुख्य रूप से मछली पकड़ने, चावल की खेती, नारियल की खेती और समुद्री शैवाल की कटाई से जीवन-यापन करते हैं।

ढाका में शहीद मीनार के सामने रविवार को अवामी लीग के शासन के दौरान सरकारी एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर जबरन गायब किए गए पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने उनकी वापसी की मांग करते हुए बैनर और तस्वीरें लेकर प्रदर्शन किया। एएफपी

बांग्लादेशियों से बीएसएफ ने कहा, आपको अंदर नहीं आने दे सकता

जेएनएन, नई दिल्ली

बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक हिंदू सताए जा रहे हैं। हजारों की संख्या में लोगों ने भारत का रूख करना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश से लोग पैदल आकर भारत की सीमा में घुसने की कोशिश करते हुए नजर आ रहे हैं। इसे लेकर शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता मिलिंद देवड़ा ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में बीएसएफ का एक अधिकारी भारत की सीमा पर एकत्र हुए कई सौ बांग्लादेशी शरणार्थियों को समझाते हुए अपनी शांति से लोगों का दिल जीत रहे हैं। वह लोगों को समझा रहे हैं कि वह उन्हें अवैध तरीके से अंदर नहीं आने दे सकते। बंगाल के कूच बिहार के एक सीमा क्षेत्र के वीडियो में बीएसएफ के अधिकारी को बंगाली में बोलते हुए सुना जा सकता है, हम जानते हैं कि आप किन समस्याओं का सामना कर रहे हैं। आप यहां आए हैं, लेकिन समस्या को इस तरह से हल नहीं किया जा सकता है।

भारत में घुसपैठ करते पकड़े गए 11 बांग्लादेशी नागरिक

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत में बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते घुसपैठ करने का प्रयास करते समय 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। पकड़े गए लोगों से पूछताछ की जा रही है और विस्तृत कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य की पुलिस को सौंपा जाएगा। इसमें बंगाल और त्रिपुरा सीमा से दो-दो, जबकि मेघालय सीमा से सात को पकड़ा गया है। अवामी लीग के छात्र संगठन के एक नेता को बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक गांव से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार छात्र नेता का नाम अब्दुल कादिर बताया गया है। इसी बीच, नवी मुंबई इलाके से पांच बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बीएसएफ ने कहा कि बीएसएफ आपसी मुद्दों, विशेषकर भारतीय नागरिकों और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए सीमा सुरक्षा बांग्लादेश के साथ नियमित संपर्क में है। बीएसएफ के कोलकाता मुख्यालय वाले दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने एक बयान में कहा कि उसकी पूर्वी कमान के प्रमुख, अतिरिक्त महानिदेशक रवि गांधी की अध्यक्षता में बांग्लादेश में मौजूदा अशांति के मद्देनजर 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा की गई।

रिश्वतखोरी के मामले में बरी हुए बांग्लादेश के अंतरिम पीएम

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश में रविवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस रिश्वतखोरी के मामले में विशेष न्यायालय से बरी हो गए। न्यायालय का यह फैसला यूनुस के अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के तीन दिन के भीतर आया है। यह मामला देश के भ्रष्टाचार निरोधी आयोग ने दर्ज किया था। विशेष न्यायालय के न्यायाधीश मुहम्मद रबीउल आलम ने आयोग द्वारा मामले को वापस लेने की अर्जी स्वीकार कर ली है जिससे यूनुस मामले में स्वतः बरी हो गए हैं। इससे पहले बुधवार को यूनुस को श्रम कानून का उल्लंघन करने के मामले में मिली छह महीने के कारावास की सजा रद की गई थी।

भारत और चीन के साथ पूर्ववत संबंध रखेगा बांग्लादेश : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपनी विदेश नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि वह सभी के साथ सकारात्मक और संतुलित संबंध बनाने के लिए कार्य करेगी। भारत और चीन के साथ बांग्लादेश के रिश्ते पूर्ववत रहेंगे।

- मुहम्मद यूनुस के सत्ता संभालने के तीन दिन के भीतर केस वापस, छह महीने की सजा रद हुई थी

जस्टिस रेफत अहमद बने मुख्य न्यायाधीश : बांग्लादेश में रविवार को जस्टिस सैयद रेफत अहमद ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। बंगभवन में उनके साथ अंतरिम सरकार के सलाहकार सुप्रदीप चकमा और डा. विधान रंजन राय ने भी शपथ ली है। इन सभी को राष्ट्रपति मुहम्मद शहाबुद्दीन ने शपथ दिलाई। शनिवार को छात्रों द्वारा सुप्रीम कोर्ट घेरे जाने के बाद जस्टिस ओबैदुल हसन ने मुख्य न्यायाधीश के पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके साथ पांच अन्य न्यायाधीशों ने भी इस्तीफा दिया था। रविवार को कोमिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एएफएम अब्दुल मोईन, जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मुहम्मद मुस्तफा फिरोज और कई अन्य अधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।

बांग्लादेश में अशांति से मेघालय के ग्रामीण चिंतित, कर रहे निगरानी

शिलांग, प्रेट्र: पड़ोसी देश बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और उनके देश छोड़ने के बाद फैली अराजकता और हिंसा से मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा से कुछ मीटर दूरी पर बसे एक गांव के लोग सीमा पार से घुसपैठ की आशंका को लेकर काफी चिंचित हैं।

ईस्ट खासी हिल्स जिले के लिंगखांग गांव के लोग बांग्लादेश को उनके गांव से अलग करने वाली बांस की बाड़ को मजबूत करने में लगे हैं और रात भर जागकर निगरानी तक कर रहे हैं।

42 वर्षीय डेरिया खोंगसदिर ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहती हैं, ''पांच अगस्त को हम चिंतित थे और रात भर सोए नहीं, क्योंकि हमें डर था कि हमारे पड़ोसी हिंसक हो सकते हैं। शुक्र है कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी और लिंगखोंग चौकी पर और अधिक कर्मियों को तैनात किया। गांव रक्षा दल और लोग पूरी रात जागे रहे।''

ट्रंप पर जहां हुआ था हमला कमला हैरिस वहां भी आगे

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस तेजी से बढ़त बना रही हैं। वह पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पेंसिल्वेनिया राज्य में भी आगे निकल गई हैं, जहां उन पर एक रैली के दौरान हमला हुआ था। न्यूयार्क टाइम्स और सिएना कालेज द्वारा कराए गए सर्वे के अनुसार, कमला हैरिस पेंसिल्वेनिया, मिशिगन और विस्कान्सिन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से चार अंकों से आगे चल रही हैं। इस बीच बाइडन ने कहा है कि वह पेंसिल्वेनिया में हैरिस के लिए प्रचार करेंगे।

सर्वे में कहा गया है कि कमला हैरिस ने 2024 के राष्ट्रपति चुनावों को बदल कर रख दिया है, क्योंकि पिछले सर्वे में ट्रंप को हैरिस और राष्ट्रपति जो बाइडन से इन तीन राज्यों में औसतन एक या दो अंकों से आगे पाया गया था। न्यूयार्क टाइम्स ने कहा कि यह समझाना कठिन है कि आज की ध्रुवीकृत राजनीति में मतदाता आखिर क्यों बदलते हैं। इससे पहले तक चुनावी दौड़ की मूल गतिशीलता राष्ट्रपति बाइडन की अलोकप्रियता से प्रेरित थी। लाखों मतदाताओं को उन दो उम्मीदवारों के बीच विकल्प चुनना पड़ रहा था, जिन्हें वे नापसंद करते थे। सर्वे में पेंसिल्वेनिया, मिशिगन और विस्कान्सिन में 49 प्रतिशत संभावित मतदाताओं ने हैरिस के प्रति समर्थन जताया। लोगों के अनुसार, हैरिस ईमानदार और बुद्धिमान हैं और वह सही तरह का बदलाव लाती हैं। उनमें राष्ट्रपति बनने की क्षमता है और देश के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है।

कमला हैरिस।

- पेंसिल्वेनिया के साथ ही मिशिगन और विस्कान्सिन में भी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को छोड़ा पीछे
- लोगों ने कहा, हैरिस में राष्ट्रपति बनने की क्षमता, उनके पास देश के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है
- सर्वे में कहा गया-हैरिस ने 2024 के राष्ट्रपति चुनावों को बदल दिया है

डोनाल्ड ट्रंप।

ट्रंप की चुनावी टीम का दावा, ईरान ने किया संवेदनशील डाटा हैक

वाशिंगटन, एपी : पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनाव अभियान टीम ने शनिवार को ईरान पर ईमेल हैक कर संवेदनशील दस्तावेज चुराने और वितरित करने का आरोप लगाया है। हालांकि, ईरान की भागीदारी को लेकर कोई सुबूत पेश नहीं किया गया। टीम का यह दावा माइक्रोसाफ्ट द्वारा अमेरिकी चुनाव अभियान में ईरान की ओर से हस्तक्षेप के प्रयास को उजागर करने के बाद आया है।

पोलिटिको ने शनिवार को सबसे पहले हैक की सूचना दी। उसने बताया कि 22 जुलाई को एक गुमनाम अकाउंट से ईमेल मिलना शुरू हुआ था। भेजा गया दस्तावेज रिपब्लिकन उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस पर किया गया शोध दस्तावेज प्रतीत होता है। उस पर 23 फरवरी की तारीख अंकित थी। ये दस्तावेज अवैध रूप से प्राप्त किए गए थे और 2024 के चुनाव में हस्तक्षेप करने और हमारी पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अराजकता फैलाने का इरादा था। संयुक्त राष्ट्र में ईरान मिशन ने इसमें शामिल होने से इन्कार किया है।

स्कूल पर हमले के बाद अब इजरायल ने खान यूनिस खाली करने का दिया आदेश

काहिरा, रायटर : गाजा में एक स्कूल पर किए गए हवाई हमले के बाद अब इजरायल ने गाजा पट्टी के दक्षिण में खान यूनिस को खाली करने की चेतावनी दी है। इनमें इजरायल द्वारा घोषित मानवीय क्षेत्र का हिस्सा भी शामिल है। शनिवार को हुए हमले में 100 लोगों की मौत हो गई थी। इजरायल ने कहा था कि इसका इस्तेमाल आतंकी कर रहे थे और हमले में 19 आतंकी मारे गए। इजरायली सेना की ओर से एक्स, लोगों के फोन पर टेक्स्ट और आडियो संदेशों के माध्यम से चेतावनी जारी की जा रही है। मैसेज में कहा गया है कि अपनी सुरक्षा के लिए तुरंत सभी को आश्रय स्थल को खाली करना होगा। आप जिस क्षेत्र में हैं वह खतरनाक युद्ध क्षेत्र माना जाता है।

इजरायली सेना ने कहा कि पिछले 24 घंटों में हमास के लगभग 30 ठिकानों पर हमला किया है, जिनमें सैन्य संरचनाएं, टैंक रोधी मिसाइल लांच पोस्ट और हथियार भंडारण सुविधा स्थल शामिल हैं। वहीं, इस्लामिक जिहाद सशस्त्र विंग ने कहा कि लड़ाकों ने खान यूनिस के पूर्वी इलाकों में जमा हो रही इजरायली सेना के खिलाफ मोर्टार दागे हैं।

चेतावनी जारी होने के बाद आधी रात में हजारों लोग आश्रय स्थलों को छोड़कर पश्चिम में मवासी और उत्तर में दीर अल-बलाह की ओर जा रहे थे। यह पहले से भरा पड़ा है। पश्चिमी खान यूनिस में हमाद हाउसिंग प्रोजेक्ट में रहने वाले 28 वर्षीय जकी मोहम्मद ने कहा, ''हम थक गए हैं। यह 10वीं बार है, जब आश्रय स्थल छोड़ना पड़ा है। लोग सामान, बच्चे, अपनी आशाएं और डर लेकर अज्ञात की ओर भाग रहे हैं, क्योंकि कोई सुरक्षित जगह नहीं है।''हिजबुल्ला ने उत्तरी इजरायल में सेफेड शहर के दक्षिण पूर्व में स्थित इजरायली मिचवे एलन बेस पर ड्रोन से हमला बोला। इसमें वहां मौजूद सैन्य बलों घायल हुए। बेस पर सेना के जवानों के साथ ही उत्तरी कोर के लिए आपातकालीन गोदाम को निशाना बनाया गया।

- सेना एक्स पोस्ट, फोन पर टेक्स्ट और आडियो संदेश भेज दे रही चेतावनी
- स्कूल पर हमले में 100 की मौत हो गई थी, 19 आतंकी मारे जाने का दावा

दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस में रविवार को इजरायली बमबारी के दौरान आसमान में उठता धुएं का गुबार। एएफपी >>

ओली ने दिया पीएम मोदी को नेपाल आने का निमंत्रण

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश आने का औपचारिक निमंत्रण दिया है। दो दिवसीय नेपाल दौरे पर गए विदेश सचिव विक्रम मिस्री से रविवार को मुलाकात के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने पीएम मोदी को नेपाल आने का न्योता दिया है। पिछले महीने ही नेपाल के पीएम ओली ने चौथी बार सत्ता संभाली है। वह पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली सरकार के प्रतिनिधिसभा में विश्वास मत गंवाने के बाद सत्ता में आए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पीएम ओली के अलावा नेपाल के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। वह नेपाल के विदेश सचिव सेवा लमसल के निमंत्रण पर नेपाल गए हैं। उन्होंने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडल से मुलाकात की। नेपाली विदेश सचिव मणिराम गेलल ने उनका स्वागत किया। दोनों ने काठमांडू में भारत की आर्थिक सहायता से भूकंप के बाद फिर से बनाई गई बिल्डिंग नेपाल भाषा परिषद का उद्घाटन किया।

दबाव बनाने के लिए किया गया रूसी क्षेत्र में घुसकर हमला : जेलेंस्की

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की सीमा से लगे क्षेत्र में गोला दागता एक यूक्रेनी टैंक। रायटर

कीव, रायटर : यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को पहली बार रूस के कुर्स्क में एक गए दुस्साहसिक सैन्य अभियान को स्वीकारा है। जेलेंस्की ने कहा-यूक्रेन ने न्याय बहाल करने और मास्को की सेना पर दबाव बनाने के लिए रूसी क्षेत्र में घुसकर हमला बोला है। हमले से अबतक मास्को की सेना उबर नहीं पाई है। क्षेत्र में छठे दिन भी लड़ाई जारी थी और यूक्रेनी सेना को पीछे नहीं किया जा सका।

वहीं, मास्को के सहयोगी बेलारूस ने कीव पर अपने हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए यूक्रेन के साथ लगने वाली अपनी सीमा पर और अधिक सैनिक भेज दिए हैं।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसने कुर्स्क क्षेत्र में रात भर में 14 यूक्रेनी ड्रोन और चार टोचका-यू सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया है और अन्य रूसी क्षेत्रों में 18 ड्रोन नष्ट कर दिए हैं।

भारत के डिप्टी एनएसए ने जेलेंस्की के सहयोगी से की मुलाकात

कीव, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूक्रेन की प्रस्तावित यात्रा से पहले उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) पवन कपूर ने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक से मुलाकात की। उनसे शांति बहाल करने में भारत की भागीदारी को लेकर चर्चा की। एंड्री यरमक ने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी इन प्रयासों में योगदान देंगे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के कार्यालय के प्रमुख ने एक्स पर कहा, ''प्रधानमंत्री के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात हुई। मैंने यूक्रेन के लिए न्यायसंगत शांति बहाल करने और इस प्रक्रिया में भारत की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन प्रयासों में योगदान देंगे।'' यरमक ने युद्ध में फ्रंट लाइन की स्थिति और नागरिक बुनियादी ढांचों पर गोलाबारी, विशेष रूप से कोस्त्यंतीनिव्का पर रूसी हमले को लेकर चर्चा की। हाल ही में भारत ने एक आउटरीच देश के रूप में जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया था।

ब्रिटेन के स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल होगा फेक न्यूज पहचानने का पाठ

लंदन, प्रेट्र : इंटरनेट मीडिया पर गलत सूचनाओं के कारण ब्रिटेन के शहरों में हुए दंगों के मद्देनजर पाठ्यक्रम में प्रस्तावित बदलावों के तहत स्कूली बच्चों को आनलाइन चरमपंथी सामग्री और फेक न्यूज पहचानने का तरीका सिखाया जाएगा। ब्रिटेन की शिक्षा मंत्री ब्रिजेट फिलिप्सन ने रविवार को कहा कि वह प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्तर के पाठ्यक्रमों की समीक्षा शुरू कर रही हैं, ताकि कई विषयों में आलोचनात्मक सोच विकसित की जा सके। साथ ही बच्चों को गंदी साजिश के खिलाफ जागरूक किया जा सके।

यह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि युवाओं को वह ज्ञान और कौशल दें, जिससे वे आनलाइन जो देखते हैं उसमें गलत को समझने की सोच पैदा कर सके। इसीलिए हमारे पाठ्यक्रम की समीक्षा में बच्चों को इंटरनेट मीडिया पर फैली गलत सूचनाओं और गंदी साजिश के सिद्धांतों के खिलाफ तैयार करने के लिए पाठों में महत्वपूर्ण कौशल शामिल करने की योजना है।

विपक्षी पार्टी ने कहा, मालदीव जब भी 911 डायल करेगा भारत सबसे पहले मदद करेगा

माले, प्रेट्र : मुख्य विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली सरकार की भारत के संबंध में नीति के अचानक बदलाव का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि माले को हमेशा विश्वास रहा है कि जब भी मालदीव ''911 डायल करेगा'' तो भारत हमेशा पहला ऐसा देश होगा, जो इसका उत्तर देगा। एमडीपी के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने शनिवार को विदेशमंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की।

शाहिद ने कहा कि उनकी पार्टी मुइज्जू सरकार से गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक माफी मांगने का आह्वान करती है, जिसके कारण मालदीव के विदेशी और आर्थिक दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, ''सरकार द्वारा भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने के कारण मालदीव की अंतरराष्ट्रीय साख में गिरावट हुई है।''

हालांकि, मुइज्जू ने कहा कि विदेश नीति में कोई बदलाव नहीं किया है और न ही माफी मांगने लायक कुछ है। पहले दिन से ही उसी नीति पर चल रहा हूं, जो अपने घोषणापत्र में शामिल किया था। मैंने कहा था कि मालदीव के हितों को प्राथमिकता दूंगा और उन सभी देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखूंगा, जो मालदीव की स्वतंत्रता और संप्रभुता का उल्लंघन नहीं करने पर सहमत हैं। मालदीव से भारतीय सैनिकों को बाहर करना लोगों द्वारा उन्हें सौंपी गई बड़ी जिम्मेदारियों में से एक था। भारत ने पिछले महीनों में साझा मित्रता और निकटता के आधार पर हमारे लिए बहुत कुछ किया। इसने किसी भी अन्य देश की तुलना में मालदीव के लिए मुख्य भोजन के कोटा में अधिक वृद्धि की अनुमति दी।''

विदेशमंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि बनाए रखने में भारत का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यह हमारी पड़ोसी प्रथम नीति के केंद्र में है। इसलिए स्वाभाविक है कि दोनों देशों के बीच सहयोग पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ गया है।

जयशंकर ने अड्डू पुनर्ग्रहण व तट संरक्षण परियोजना के हस्तांतरण समारोह व एक्जिम बैंक की ऋण सहायता के तहत भारत सरकार की मदद से बनाई गई चार लेन डेटोर लिंक सड़क परियोजना के उद्घाटन पर यह कहा।

- एमडीपी ने मुइज्जू सरकार की भारत नीति में आए अचानक बदलाव का स्वागत किया
- कहा, मुइज्जू सरकार अपनी गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक माफी मांगे

मोहम्मद मुइज्जू। फाइल

****

चीन पर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के तहत लगाम चाहते हैं वेंस

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर और उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस ने कहा कि चीन अमेरिका के लिए प्रतिद्वंद्वी और दुश्मन दोनो है। उनकी पार्टी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में चीन पर नजर रखना चाहती है। वेंस ने रविवार को सीबीएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका के लिए चीन दोनों ही है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम चीन के साथ युद्ध नहीं चाहते हैं। लेकिन निश्चित रूप से वह हमारा बैरी है। उदाहरण के लिए चीनियों को पता है कि वह टनों की तादाद में दर्द निवारक दवा फेनेटाइल बनाते हैं। इसका इस्तेमाल हमारे देश में मादक पदार्थ के रूप में किया जा रहा है। वह इसे हमारे देश में आने दे रहे हैं। लेकिन उप राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस इस बारे में कुछ नहीं कर रही हैं। वेंस ने कहा कि चीन को इस संबंध में चेताए जाने की जरूरत है।

पाकिस्तान के कराची में छाए शुद्ध शाकाहारी भारतीय व्यंजन

कराची, प्रेट्र : पाकिस्तान के वित्तीय केंद्र कराची में लोगों को 'भारतीय शाकाहारी भोजन' का चस्का लग गया है। सोयाबीन आलू बिरयानी, आलू टिक्की, वाड़ा पाव, मसाला डोसा और ढोकला जैसे विशुद्ध भारतीय व्यंजनों की खुशबू कराची के हिंदू इलाकों में फैली रहती है।

हाल के महीनों में यूरोपीय, इटालियन या चायनीज कुजीन पर जोर मारने वाले पाकिस्तानी अब लजीज भारतीय शाकाहारी भोजन के मुरीद हैं।

सिंध प्रांत की राजधानी कराची में लाखों लोग अब एमए जिन्ना रोड के एतिहासिक परिसर में स्थित महेश कुमार के महाराज करमचंद वेजीटेरियन फूड इन रेस्त्रां में पहुंचते हैं।

नारायण कंपाउंड के महेश कुमार बताते हैं कि उनके रेस्त्रां में वकीलों से लेकर व्यापारी तक सभी आते हैं। हमारा सोयाबीन आलू बिरयानी, आलू टिक्की, पनीर कड़ाही और मिक्सड वेज बहुत प्रसिद्ध है। वह अकेले हिंदू भोजनालय चलाने वाले नहीं हैं, बल्कि और लोग भी शुद्धशाकाहारी भोजन के कारोबार में खूब तरक्की कर रहे हैं।

इसी तरह पिछले आठ महीने से कैंट इलाके में फूडस्टाल चलाने वाली कविता ने बताया कि उनके स्टाल पर बहुत भीड़ होती है और मीट खाने के प्रेमी कराची के लोगों को शाकाहारी भोजन भी अब खूब भाने लगा है। कविता की स्टाल के पास ही उनकी ननद चंद्रिका दीक्षित, भाई जीतेंद्र और उनकी मां नोमिता भी तीन और स्टाल चलाते हैं।

इसके अलावा शुद्ध शाकाहारी भोजन का यहां एक और ठेला लगता है जिसे ईसाई महिला मैरी रिचर्ड चलाती हैं। वह अपने स्टाल पर ढोकला, आम पना और दाल समोसा बेचती हैं। मैरी ने कहा कि लोग अब यह व्यंजन पसंद कर रहे हैं क्योंकि यह स्वादिष्ट तो हैं ही, जेब पर भी भारी नहीं पड़ते।

- सोयाबीन आलू बिरयानी, आलू टिक्की, वाड़ा पाव, मसाला डोसा और ढोकला की मांग

पदक तो दूर, सर्वश्रेष्ठ तक नहीं दे पाए ये धुरंधर

ट्रैक एंड फील्ड में 29 एथलीटों ने पेरिस ओलिंपिक में पेश की थी चुनौती, केवल नीरज और साबले ही फाइनल में पहुंच पाए

नितिन नागर ● जागरण

नई दिल्ली: पेरिस ओलिंपिक में भारत का अभियान छह पदकों के साथ समाप्त हुआ और हम टोक्यो के प्रदर्शन से भी पीछे रहे। पेरिस में 117 सदस्यीय भारतीय दल में से सबसे ज्यादा 29 एथलीट ट्रैक एंड फील्ड में उतरे थे, लेकिन फाइनल में पहुंचे केवल दो खिलाड़ी। इनमें से भी पदक आया सिर्फ एक। नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक स्पर्धा में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता, जबकि उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है। नीरज के अलावा केवल अविनाश साबले ही 3000 मीटर स्टीपलचेज (बाधा दौड़) के फाइनल में पहुंच पाए, लेकिन वह भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर रहे। अविनाश फाइनल में 11वें स्थान पर रहे। ट्रैक एंड फील्ड में ज्यादातर एथलीट अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तक नहीं कर पाए, जबकि इनमें से कई ने पिछले वर्ष हुए एशियाई खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। अगर ये खिलाड़ी पेरिस ओलिंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी पहुंच पाते तो हो सकता था कि भारत को ट्रैक एंड फील्ड में एक या दो और पदक मिल सकते थे। ऐसा नहीं है कि इन एथलीटों की तैयारियों में कोई कसर छोड़ी गई थी। सरकार की ओर से पेरिस ओलिंपिक चक्र के लिए सर्वाधिक 96 करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन भारतीय एथलीट प्रभाव छोड़ने में विफल रहे।

सर्वश्रेष्ठ देने के बावजूद फाइनल में नहीं पहुंचे: कुछ ऐसे भी सितारे रहे जिन्होंने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर किया, लेकिन वह फाइनल में नहीं पहुंच पाए। इनमें ऊंची कूद धावक सर्वेश कुशारे ने हीट में 2.15 मीटर की कूद लगाई, जबकि उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.20 मीटर है, जो उन्होंने 2023 में कजाखस्तान में बनाया था। वहीं लंबी एथलटी जेस्वीन एल्ड्रिन ने क्वालीफिकेशन में 7.61 मीटर की कूद लगाई, जबकि उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7.99 मीटर का है।

अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से भी पीछे रहे ये खिलाड़ी

पारुल चौधरी
3000 मीटर स्टीपलचेज (बाधा दौड़)
निजी सर्वश्रेष्ठ : 9:15.31 सेकेंड
पेरिस ओलिंपिक : 9:23.39 सेकेंड
ओलिंपिक रिकार्ड : 8:52.76 सेकेंड
विन्फ्रेड यावी, बहरीन, 2024

महिला 5000 मीटर दौड़
निजी सर्वश्रेष्ठ 15:10.35 सेकेंड
पेरिस ओलिंपिक में 15:10.68 सेकेंड
ओलिंपिक रिकार्ड 14:26.17 सेकेंड
(विवयन चेरियोत, 2016)

अंकिता ध्यानी
निजी सर्वश्रेष्ठ 15.28.08 सेकेंड
पेरिस ओलिंपिक में 16:19.38 सेकेंड

किरण पहल : महिला 400 मीटर दौड़
निजी सर्वश्रेष्ठ 50.92 सेकेंड
ओलिंपिक रिकार्ड 48.17 सेकेंड
पेरिस ओलिंपिक मे 52.51 सेकेंड, 52.59 सेकेंड (रेपचेज)
मेरिलडे पाउलोनी, डोमिनिक गणराज्य, 2024

अन्नू रानी
भाला फेंक
निजी सर्वश्रेष्ठ : 62.34 मीटर
पेरिस ओलिंपिक में : 55.81 मीटर
ओलिंपिक रिकार्ड : 72.28 मीटर
बारबोरा स्पोताकोवा, 2008

किशोर जेना : भाला फेंक
निजी सर्वश्रेष्ठ : 87.54 मीटर
पेरिस ओलिंपिक में : 80.73 मीटर
ओलिंपिक रिकार्ड 92.97 मीटर
अरशद नदीम, पाकिस्तान, 2024

अविनाश साबले
3000 मीटर स्टीपलचेज (बाधा दौड़)
निजी सर्वश्रेष्ठ : 8:09.91 सेकेंड
पेरिस ओलिंपिक में : 8:14.18 सेकेंड
ओलिंपिक रिकार्ड 8:03.28 सेकेंड
कांसेसलस किपरूटो, 2016

ज्योति याराजी
100 मीटर बाधा दौड़
निजी सर्वश्रेष्ठ : 12.78 सेकेंड
पेरिस ओलिंपिक में : 13.17 सेकेंड
ओलिंपिक रिकार्ड : 12.33 सेकेंड
(मसाई रसेल, अमेरिका, 2024)

तजिंदरपाल सिंह तूर
गोला फेंक
निजी सर्वश्रेष्ठ : 21.55 मीटर
पेरिस ओलिंपिक में : 18.05 मीटर
ओलिंपिक रिकार्ड : 23.30 मीटर
(रयान क्रूसर, अमेरिका, 2021)

1 पदक ही मिला भारत को ट्रैक एंड फील्ड में, नीरज चोपड़ा ने जीता रजत

96.08 करोड़ रुपये खर्च किए थे सरकार ने इन एथलीटों की तैयारियों पर

तालिका

देश	सोना	चांदी	कांस्य	कुल
1 अमेरिका	40	44	42	126
2 चीन	40	27	24	91
3 जापान	20	12	13	45
4 आस्ट्रेलिया	18	19	16	53
5 फ्रांस	16	26	22	64
6 नीदरलैंड्स	15	7	12	34
7 ग्रेट ब्रिटेन	14	22	29	65
8 द. कोरिया	13	9	10	32
9 इटली	12	13	15	40
10 जर्मनी	12	13	8	33
71 भारत	0	1	5	6

*अंतिम स्पर्धा के बाद

ओलिंपिक में जब ट्रैक एंड फील्ड में पदक से चूका भारत

भारत ने 1920 के एंटवर्प खेलों में भारतीय ओलिंपिक संघ के तहत अपना पहला दल भेजा था, जिसमें चार खिलाड़ी थे। लेकिन कोई भी प्रभाव नहीं छोड़ पाया। इसके बाद 1924 में दलीप सिंह ने 6.635 की छलांग के साथ लंबी कूद में सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। 24 साल बाद गुरनाम सिंह ने पुरुषों की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बनाकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। 1960 में भारत को पहले पदक की आस थी, मिल्खा सिंह से, लेकिन ये महान एथलीट कांस्य पदक से बाल-बाल चूक गए। उन्होंने 45.600 का समय निकाला, जबकि कांस्य पदक विजेता ने 45.500 का समय निकाला था। 1964 में गुरबचन सिंह रंधावा ने 110 मीटर बाधा दौड़ में प्रभावशाली प्रदर्शन किया, क्योंकि उन्होंने 10 एथलीटों में से पांचवें स्थान पर फाइनल पूरा किया। इसके बाद अंजू बाबी जार्ज ने किया, जिन्होंने एथेंस 2004 में महिलाओं की लंबी कूद के फाइनल में 6.83 मीटर की छलांग लगाकर पांचवां स्थान हासिल किया।

समापन समारोह के लिए जाते मनु भाकर और पीआर श्रीजेश ● साई

अभिनव बिंद्रा ओलिंपिक आर्डर से सम्मानित

ओलिंपिक डायरी

पेरिस, प्रेट्र : भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलिंपिक आंदोलन में उनके 'विशिष्ट योगदान' के लिए प्रतिष्ठित ओलिंपिक आर्डर से सम्मानित किया गया। बीजिंग 2008 ओलिंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलिंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता बने बिंद्रा को शनिवार को यहां अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आइओसी) के 142वें सत्र के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया।

बिंद्रा ने कहा, 'जब मैं छोटा था तो ये ओलिंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया।' उन्होंने कहा, 'और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलिंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलिंपिक आंदोलन में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है। यह मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है।'

समापन समारोह से पहले एफिल टावर पर चढ़ता व्यक्ति ● एपी

समापन समारोह से पहले एफिल टावर पर चढ़ा व्यक्ति

पेरिस, एपी : एक व्यक्ति को रविवार को यहां ओलिंपिक समापन समारोह से कुछ घंटे पहले पेरिस के ऐतिहासिक एफिल टावर पर चढ़ते देखा गया जिसके बाद अधिकारियों ने एफिल टावर को खाली करा दिया। एक व्यक्ति को बिना शर्ट पहने दोपहर में टावर पर चढ़ते देखा गया। यह स्पष्ट नहीं है कि उसने अपनी चढ़ाई कहां से शुरू की, लेकिन उसे टावर के दूसरे हिस्से में लगे 'ओलिंपिक रिंग्स' के ठीक ऊपर देखा गया।

एक नजर में

कांगो के धावक डोपिंग जांच में पाए गए पाजिटिव

पेरिस: पेरिस ओलिंपिक के उद्घाटन समारोह के लिए कांगो के ध्वजवाहकों में से एक फर्राटा धावक डोमिनिक लास्कोनी मुलांबा को एनाबालिक स्टेरायड के प्रयोग का दोषी पाया गया है। अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आइटीए) ने रविवार को यह जानकारी दी। आइटीए ने कहा कि 100 मीटर फर्राटा दौड़ में प्रतिस्पर्धा करने वाले मुलांबा ने जो नमूना दिया था उसकी जांच में प्रतिबंधित पदार्थ 'स्टैनोजोलोल मेटाबोलाइट' की पुष्टि हुई है। इस 22 वर्ष के एथलीट को फिलहाल निलंबित कर दिया गया है और वह रविवार को समापन समारोह में भाग नहीं ले पाएंगे। (प्रेट्र)

सबालेंका को हराकर एनिसिमोवा सेमीफाइनल में

टोरंटो: अमांडा एनिसिमोवा ने शनिवार को यहां उलटफेर करते हुए दूसरी वरीय एरिना सबालेंका को सीधे सेट में 6-2, 6-2 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। एनिसिमोवा की शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ लगभग दो वर्ष में यह पहली जीत है। एनिसिमोवा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली अमेरिका की पांच खिलाड़ियों में से एक थी। इस 22 वर्षीय ने पिछले साल टेनिस से मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक लिया था। एनिसिमोवा आल अमेरिकन सेमीफाइनल में आठवीं वरीय एम्मा नवारो से भिड़ेंगी। नवारो ने साथी अमेरिकी खिलाड़ी टेलर टाउनसेंड को 6-3, 7-6 से शिकस्त दी। जेसिका पेगुला ने एक अन्य आल अमेरिकी क्वार्टर फाइनल में पेटोन स्टर्न्स को 6-4, 7-5 से शिकस्त दी। (एपी)

आंद्रे रूबलेव ने शीर्ष वरीय जानिक सिनर को हराया

मांट्रियल: पांचवें वरीय आंद्रे रूबलेव ने शनिवार को यहां शीर्ष वरीय गत चैंपियन यानिक सिनर को कड़े मुकाबले में 6-3, 1-6, 6-2 से हराकर वर्षा से प्रभावित नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। रूबलेव ने इससे पहले शनिवार को ही ब्रैंडन नाकाशिमा को 6-2, 6-2 से हराया था जबकि सिनर ने एलेजांद्रो तेबिलो को 6-4, 6-3 से शिकस्त दी थी। उष्णकटिबंधीय तूफान डेबी के कारण हुई वर्षा से गुरुवार रात और शुक्रवार को मैच नहीं खेले जा सके थे और इन्हें शनिवार को खेला गया। (एपी)

विवादित मुक्केबाज यू-टिंग ने जीता स्वर्ण

ओलिंपिक में विश्व

पेरिस, एपी : ताइवान की लिन यू-टिंग ने पूरे पेरिस ओलिंपिक मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दौरान संयमित और शांत रहने की लड़ाई लड़ी और इन खेलों का अंत स्वर्ण पदक के साथ किया। वह तब भी संयमित रहीं जब ऐसा लग रहा था कि विश्व के अधिकांश लोग उन्हें बदनाम कर रहे हैं, उन्हें गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं और उनके अस्तित्व की प्रकृति पर ही सवाल उठा रहे हैं।

यू-टिंग ने फाइनल में पोलैंड की जूलिया सेरेमेटा को 5-0 से हराकर अपने देश के लिए पहला ओलिंपिक मुक्केबाजी स्वर्ण पदक जीता। इस फ्लाईवेट मुक्केबाज ने अपना इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल बंद कर दिया, अपनी ट्रेनिंग जारी रखी और एक के बाद एक शानदार जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया, लेकिन जब उन्होंने पोडियम पर अपने गले में स्वर्ण पदक के साथ खड़े होकर ताइवान का राष्ट्रगान सुना तो यू-टिंग भावुक हो गईं।

यू-टिंग ने शनिवार रात अपने भार वर्ग में वर्चस्व स्थापित किया।

लिन यू टिंग ● एपी

एक दिन पहले इमेन खेलिफ के बाद उन्होंने भी रिंग के अंदर और विश्वभर में उनके नारीत्व के बारे में गलत धारणाओं का शानदार जवाब दिया।

चीन ने जीता ओलिंपिक में 300वां स्वर्ण पदक

पेरिस, एपी : चीन ने शनिवार को पेरिस खेलों में टेबल टेनिस का महिला टीम स्पर्धा का खिताब जीतकर ओलंपिक इतिहास में देश का 300वां स्वर्ण पदक जीता। चीन ने महिला टीम स्पर्धा के फाइनल में जापान को 3-0 से हराकर लगातार पांचवां स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले शुक्रवार को पुरुष टीम ने यह उपलब्धि हासिल की थी। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सुन यिंगशा ने कहा, 'हमारे में से प्रत्येक ने आज अपना सब कुछ झोंक दिया और सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया।' दक्षिण कोरिया ने जर्मनी पर 3-0 की जीत के साथ कांस्य पदक जीता जो 2008 में बीजिंग खेलों के बाद टीम स्पर्धा में उसका पहला पदक है। टेबल टेनिस में चीन प्रमुख शक्ति है जिसने पेरिस में पांचों ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीते। चीन ने 1988 में सियोल ओलिंपिक में टेबल टेनिस को शामिल किए जाने के बाद से इस खेल में दिए गए 42 स्वर्ण पदक में से 37 जीते हैं।

खाली नहीं लौटने के संकल्प से जीता कांसा : हरमनप्रीत

हरदीप रंधावा ● जागरण

अमृतसर: पेरिस ओलिंपिक के सेमीफाइनल में जर्मनी से हारने के बाद हाकी टीम थोड़ा निराश थी। इसके बाद सभी ने संकल्प लिया कि खाली हाथ नहीं लौटना है। यही भावना मन में लेकर टीम पूरे उत्साह से खेली और कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम के सदस्य रविवार को कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अमृतसर पहुंचने पर दैनिक जागरण से विशेष बातचीत में टीम के संकल्प की कहानी सुनाई।

हरमनप्रीत ने कहा, पदक की कीमत एक खिलाड़ी ही जानता है। हर मैच में भारतीय टीम खेल भावना से मैदान में उतरी और प्रत्येक खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उसी का परिणाम रहा कि हम पदक जीत पाए। स्वर्ण नहीं जीतने के प्रश्न पर उन्होंने कहा, यदि स्वर्ण पदक नहीं मिला है तो उसमें परमात्मा की कोई इच्छा होगी परंतु कांस्य पदक लेकर आना भी किसी सफलता से कम नहीं है। हमने देश का नाम ऊंचा किया है। पेनाल्टी कार्नर से अधिक गोल करने पर हरमनप्रीत ने कहा, खेल के मैदान में केवल जीत मायने रखती है। उन्होंने कहा कि यदि ओलिंपिक में सबसे अधिक गोल करने का उन्हें अवसर मिला है तो उसमें भी टीम का सहयोग रहा है।

हरमनप्रीत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि पेरिस जाने से पहले शुभकामनाएं देने व पदक जीतने के बाद बधाई देने के लिए फोन करने से मनोबल बढ़ा।

श्री हरि मंदिर साहिब में नतमस्तक होने पहुंचे हाकी टीम के खिलाड़ी ● जागरण

लौट रहा है हाकी का स्वर्णिम दौर : विवेक सागर

नई दुनिया, भोपाल : कांस्य पदक जीतकर रविवार को भोपाल लौटे भारतीय हाकी टीम के सदस्य विवेक सागर का रविवार को जोरदार स्वागत किया गया। विवेक सागर ने कहा, हमारी टीम ने पेरिस में शानदार खेल का प्रदर्शन किया है, हम फाइनल की योजना बनाकर गए थे, लेकिन सेमीफाइनल में जर्मनी के विरुद्ध बढ़त को बरकरार नहीं रख पाए, इसका दुख है। जब कांस्य पदक के लिए हमारी टीम मैदान में उतरी तो लक्ष्य कांस्य पदक जीतना ही था। हमारे गोलकीपर पीआर श्रीजेश अद्भुत खिलाड़ी हैं, जो पदक हमने जीता है, इसमें सबसे बड़ा योगदान उनका ही है। इस बात की खुशी है कि हम उन्हें पदक के साथ विदाई देने में सफल रहे। हर मैच में उन्होंने शानदार खेल दिखाया।

मंदिर में पूजन करते ललित ● जागरण

ललित ने बाबा विश्वनाथ को समर्पित की उपलब्धि

जासं, वाराणसी: पेरिस ओलिंपिक में हाकी का कांस्य पदक जीतने के बाद रविवार को वाराणसी पहुंचे ललित उपाध्याय ने सबसे पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। अपनी उपलब्धि उन्हें समर्पित की और ओलिंपिक पदक को बाबा से स्पर्श कराया। ललित ने बताया कि ओलिंपिक में भाग लेने जाने से पहले भी उन्होंने बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन कर टीम की जीत की कामना की थी।

पेरिस में खेल राष्ट्र के रूप में भारत की बढ़ती ताकत दिखी

नीरज चोपड़ा की कलम से

मैं स्टेड डी फ्रांस में राष्ट्रगान बजने का कारण बनना चाहता था, लेकिन मुझे बेहद गर्व है कि मैंने तीन साल पहले टोक्यो में अपने स्वर्ण जीतने वाले प्रयास से बेहतर थ्रो के साथ रजत पदक जीता। हां, अब समय आ गया है कि मैं अपनी टीम के साथ बैठकर यह तय करूं कि चोट से कैसे निपटा जाए। अपने बाकी प्रतिस्पर्धी सत्र में जाने से पहले, मैं अपने दूसरे लगातार ओलिंपिक पदक से प्रेरित भावनाओं को महसूस करूंगा। मैं आप सभी से मिले अपार समर्थन के लिए आभारी हूं। माननीय प्रधानमंत्री ने मुझे और मेरे साथियों को जो प्रेरणा और शुभकामनाएं दीं, वह एक तरह से सोने पर सुहागा थीं।

हालांकि, मैं अपने कई साथियों का भी जश्न मनाना चाहता हूं जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। मेरा मानना है कि हमें पेरिस 2024 ओलिंपिक खेलों में भारत के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए पदक तालिका को इकलौता पैमाना नहीं बनाना चाहिए। मैं आग्रह करूंगा कि आप देखें कि हमारे एथलीटों ने कितनी कड़ी ट्रेनिंग की। कितनी तीव्रता से प्रतिस्पर्धा की। बस एक पल के लिए यह समझने का समय निकालें कि हमारे कितने एथलीटों ने अपना सब कुछ दिया, लेकिन पोडियम फिनिश से बाल-बाल चूक गए। फिर भी 16 सदस्यीय हाकी टीम समेत 117 सदस्यीय दल में से 21 खिलाड़ी पेरिस से पदक लेकर घर लौटेंगे।

भारत के बेहतर प्रदर्शन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि छह एथलीट चौथे स्थान पर रहे। एक दिल तोड़ने वाला डिस्क्वालीफिकेशन रहा, यह पदक बाकी छह के साथ पक्का ही था। जब 1960 ओलिंपिक में मिल्खा सिंह और 1984 ओलिंपिक में पीटी ऊषा जैसे दिग्गजों ने चौथा स्थान प्राप्त किया था, तो दोनों ने भारत के लिए इतिहास रचा और देश के लोगों के लिए आदर्श बन गए। आज, एक ओलिंपिक में, हमारे पास सात ऐसे एथलीट हैं जो पदक जीत सकते थे और 15 एथलीट ऐसे हैं जो क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। यह टोक्यो में सिर्फ दो चौथे स्थान पर रहने वालों की तुलना में कहीं अच्छा है। यह दर्शाता है कि एक देश के रूप में, हमारे खेल कौशल में उल्लेखनीय विकास हुआ है। एक ऐसे देश के रूप में जिसने पिछले दशक में ही खेलों में भारी निवेश करना शुरू किया है। एथलीटों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल रही हैं। हमें इन चौथे स्थानों को पदक में बदलते देखने के लिए धैर्य रखना चाहिए और मुझे यकीन है कि अगले ओलिंपिक में इनमें से कई एथलीट और नए एथलीट भारत के लिए पदक जीतेंगे। अर्जुन बबूता, अंकिता भकत, धीरज बोम्मादेवरा, महेश्वरी चौहान, अनंतजीत सिंह, मनु का तीसरा पदक चूकना और निश्चित रूप से विनेश, ये ऐसे एथलीट हैं जिनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया जाना चाहिए।

यह केवल समय की बात है कि ये शीर्ष 10 में पहुंचेंगे और भारत के लिए पदक जीतेंगे। यह जरूरी है कि हम अलग-अलग खेलों में अपने एथलीटों की ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा रणनीति को उसी तीव्रता से बनाए रखें। बदलाव केवल विभिन्न विषयों में इस तरह के बेहतर प्रदर्शन से ही आएगा। मेरा आत्मविश्वास हमारे एथलीटों की बदलती मानसिकता और दृष्टिकोण तथा सरकार सहित सभी हितधारकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों से उपजा है, जो एक दशक पहले तक अनसुना था। मैंने खुद पिछले तीन वर्षों में 310 दिनों के लिए छह देशों में प्रशिक्षण लिया है। भाग लेने वाले सभी एथलीट टारगेट ओलिंपिक पोडियम योजना (टाप्स) का हिस्सा हैं, जो एथलीटों, व्यक्तिगत कोच, विदेशी विशेषज्ञों को कई विदेशी प्रशिक्षण प्रदान करता है...यह एक लंबी सूची है।

द. अफ्रीका-विंडीज के बीच टेस्ट ड्रा की ओर

त्रिनिदाद, एपी: दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के विरुद्ध पहले टेस्ट के पांचवें दिन खबर लिखे जाने तक दो विकेट गंवाकर 149 रन बनाए हैं। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका की पहले सत्र में 273 रनों की बढ़त हो गई है। हालांकि, वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी शेष है और यह मैच ड्रा की ओर बढ़ चुका है। स्टब्स 47 रन और बावुमा 13 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। वेस्टइंडीज ने पिछले दिन अपने पहले पारी की शुरुआत चार विकेट पर 145 रनों से की, लेकिन टीम ने अपने अंतिम छह विकेट महज 60 रनों के अंतराल में ही गवां दिए। वेस्टइंडीज की पारी में जेसन होल्डर का पांचवां विकेट गिरने के बाद जोमेल वारिकान के अलावा सभी खिलाड़ियों सस्ते में अपने विकेट दे दिए। टीम की ओर से बल्लेबाज कीसी कार्टी ने सर्वाधिक 81 गेंदों पर 41 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर वेस्टइंडीज बल्लेबाजों पर हावी रहे। केशव महाराज ने चार विकेट, रबादा ने तीन विकेट, तो वहीं मार्कंरैम और नगिदी ने एक-एक विकेट लिए।

184 देशों से अधिक स्वर्ण पदक फ्रांस के लियोन मर्चेंड ने जीते

नई दिल्ली, जेएनएन : फ्रांस के 21 वर्षीय युवा तैराक लियोन मर्चेंड ने पेरिस ओलिंपिक में चार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह तैराकी में फ्रांस के उभरते हुए सितारे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि ओलिंपिक में 184 टीम उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन से भी पीछे है। चार स्वर्ण के अलावा लियोन मर्चेंड ने एक कांस्य पदक भी अपने नाम किया। एक ओलिंपिक में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने का रिकार्ड अमेरिकी तैराक माइकल फेल्प्स के नाम है, जिन्होंने 2008 बीजिंग ओलिंपिक में आठ व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते थे। कमाल की बात यह है कि मर्चेंड के ट्रेनर बाब बोमैन वही हैं, जिन्होंने कभी फेल्प्स को ट्रेनिंग दी थी।

कोच की जान बचाए जाने के बाद मुक्केबाजी रिंग में उज्बेकिस्तान का दबदबा: उज्बेकिस्तान के प्रिय मुख्य मुक्केबाजी कोच तुलकिन किलिचेव को पेरिस ओलिंपिक में अपनी टीम के पहले स्वर्ण पदक का जश्न मनाने के बाद ब्रिटेन के ट्रेनिंग स्टाफ के दो सदस्यों ने दिल का दौरा पड़ने से बचाया। देश के मुक्केबाजों ने इसकी पुष्टि की। उज्बेकिस्तान की टीम ने पेरिस खेलों में पांच स्वर्ण पदक जीते जो 20 वर्षों में किसी भी ओलिंपिक टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस तरह किलिचेव के मुक्केबाजों ने अपने कोच को जश्न मनाने का अवसर दिया जो पेरिस के एक अस्पताल में भर्ती हैं। बखोदिर जलोलोव ने अपना दूसरा सुपर हैवीवेट स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, '(किलिचेव) वास्तव में एक कोच या पिता से कहीं अधिक हैं।'

लियोन मर्चेंड

****

दैनिक जागरण | हिंदी हैं हम

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल
नई दिल्ली

आज के शब्द : स्वाधीनता, स्वतंत्रता, स्वच्छंदता और उच्छृंखलता

स्वाधीनता और स्वतंत्रता : दोनों शब्दों में अर्थपरक अंतर है। स्वतंत्रता का मूल अर्थ 'आजादी' नहीं है। हां, स्वाधीनता का अर्थ 'आजादी' अवश्य है। कोई 'स्वाधीन' है तो इसका अर्थ है कि वह मुक्त है या आजाद है। स्वतंत्रता इससे उच्चतर अवस्था है। जब कोई आजाद हो और उसका एक तंत्र हो या अपनी एक व्यवस्था हो, तो वह 'स्वतंत्र' भी है। 'स्व' का अर्थ 'अपना' और 'तंत्र' का अर्थ-नियम, व्यवस्था या प्रबंध है। स्वतंत्रता का विलोम 'परतंत्रता' है। परतंत्रता का अर्थ है-दूसरे की व्यवस्था (तंत्र)। जब हम 'पराधीन' होते हैं, तब परतंत्र भी होते हैं, क्योंकि जब दूसरे के अधीन होंगे तो व्यवस्था भी दूसरों की ही होगी। इसके विपरीत, जब हम 'स्वाधीन' (अपने अधीन) होते हैं; तब हम कुछ हद तक 'स्वतंत्र' भी हो जाते हैं।

स्वच्छंदता और उच्छृंखलता : स्वच्छंद शब्द बना है, 'स्व+छंद' से। छंद का व्युत्पत्तिगत अर्थ है 'खुश करना'। स्वच्छंद का अर्थ हुआ-जो अपनी मर्जी से काम करे, किसी बंधन में न हो। अपनी इच्छा से आचरण करना 'स्वेच्छाचारिता' है; लेकिन यह जब मनमानेपन का पर्याय बने और किसी नियम को न माने तो 'उच्छृंखलता' है। उच्छृंखल ('उद्+शृंखल') से बना शब्द है। शृंखल 'क्रम' को कहते हैं। जंजीर, सांकल आदि 'शृंखल' हैं, जिनमें कड़ी के रूप में हिस्से जुड़े होते हैं। शृंखला एक-दूसरे में पिरोई हुई कड़ियों का समूह है। शृंखला में होने का गुण अथवा क्रमबद्धता को 'शृंखलता' कहते हैं। इस क्रम से दूर होना या इस व्यवस्था का टूटना जाना 'उच्छृंखलता' है।

kamalkeekalam@gmail.com

आकलन

राजगोपाल सिंह वर्मा
आगरा, उत्तर प्रदेश

विभाजन विभीषिका के संवेदी आख्यान

कोलाज : पवन कटियार

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद घटित भारत विभाजन की त्रासदी में सांप्रदायिक हिंसा का वीभत्स तांडव हुआ। मानवीय मूल्य तार-तार हो गए। इसकी परिणति जान-माल की हानि और पलायन के रूप में हुई। इस विभीषिका की गहरी छाया हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य पर कितनी पड़ी है, कुछ महत्वपूर्ण कृतियों की चर्चा के साथ इसका आकलन करता आलेख....

वर्ष 1947 में भारत को स्वतंत्रता का सुख मिला, तो विभाजन की भयावह त्रासदी का अपार दुख भी उसमें जुड़ गया। इस त्रासदी में लाखों निरीह नागरिकों को जान-माल की हानि उठानी पड़ी। देश में कटुता तथा अविश्वास का वातावरण बन गया। लाखों लोग बेघर हो गए। विभाजन और पलायन के इस वीभत्स दौर को साहित्य में उकेरना आसान नहीं था, परंतु समय के साथ हिंदी, पंजाबी, उर्दू, बांग्ला, गुजराती, सिंधी, असमिया और अंग्रेजी के साहित्य में इससे संबंधित संवेदी आख्यान प्रचुर रूप में शामिल हैं।

यशपाल ने 'झूठा सच' उपन्यास में विभाजन की त्रासदी और उजड़े लोगों के पुनर्वास के संघर्ष को स्वर दिया है। इस चर्चित कृति के दोनों खंड 'वतन और देश' तथा 'देश का भविष्य' आदर्शवादिता, स्त्रियों की दशा, सामाजिक संकीर्णता और विचारधाराओं की भी चित्रण करते हैं। भीष्म साहनी के 'तमस' और बलवंत सिंह के 'काले कोस' में इस विभीषिका का गहन प्रभाव दिखता है, तो फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यास 'जुलूस' की पवित्रा इस त्रासदी का प्रतीक बनकर हमारे मन को विचलित करती है। 'तमस' की राजो और लीजा तथा 'लौटे हुए मुसाफिर' की नसीबन, ये स्त्री पात्र विभाजन की अमानवीयता, दरकते मानवीय मूल्यों और आस्थाओं के क्षरण के क्रूर प्रतीक हैं।

उस समय की कहानियों 'मेरी मां कहां', 'डरो मत मैं तुम्हारी रक्षा करूंगा' और 'सिक्का बदल गया' में भी यह काल-जनित भयावहता मौजूद है। अमृत राय की 'व्यथा का सरगम', अज्ञेय की 'शरणदाता' और 'बदला', विष्णु प्रभाकर की 'मेरा वतन' और 'मैं जिंदा रहूंगा', स्वदेश दीपक की 'रफूजी' और उपेंद्रनाथ अश्क की 'चारा काटने की मशीन' इस पीड़ा काल की चुनिंदा प्रतिनिधि कहानियां हैं।

कृष्णा सोबती का 'जिंदगीनामा' विभाजन काल में सांप्रदायिक सद्भाव की दिशा प्रदर्शित करता उपन्यास है। सोबती अंध-राष्ट्रवाद और विशुद्ध संस्कृति की अवधारणा की विरोधी हैं, उनकी कृति 'गुजरात पाकिस्तान से गुजरात हिंदुस्तान' में उस सांप्रदायिक उन्माद की वैचारिकता का व्यापक फलक पर चित्रण हुआ है। प्रतिभू बनर्जी का उपन्यास 'स्मृति शेषः कथा अशेष' बंगाल के विस्थापितों की मार्मिक दास्तान है। असगर वजाहत का नाटक 'जिन लाहौर नहीं वेख्या ओ जनम्याई नई' विभाजन को सहज और मानवीय ढंग से प्रस्तुत करता है। अज्ञेय की लंबी कविता 'शरणार्थी' स्थितियों का मार्मिक चित्रण है।

उर्दू कथा साहित्य की चर्चित कृतियों में कुर्तुल ऐन हैदर का उपन्यास 'आग का दरिया' वर्ष 1947 के घटनाक्रम को समकालीन सांस्कृतिक और दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषित करता है। मंटो की 'टोबा टेक सिंह' तथा इस्मत चुगताई की 'जड़ें', ख्वाजा अहमद अब्बास की 'सरदार जी' भी विभाजन की इस त्रासदी की प्रमुख रचनाएं हैं। अन्य रचनाओं में 'उदास नस्लें', 'पेशावर एक्सप्रेस', 'बस्ती', 'ठंडा गोश्त', गुलजार की 'तकसीम', अल्ताफ फातिमा की 'गैर मुल्क की लड़की', इंतिजार हुसैन की 'सीढ़ियां' तथा हयातुल्लाह अंसारी की 'शुक्रगुजार आंखें' विभाजन और विस्थापन के दर्द को अच्छी तरह अभिव्यक्त करती हैं।

पंजाबी कथा साहित्य में अमृता प्रीतम के कालजयी उपन्यास 'पिंजर' के अतिरिक्त 'पतवंते कातल', 'दीन ते दुनिया', 'खून दे सोहले', 'खोई हुई खुशबू' प्रमुख कृतियां हैं, जिनका कथानक विभाजन से उपजी जटिलताओं पर आधारित है। राज गिल, देवेंद्र सत्यार्थी, लोचन बख्शी, गुलजार सिंह संधू ने पंजाबी, वेद राही ने डोगरी, शेख अयाज ने सिंधी, होमेन बरगोहात्रि ने असमिया, समरेश बसु और मनोज बसु ने बांग्ला, जयंती दलाल ने गुजराती, नारायण गणेश गोरे ने मराठी कहानियों में विभाजन की व्यथा को अभिव्यक्ति दी है।

रचनाकारों ने अंग्रेजी भाषा में भी इस त्रासदी को अभिव्यक्त किया। खुशवंत सिंह का 'ट्रेन टू पाकिस्तान', सलमान रश्दी का 'मिडनाइट चिल्ड्रन', कृष्ण बलदेव वैद का उपन्यास 'द ब्रोकन मिरर', निसिद हजारी की कृति 'मिडनाइट फ्यूरीजः द डेडली लीगेसी आफ इंडियाज पार्टीशन', प्रो. यास्मीन खान का 'द ग्रेट पार्टीशन', अनीता देसाई का 'क्लियर लाइट आफ द डे', बाप्सी सिधवा लिखित 'आइस कैंडी मैन' विभाजन-काल के इर्द-गिर्द बुने गए चर्चित आख्यान हैं।

rgsverma.home@gmail.com

वर्ग पहेली-2719

बाएं से दाएं

1. सराबोर, अधिक भीगा हुआ (5)। 5. माता, मां (2)। 7. गलत, अनुचित (4)। 9. भगवान गणेश का प्रिय व्यंजन (3)। 11. टालमटोल (3)। 12. कर्ण बहुत बड़ा ... था (4)। 15. नस-नस, अच्छी तरह से (2,2)। 16. मनौती (3)। 17. एक कहावत है-चमड़ी जाए पर ... न जाए (3)। 19. ......मरने का अर्थ है-कष्ट में धीरे-धीरे मरना (2,2)। 21. अनुकूल अवसर, चोट, प्रहार (2)। 22. गैर-जरूरी, व्यर्थ (5)।

ऊपर से नीचे

2. राग, लय, स्वर की मधुरता (3)। 3. व्यक्तियों का संगठित समूह (3)। 4. बाबर द्वारा लिखी गई है यह पुस्तक (5)। 6. अच्छी फसल के लिए खेतों में डालते है इसे (2)। 8. सजीव (4)। 10. व्यायाम, वर्जिश (4)। 11. वट वृक्ष (4)। 13. नगराध्यक्ष (4)। 14. प्रसिद्धि प्राप्त करना (2,3)। 18. चालीस सेर की तौल (2)। 19. फूलों का रस चूसने वाला एक रंग-बिरंगा कीट (3)। 20. सुंदर नारी (3)।

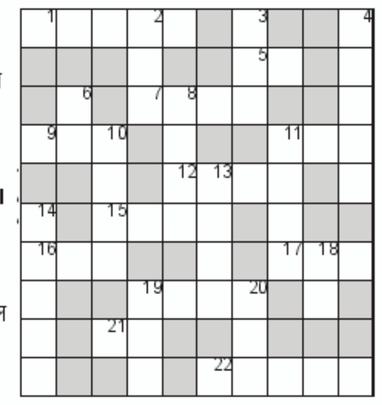

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

जागरण सुडोकू-2719

		7		3		5		4
2	1				5			3
		5			7		9	
9			1	2		4		7
		2			6		3	
1				8				6
5				1		9		
		1		7			4	
4			6		8	7		5

कल का हल

5	6	4	9	1	2	7	8	3
3	9	2	8	4	7	5	1	6
1	8	7	5	6	3	2	9	4
4	7	8	6	3	5	1	2	9
9	2	1	4	7	8	6	3	5
6	3	5	1	2	9	4	7	8
7	1	9	3	5	6	8	4	2
2	5	3	7	8	4	9	6	1
8	4	6	2	9	1	3	5	7

संगीतायन

सुनंदा शर्मा
नोएडा, उत्तर प्रदेश

शिव के प्रिय राग

भैरव, भैरवी, केदार और शिवरंजिनी भगवान शिव के प्रिय राग कहे जाते हैं। इनकी रचना में शिव जैसा गांभीर्य और लास्य दिखाई देता है...

भगवान शंकर संगीत के 'आदि' हैं। सृष्टि की रचना के साथ ही ध्वनि, स्वर, नाद की रचना हुई, हमारे ग्रंथ यही कहते हैं। कहा जाता है प्रथम पांच राग- राग भैरव, श्री, हिंडोल, दीपक, मेघ शंकर जी के मुख से ही निकले। 'राग भैरव' को प्रथम राग माना गया है, जो भगवान शिव का ही स्वरूप है। हिंदुस्तानी शास्त्रीय पद्धति में सर्वप्रथम राग भैरव सिखाया जाता है। अभिनव गीतांजलि में लिखा गया है :'कहे मियां तानसेन सुनो हो गुणीजन प्रथम राग भैरव ही तन मन दय साधिए।' यह शांत रस का प्रातः कालीन राग है।

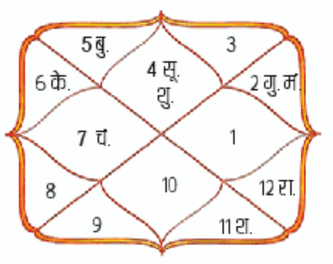

भगवान शंकर के प्रिय रागों में राग भैरवी भी है, जो कि देवी पार्वती का स्वरूप है। संगीत रत्नाकर ग्रंथ के अनुसार 'रंजयति इति रागः' अर्थात जो मन का रंजन करे, वही राग है। हमारी शास्त्रीय पद्धति में राग और रागिनियों की परंपरा है। संगीत ग्रंथ कहते हैं कि भैरवी राग वास्तव में रागिनी है, जो भगवान शिव को अति प्रिय है। इस रागिनी में बारह स्वरों का प्रयोग होता है और यह हर समय गाई-बजाई जा सकती है। राग भैरवी का भावात्मक परिचय 'राग रत्नावली' में लिखा है- 'एक तालाब के मध्य में स्फटिक मणि का मंदिर है। तालाब में कमल के फूल खिले हैं, जिन्हें लेकर भगवान शंकर की पूजा कर रहीं पार्वती 'भैरवी' रागिनी हैं।' आठों याम इस रागिनी की उपासना होती है, अतः इसे हर प्रहर में गाया जा सकता है। समारोहों में प्रायः राग भैरवी से ही समापन किया जाता है।

'केदार' शंकर जी का ही नाम है। इस राग का स्वरूप वक्र है। वक्र चलन होने से यह राग थोड़ा कठिन है, परंतु इस राग को गुरु से सीखकर गाया-बजाया जाए तो यह अत्यधिक ऊर्जावान प्रतीत होता है। भगवान शंकर का तेज इसमें समाहित है। इसके आरोह में 'रे' स्वर वर्जित होने के कारण यह षाडव-संपूर्ण जाति का राग है। ध्रुपद, धमार से लेकर फिल्म संगीत तक में इस राग का प्रयोग सुंदरता के साथ होता है।

वीर रस से ओतप्रोत 'राग शंकरा' जीवन में शक्ति संचार करने वाला राग है। यह भगवान शंकर के रौद्र और तांडव रूप को भी दर्शाता है। यह रात्रि के दूसरे प्रहर का राग है। इसके स्वरों का रख-रखाव अत्यंत निर्भीक और ओजपूर्ण है। संगीतकारों में मान्यता है कि इस राग का गायन, वादन या श्रवण मानसिक विकारों को भी दूर कर सकता है।

करुण रस वाला राग 'शिवरंजिनी' भी शिव जी को अत्यंत प्रिय है। इस राग में शास्त्रीय, उपशास्त्रीय एवं फिल्म संगीत में बहुत सुंदर गाने बनाए गए हैं। राग शिवरंजिनी पर लोकप्रिय गीत हैं : मेरे नैना सावन भादों...और रिमझिम के गीत सावन गाए...।

sunandash@gmail.com

पुस्तक परिचय

विचारों की लय

यह चेतन कश्यप का चौथा कविता संग्रह है। कविताओं को तीन खंडों में बांटा गया है-चांद कितना हसीन है, बचपन का समीकरण और एक क्लिक की बदौलत। कवि को चांद से विशेष लगाव है। चांद को विभिन्न कोणों से देखा गया है। बचपन का समीकरण और एक क्लिक की बदौलत खंड की कई अति लघु कविताएं परमाणु सा प्रभाव रखती हैं। कविताओं में विचारों की लय है।

पुस्तक : एक क्लिक की बदौलत
लेखक : चेतन कश्यप
प्रकाशक : न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन
मूल्य : 250 रुपये

विवेक भटनागर

आज का भविष्यफल- 12 अगस्त, 2024 सोमवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : श्रावण मास शुक्ल पक्ष सप्तमी का राशिफल।
राहुकाल : प्रातः 7 बजकर 30 मिनट से 9 बजे तक। **दिशाशूल :** पूर्व
पर्व एवं त्योहार : श्रावण सोमवार व्रत, दुर्गाष्टमी, **भद्रा :** प्रातः 7.56 से रात्रि 8.44 तक।

कल 13 अगस्त, 2024 का पंचांग
दिशाशूल : उत्तर **पर्व :** मंगलागौरी पूजन
विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु, श्रावण मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी 9 घंटे 32 मिनट तक, तत्पश्चात नवमी विशाखा नक्षत्र 10 घंटे 45 मिनट तक, तत्पश्चात अनुराधा नक्षत्र, ब्रह्म योग 16 घंटे 34 मिनट तक, तत्पश्चात ऐन्द्र योग, वृश्चिक में चंद्रमा।

मेष : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व उत्साहवर्धक होगी।
वृष : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।
मिथुन : रोग या विरोधी सक्रिय रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखयम होगा।
कर्क : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
सिंह : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।
कन्या : भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
तुला : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
वृश्चिक : बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
धनु : संतान के कारण चिंतित रहेंगे। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।
मकर : कार्यों में सफलता मिलेगी। भाई-बहन का सहयोग मिलेगा।
कुंभ : आर्थिक सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
मीन : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा में सफलता मिलेगी।

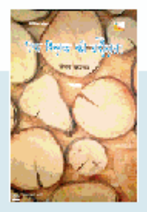

राष्ट्रीय फलक

श्री अमरनाथ यात्रा में दर्शनार्थियों ने तोड़ा 12 वर्ष का रिकार्ड

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- वर्ष 2012 में 6.22 लाख शिवभक्तों ने बाबा बर्फानी के दरबार में लगाई थी हाजिरी
- इस बार 29 जून से शुरू हुई यात्रा में अब तक 5.10 लाख से अधिक ने किए दर्शन

अमरनाथ धाम की यात्रा के लिए इस बार श्रद्धालुओं का चरम पर है। अभी यात्रा पूरी होने के आठ दिन शेष हैं, लेकिन दर्शनार्थियों की संख्या ने पिछले 12 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। 29 जून से शुरू हुई तीर्थयात्रा में अब तक 5.10 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। इससे पहले 2011 की पूरी तीर्थ यात्रा में 6.34 लाख और 2012 में 6.22 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। यात्रा 19 अगस्त को संपन्न होगी।

रविवार को 1244 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए। इनमें 613 पुरुष, 243 महिलाएं, 8 बच्चे, 25 साधु और 355 अन्य लोग शामिल थे। इसके साथ ही अब तक दर्शन करने वालों की संख्या 5,11,813 पहुंच गई है। हालांकि, रविवार को जम्मू यात्री निवास से श्रद्धालुओं का रवाना नहीं हुआ। इस वर्ष अनुच्छेद 370 की समाप्ति के पांच वर्ष पूरे होने पर पांच अगस्त को सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा के जत्थे को रवाना नहीं किया गया था, बाकी पूरी अवधि के दौरान यात्रा सुचारु रही। वर्षा के कारण मात्र एक बार पहलगाम व बालटाल मार्ग से यात्रा को स्थगित किया गया था। पिछले वर्ष जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के कारण यात्रा को चार बार स्थगित किया गया था। यात्रा के दोनों मार्गों पर 125 लंगर लगाए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी किस्म की परेशानी नहीं आई। फिलहाल, 80 से अधिक लंगर लौट गए हैं।

श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, संबंधित जिला प्रशासन, संबंधित विभागों, दो नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, 70 से अधिक कैंप निदेशक व अतिरिक्त कैंप निदेशकों की जिम्मेदारी से यात्रा सफलता के नए आयाम को छू रही है। हालांकि, श्रद्धालुओं की संख्या में आ रही कमी से रविवार को जम्मू से जत्थे को रवाना नहीं किया, लेकिन श्रीनगर से कुछ श्रद्धालु बालटाल के लिए रवाना हुए हैं। अब बालटाल मार्ग से यात्रा रवाना हो रही है।

हाई कोर्ट में फिर अटका ठाकुर बांकेबिहारी गलियारा

जागरण संवाददाता, मथुरा

- मंदिर कोष का भूमि अधिग्रहण में उपयोग की मांग पर फंसा पेच, 14 को सुनवाई
- पूर्व में कोर्ट ने गलियारा को मंजूरी देकर कहा था, अपने पास से बनवाए सरकार

मथुरा: वृंदावन स्थित ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर। जागरण आर्काइव

वृंदावन में भीड़ प्रबंधन के लिए ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में प्रस्तावित पांच एकड़ का गलियारा एक बार फिर इलाहाबाद हाई कोर्ट में अटक गया है। हाई कोर्ट ने पूर्व में गलियारा को हरी झंडी दी थी, लेकिन इसके लिए धन सरकार को खर्च करने को कहा था। सरकार ने बजट में 150 करोड़ रुपये की राशि का प्रविधान भी किया। इसके बाद सरकार ने रिव्यू पिटीशन दाखिल कर हाई कोर्ट से गलियारा के लिए भूमि अधिग्रहण करने को मंदिर के कोष में जमा धन का उपयोग करने की अनुमति मांगी है। मामला यहीं अटका है, जिस पर 14 अगस्त को सुनवाई होगी। अभी गलियारा की गतिविधियां बंद हैं।

2022 में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रात दो बजे होने वाली मंगला आरती के दौरान भगदड़ मचने से दो श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी, जबकि एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए थे। इससे कुछ दिन पहले ही हाई कोर्ट में वृंदावन के अनंत शर्मा ने जनहित याचिका दायर कर सरकार से मंदिर की व्यवस्था के बारे में पूछा था। सरकार ने घटना के बाद यहां पांच एकड़ में गलियारा प्रस्तावित किया था।

हाई कोर्ट में इसे लेकर रिपोर्ट दी। बीते वर्ष 20 नवंबर को हाई कोर्ट ने गलियारा को मंजूरी दे दी, लेकिन सरकार से साफ कहा कि मंदिर के धन का उपयोग न करे, अपने पास से निर्माण कराए। इस वर्ष लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सरकार ने प्रस्तुत बजट में 150 करोड़ रुपये का प्रविधान गलियारा निर्माण के लिए किया था। माना जा रहा था कि चुनाव बाद सरकार इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाएगी, लेकिन सरकार की ओर से धनराशि जारी नहीं की गई है। अब सरकार और जिला प्रशासन की ओर से रिव्यू पिटीशन पिछले माह दाखिल की गई, जिसमें कहा गया है कि वह गलियारा का निर्माण कराएगी, लेकिन भूमि अधिग्रहण मंदिर के नाम पर होगा। इसलिए मंदिर के कोष का उपयोग करने की अनुमति दी जाए। इस पर सेवायत फिर आपत्ति जता रहे हैं। 14 अगस्त को रिव्यू पिटीशन पर हाई कोर्ट में सुनवाई है। डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गलियारा पर निर्णय हाई कोर्ट को देना है।

हाई कोर्ट ने भी पूछा-सरकार ये बताए अब तक क्या किया

मंदिर के सेवायत और पक्षकार रजत गोस्वामी कहते हैं कि हाई कोर्ट ने ये भी पूछा है कि गलियारा के विकल्प के रूप में आज तक क्या कदम उठाए गए हैं। अभी तक आनलाइन व आफलाइन पंजीकरण से दर्शन की व्यवस्था क्यों शुरू नहीं की गई है। इस व्यवस्था से मंदिर में दर्शन कराएंगे, तो गलियारा की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। काशी विश्वनाथ, राम मंदिर व उज्जैन में महाकाल मंदिर के गलियारे निर्माण के लिए सरकार ने खुद धनराशि दी है।

श्रद्धा का महासावन

सावन माह की प्रत्येक तिथि व्रत और पर्व के समान

देवाधिदेव शिव की ब्रह्मा और विष्णु के त्रिवर्ग में ईश्वर के रूप में गणना होती है। पूजा, उपासना में शिव और उनकी शक्ति की प्रमुखता है। उन्हें सरलता की मूर्ति माना जाता है। सावन का महीना देवाधिदेव महादेव को अत्यंत प्रिय है। इस महीने की प्रत्येक तिथि, व्रत और पर्व के समान है। सावन में माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति रूप में पाने के लिए व्रत रख घोर तपस्या भी की। यही कारण है कि शिव भक्त सावन मास में शिवालयों में विशेष पूजन-अर्चन करने पहुंचते हैं और मनचाहा वरदान मांगते हैं। महाकाल शिव डमरू बजाते हैं और नृत्य भी करते हैं। यह प्रलयंकर की मस्ती का प्रतीक है। व्यक्ति उदास, निराश और खिन्न, विपन्न बैठकर अपनी उपलब्ध शक्तियों को न खोए, पुलकित-प्रफुल्लित जीवन जिए। शिव यही करते हैं, इसी नीति को अपनाते हैं। उनका डमरू ज्ञान, कला, साहित्य और विजय का प्रतीक है। डमरू का दिव्य नाद पुकार-पुकार कर कहता है कि शिव कल्याण के देवता हैं। उनके विचार रूपी खेत में कल्याणकारी योजनाओं के अतिरिक्त और किसी वस्तु की उपज नहीं होती। विचारों में कल्याण की लहरें हिलोरें लेती हैं। उनके हर शब्द में सत्यम, शिवम, सुंदरम की ही ध्वनि निकलती है। डमरू से निकलने वाली सात्विकता की दिव्य ध्वनि सभी को मंत्रमुग्ध-सा कर देती है।

डा. चिन्मय पण्ड्या,
देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति और आध्यात्मिक चिंतक

कुछ इस तरह दिखी भोले की भक्ति

पवित्र श्रावण मास को संपूर्ण भारत में काफी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। देवाधिदेव भगवान शंकर की पूजा को समर्पित इस माह के दौरान कांवड़ यात्रा का आयोजन विशेषरूप से होता है। जयपुर में रविवार को कांवड़ यात्रा के दौरान भगवान शंकर का एक भक्त उनका रूप धारण कर अद्भुत नृत्य करते हुए श्रद्धालुओं के ध्यानाकर्षण का प्रमुख केंद्र बना। प्रेट्र

राजकपूर व देव आनंद को समर्पित होगा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शिमला

जागरण संवाददाता, शिमला : 10वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शिमला में इस बार राजकपूर और देव आनंद के शताब्दी वर्ष के अवसर पर उनकी फोटो गैलरी प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। भारतीय फिल्म उद्योग में राजकपूर और देव आनंद के योगदान को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके जीवन के अद्भुत पलों और चर्चित फिल्मों के पोस्टर और जीवन यात्रा का प्रदर्शन किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का 10वां संस्करण 16 से 18 अगस्त तक गेयटी थियेटर शिमला में मनाया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इस वर्ष 27 देश और 20 राज्य भाग ले रहे हैं।

फेस्टिवल डायरेक्टर पुष्पराज ठाकुर ने कहा कि सिल्वर स्क्रीन से आगे बढ़कर और हिंदी सिनेमा की दो सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों राजकपूर और देव आनंद की आकर्षक फिल्मी दुनिया का दर्शक इस प्रदर्शनी में अवलोकन कर सकेंगे। भारत के विभिन्न प्रतिष्ठित फिल्म संस्थान और प्रोडक्शन हाउस मुख्य प्रदर्शनी के साथ अपनी फिल्में भी प्रदर्शित करेंगे।

कार्बेट के हाथी, जंगल के कमांडो व राजा के रक्षक

विश्व हाथी दिवस (12 अगस्त)

त्रिलोक रावत ● जागरण

- कार्बेट में बाघ संरक्षण में पालतू हाथियों की महत्वपूर्ण है भूमिका
- वनकर्मियों को पार कराते हैं नदी-नाले, चौकियों तक पहुंचाते हैं राशन

रामनगर (नैनीताल): हाथी जंगल की शान होते हैं। कुनबे में चलते हैं, कारिडोर से निकलते हैं तो जंगल भी इनकी मौजूदगी महसूस करता है। बाघों के लिहाज से अग्रणी कार्बेट नेशनल पार्क में 1226 जंगली हाथी हैं, लेकिन कार्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) ने जिन 13 हाथियों को जंगल रक्षकों की फौज में भर्ती किया है, वे सबसे खास हैं। महत्वपूर्ण इसलिए क्योंकि जंगल के राजा यानी बाघ की जान बचाने समेत वनकर्मियों की मदद में पालतू हाथियों की अहम भूमिका है। अब तक सौ से अधिक रेस्क्यू में इन हाथियों ने अपनी भूमिका निभाई है। जंगल में गश्त करने, वर्षा में स्टाफ को नदी-नाले पार कराने, वन चौकियों तक राशन पहुंचाने के अलावा घायल वन्यजीवों के रेस्क्यू में इनकी मदद ली जाती है।

कार्बेट नेशनल पार्क में बिना पालतू हाथियों के बाघ संरक्षण की बात बेमानी लगती है। कार्बेट प्रशासन इन्हें जंगल के कमांडों की संज्ञा देता है। वर्तमान में सीटीआर में 13 पालतू हाथियों में 11 मादा हैं। इसमें एक बच्चा भी शामिल हैं। कार्बेट के हाथी इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि रेस्क्यू में महावत से कमांड मिलने से पहले ही वह अपने काम को अंजाम देना शुरू कर देते हैं। सीटीआर के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डा. दुष्यंत शर्मा ने बताया कि बाघों के रेस्क्यू में हाथियों का विशेष योगदान रहता है। कई बार रेस्क्यू टीम को बाघ घेर लेता है तो यही हाथी बाघ से टीम का बचाव कर लेते हैं।

जैव विविधता में भी योगदान

हाथी वन्यजीवों की सुरक्षा के अलावा जंगल को बचाने में भी अपना योगदान देते हैं। हाथी पेड़ व टहनी के नीचे उगने वाले पौधे या अन्य खरपतवार, पेड़ से पत्ते व फल खाते हैं। जब वह जंगल में गोबर करते हुए गुजरते हैं तो गोबर के साथ बीज भी बाहर आते हैं। यही बीज जगह-जगह उगकर हरियाली बढ़ाते हैं।

कार्बेट टाइगर रिजर्व में बाघ के रेस्क्यू के दौरान पालतू हाथी। सौ. सीटीआर

कार्बेट टाइगर रिजर्व हाथियों के एक महत्वपूर्ण वासस्थल के रूप में है। ढिकाला, बिजरानी, कालागढ़, झिरना, हल्दूपड़ाव में हाथियों को पाला जा रहा है। कार्बेट के पालतू हाथी एक कमांडो की तरह ही अपने काम को अंजाम देते हैं।
- डा. साकेत बडोला, निदेशक सीटीआर

****

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

आजकल

सोमवार 12 अगस्त, 2024

14

www.jagran.com

खगोलशास्त्री आसफ हाल ने की मंगल के चंद्रमा डेमोस की खोज

1877 में आज ही के दिन अमेरिकी खगोलशास्त्री आसफ हाल ने नौसेना वेधशाला में मंगल ग्रह के चंद्रमा डेमोस की खोज की थी। डेमोस मंगल ग्रह के दो प्राकृतिक उपग्रहों में से एक है। दूसरे चंद्रमा फोबोस को भी हाल ने ही खोजा था। फोबोस, डेमोस की तुलना में मंगल के अधिक निकट है।

अमेरिका में आइबीएम ने पेश किया पहला पर्सनल कंप्यूटर

1981 में आज ही आइबीएम ने मैनहट्टन में पहले पर्सनल कंप्यूटर (पीसी), 5150 का अनावरण किया था। इंटेल 8088 प्रोसेसर द्वारा संचालित पीसी 16 किलोबाइट रैम, कलर ग्राफिक्स एडाप्टर, कीबोर्ड और बिना डिस्क ड्राइव के साथ आया था। कीमत 1,565 डालर थी।

अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक माने जाते हैं विक्रम साराभाई

भौतिक विज्ञानी विक्रम साराभाई का जन्म 1919 में आज ही के दिन अहमदाबाद में हुआ था। इंग्लैंड से उच्च शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटे एवं कास्मिक किरणों पर शोध शुरू किया। 1947 में अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना की। 1962 में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (अब इसरो) की स्थापना में योगदान दिया। 1966 में भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष बने और भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना और विकास में अहम योगदान दिया।

महिलाओं में अवसाद को दूर करने में मददगार हैं कुत्ते

अध्ययन ▶ 200 से अधिक महिलाओं को शामिल किया, जिनमें से 73 प्रतिशत बचपन में शारीरिक या यौन शोषण से बची हुई थीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : मनुष्य और कुत्तों की दोस्ती को दुनिया जानती है। कुत्ते के साथ पर्याप्त व्यायाम कर और खेलकर मूड बेहतर बनाने में मदद करते हैं, लेकिन इसके और भी फायदे हैं। पालतू जानवरों, खासकर कुत्तों के साथ मजबूत बंधन महिलाओं में चिंता और अवसाद को दूर करने में मदद कर सकता है, खासकर उन महिलाओं में जिन्होंने बचपन में आघात का अनुभव किया है। एक अमेरिकी शोध के अनुसार यह जानकारी सामने आई है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि पिछले अध्ययनों में मध्यम आयु वर्ग और उससे अधिक उम्र के वयस्क पालतू जानवरों के मालिकों में अवसाद और चिंता को देखा गया है, लेकिन इसके निष्कर्ष मिश्रित रहे हैं। हालांकि, एचआईवी/एड्स और अंतम चरण के कैंसर वाले रोगियों में चिंता और अवसाद के स्तर को कम करने के लिए पालतू जानवरों के साथ सक्रिय रूप से

- **जर्नल आफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जेएएमए) नेटवर्क ओपन में प्रकाशित किया गया अध्ययन**
- **बिल्लियों की तुलना में कुत्तों से लगाव के कारण बचपन में दुर्व्यवहार का अनुभव करने की कम संभावना थी**

कुतों से लगाव देर करता है तनाव। फाइल

जुड़ने का पहले भी अध्ययन किया जा चुका है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं सहित अन्य शोधकर्ताओं ने कहा कि पालतू जानवरों के सकारात्मक प्रभाव को केवल पालतू जानवरों के मालिक होने के बजाय उनसे जुड़ाव और लगाव के स्तर से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पालतू जानवरों के साथ मजबूत बंधन असुरक्षित मानव लगाव शैली से संबंधित है। जर्नल आफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जेएएमए) नेटवर्क ओपन में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 200 से अधिक महिलाओं को शामिल किया, जिनमें से करीब 73 प्रतिशत बचपन में शारीरिक या यौन शोषण से बची हुई थीं। औसतन महिलाओं की आयु 60 वर्ष थी। लेखकों ने महिलाओं के पालतू जानवरों के प्रति लगाव का आकलन करने के लिए प्रश्नावली का उपयोग किया और चिंता और अवसाद के स्तर को मापने के लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग किया। उन्होंने लिखा कि कुत्तों के प्रति लगाव रखने वाले प्रतिभागियों की तुलना में बिल्लियों के प्रति लगाव रखने वाले प्रतिभागियों में औसतन जीवन में धमकाने वाली घटनाओं का अनुभव होने की अधिक संभावना थी और बचपन में दुर्व्यवहार का अनुभव करने की कम संभावना थी।

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि बिल्लियों के प्रति लगाव रखने वाली महिलाओं में अवसाद और चिंता के मामले में आमतौर पर उच्च स्कोर था। कुत्तों के प्रति लगाव रखने वाली महिलाओं की तुलना में उनमें क्लिनिकल लक्षण दिखने की अधिक संभावना थी। हालांकि, कुल मिलाकर कुत्तों के प्रति अधिक लगाव कम तनाव के स्तर के साथ-साथ कम चिंता और अवसाद स्कोर से जुड़ा पाया गया।

लेखकों ने लिखा कि हालांकि यह क्लिनिकल प्रैक्टिस पर सीधे लागू नहीं होता है, लेकिन हमारे परिणाम विशेष रूप से कमजोर मालिकों के मनोवैज्ञानिक कल्याण को बेहतर बनाने वाले कारक के रूप में पालतू जानवरों के प्रति लगाव के एक महत्वपूर्ण पहलू की ओर इशारा करते हैं और इसलिए यह चिकित्सकों के लिए भी मूल्यवान होगा। उन्होंने कहा कि ये परिणाम उन लोगों के बीच मानव पशु संबंधों की जटिल प्रकृति और परिणामों के बारे में शोध में सहायक हैं, जिन्होंने बचपन के आघात के कारण असुरक्षित मानव लगाव शैली विकसित की हो सकती है।

'उड़नखटोले' का प्रदर्शन

पेरिस के वेसइय में रविवार को आधुनिक उड़नखटोले का प्रदर्शन किया गया। वोलोसिटी नामक यह ड्रोन एक विद्युत चालित विमान है जो एडीपी समूह से जुड़े जर्मन निर्माता वोलोकाप्टर द्वारा निर्मित है। वोलोसिटी एयर टैक्सी का उद्देश्य यात्रियों के रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों जैसे परिवहन केंद्रों के बीच आवागमन को सुगम बनाना है। प्रेट्र

इधर-उधर की

नौ वर्ष की बच्ची बनी शाओलिन कुंग फू स्टार

बच्ची ने अविश्वसनीय लचीलेपन से जजों को चौंकाया। इंटरनेट मीडिया

बीजिंग, एजेंसी: चीन की नौ साल की बच्ची ने इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर तहलका मचाया हुआ है। हेनान प्रांत की रहने वाली बच्ची का नाम झांग सिक्सुआन है। इस बच्ची ने विश्व शाओलिन खेलों के लिए दुनिया के कुछ प्रतिष्ठित कुंग फू मास्टरों को धूल चटाते हुए शाओलिन कुंग फू स्टार का खिताब अपने नाम किया है। शाओलिन कुंग फू चीनी संस्कृति पर आधारित प्राचीन मार्शल आर्ट है। नौ साल की इस बच्ची ने अपने शरीर के अविश्वसनीय लचीलेपन से जजों और दर्शकों को चौंका दिया।

अंतरिक्ष यान के लिए तापरोधी कवच तैयार करेगा एमएनएनआइटी

मृत्युंजय मिश्र ● जागरण

- **इसरो ने एब्लेटिव मैटेरियल विकसित करने के लिए एमएनएनआइटी को सौंपा प्रोजेक्ट**
- **आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत रीएंट्री स्पेस व्हीकल की तापरोधी क्षमता बढ़ाएंगे विज्ञानी**

अंतरिक्ष यान को तापरोधी बनाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सहायक प्रोफेसर डा. आशुतोष मिश्र। जागरण

प्रयागराज: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) पहले मानव मिशन वाले गगनयान प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसमें अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने और वापस लाने के लिए रीएंट्री अंतरिक्ष यान का विकास भी शामिल है। वायुमंडल में प्रवेश के समय घर्षण से होने वाले उच्च तापमान से अंतरिक्ष यान को बचाना एक बड़ी चुनौती है। इसका समाधान खोजने के लिए इसरो ने प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआइटी) के विज्ञानियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इसके तहत विज्ञानी फिनालिक कंपोजिट आधारित तापरोधी कोटिंग का विकास करेंगे, जो उच्च तापमान को झेलकर यान को सुरक्षित वापस लाने में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

एमएनएनआइटी में अप्लाइड मैकेनिक्स विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. आशुतोष मिश्र इस प्रोजेक्ट के प्रधान अन्वेषक, प्रो. मुकुल शुक्ल व अभिषेक तिवारी सह अन्वेषक हैं। डा. आशुतोष मिश्र बताते हैं कि पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश के दौरान अंतरिक्ष यान की बाहरी सतहें 1400-1800 डिग्री सेल्सियस के उच्च तापमान के संपर्क में आती हैं। उच्च गति और उच्च तापमान के संपर्क में आने से सतह के क्षरण की आशंका रहती है। इसे रोकने के लिए यान की बाहरी सतहों को थर्मल सुरक्षा प्रणाली प्रदान की जाती है। इस प्रोजेक्ट के तहत फेनोलिक रेजिन-आधारित कार्बन फाइबर प्रबलित (रीइन्फोर्स) कंपोजिट की तापरोधी क्षमता का अध्ययन कर ऐसे एब्लेटिव मैटेरियल का विकास किया जाएगा, जो रीएंट्री स्पेस व्हीकल की तापरोधी क्षमता को बढ़ाकर उच्च तापमान के प्रभाव से सुरक्षित रख सके।

एब्लेटिव मैटेरियल की कई परतों से सुरक्षित रहेगा यान : एब्लेटिव मैटेरियल एक प्रकार की सामग्री है, जो विशेष रूप से उच्च तापमान और दबाव की स्थितियों में उपयोग की जाती है। यह सामग्री अपने उच्च तापमान प्रतिरोध, मजबूती और टिकाऊपन के लिए जानी जाती है। आशुतोष मिश्र के अनुसार वायमंडल में प्रवेश करते समय उच्च तापमान के संपर्क में आने पर एब्लेटिव मैटेरियल परत दर परत निकलता जाएगा और यान के अंदर तापमान नहीं बढ़ेगा, इससे अंतरिक्ष यात्री और यान दोनों सुरक्षित रहेंगे। अनुसंधान में गणितीय माडलिंग का प्रयोग कर एब्लेटिव मैटेरियल की क्षरण प्रक्रिया और तापमान की वजह से होने वाली विकृति का अध्ययन करेंगे। क्षरण प्रक्रिया को समझने के लिए पोरोसिटी थ्योरी (सामग्री विज्ञान में पोरस सामग्री के गुणों को समझने के लिए) को आधार बनाया जाएगा और इसके बाद जो मैटेरियल तैयार होगा वह उच्च ताप में यान को सुरक्षित रखेगा।

डिप्रेशन के शिकार लोगों के लिए संगीत सुनना फायदेमंद

अनुसंधान

पश्चिमी शास्त्रीय संगीत उन रोगियों के दिमाग को सक्रिय करने में मदद कर सकता है, जिन पर एंटी डिप्रेशन उपचार का असर नहीं हो रहा। यह शोध जर्नल सेल रिपोर्ट्स में प्रकाशित किया गया है। इसमें ध्यान केंद्रित किया गया है कि ऐसे रोगियों के लिए संगीत थेरेपी विकसित करने में मदद की जा सकती है, जिसमें एंटी डिप्रेशन दवाएं लेने के बावजूद लक्षण बने रहते हैं।

अध्ययन में 13 रोगियों को शामिल किया गया। चीन के शंघाई जिओ टोंग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यह समझने के लिए उनके मस्तिष्क का अध्ययन किया कि संगीत कैसे अवसाद कम करने में सहायक होता है। इन रोगियों में मस्तिष्क को उत्तेजित करने के लिए इलेक्ट्रोड प्रत्यारोपित किए गए और उन्हें विस्तारित अमिगडाला सर्किट में रखा गया। अमिगडाला किसी की प्रेरणा और भावनात्मक व्यवहार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अग्रमस्तिष्क स्थित है, जो मस्तिष्क का सबसे बड़ा हिस्सा है। यह तर्क और भाषा जैसी प्रक्रियाओं में मदद करता है। एक्सटेंडेड अमिगडाला सर्किट अग्रमस्तिष्क में दो क्षेत्रों को जोड़ता है बेड न्यूक्लियस आफ स्ट्रा टर्मिनलिस (बीएनएसटी), जो तनाव को प्रबंधित करने में भूमिका निभाता है और न्यूक्लियस अकम्बेंस (एनएसी) जो आनंद का अनुभव करने में शामिल है। शोधकर्ताओं ने पाया कि शास्त्रीय संगीत तीन मस्तिष्क क्षेत्रों आडिटरी कार्टेक्स, जो सुनने में शामिल है, बीएनएसटी और एनएसी के बीच गतिविधि को बेहतर बनाकर अवसादरोधी का काम करता है। यह शोध तंत्रिका विज्ञान, मनोचिकित्सा और न्यूरोसर्जरी के क्षेत्रों को एकीकृत करता है। आइएएनएस

स्क्रीन शाट

अरशद वारसी को है आनलाइन शापिंग की लत

आगामी दिनों में जाली एलएलबी 3 में फिर वकील की भूमिका में दिखेंगे अरशद। इंस्टाग्राम - @gulati06

कहा जाता है कि महिलाएं शापिंग की सबसे ज्यादा शौकीन होती हैं। हालांकि इस मामले में अभिनेता अरशद वारसी भी पीछे नहीं हैं। ज्यादातर फिल्मों में अपनी कामेडी से लोटपोट करने वाले अरशद को एक खास चीज की लत है। वह लत है आनलाइन शापिंग की। मुन्नाभाई एमबीबीएस अभिनेता अरशद के मुताबिक जैसे लोग इंस्टाग्राम पर हर समय लगे रहते हैं वैसे ही उन्हें आनलाइन शापिंग की बीमारी है। वह सुबह उठते ही जबरदस्ती सोचते हैं कि उन्हें आज क्या खरीदना है। खास बात यह है कि यह कोई महंगी चीजें नहीं होती है, लेकिन ऐसी शापिंग वह जमकर करते हैं। आखिरी सामान उन्होंने पीठ खुजलाने वाला मंगवाया था। साथ ही बताया कि उनके घर में एक नई चीज आरंभ हुई है। वह है लूडो खेलना। उसका श्रेय वह खिलाड़ी अभिनेता अक्षय कुमार को देते हैं। अक्षय के साथ अरशद ने फिल्म बच्चन पांडेय की है। हाल ही में उनके साथ फिल्म जाली एलएलबी 3 की शूटिंग भी पूरी की है। अरशद के मुताबिक अक्षय सेट पर खाली समय में लूडो खेलते रहते हैं। वहीं उनके बच्चे ज्यादातर अपने मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में उन्हें उनके साथ समय बिताने का मौका नहीं मिलता। इसलिए उन्हें लूडो खेलने का आइडिया जम गया। अब तो उनकी पत्नी मारिया भी लूडो खेलने आ जाती हैं।

अच्छी फिल्म है मेरी प्राथमिकता

पंजाबी गायक और अभिनेता एमी विर्क ने साल 2021 में फिल्म भुज : द प्राइड आफ इंडिया से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। पिछले महीने प्रदर्शित फिल्म बैड न्यूज के बाद अब अक्षय कुमार के साथ उनकी एक और फिल्म खेल खेल में 15 अगस्त को रिलीज होने की कतार में है। एमी हिंदी सिनेमा में कुछ अन्य पंजाबी लेखकों और निर्देशकों को लाना चाहते हैं। उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश :

● भुज : द प्राइड आफ इंडिया के बाद दूसरी हिंदी फिल्म करने में तीन साल का समय क्यों लग गया? प्रस्ताव तो और भी आए होंगे?

-प्रस्ताव तो बहुत आते रहे, अभी भी हर रोज स्क्रिप्ट आती हैं। मैं यहां पर ज्यादा लोगों को जानता नहीं हूं। पंजाब में गाने बनाते समय हम देखते थे कि अगर मेरा नाम ठीक-ठाक है, प्रोडक्शन कंपनी अच्छी है, तो मेरे साथ नया म्यूजिक प्रोड्यूसर और वीडियो डायरेक्टर नया चल जाएगा। मतलब कोई दो चीजें स्थापित और दो नई हों तो प्रोजेक्ट चल जाता है। फिल्मों में भी मेरे लिए वही पैमाने है, यहां भी निर्देशक, लेखक, प्रोडक्शन हाउस और हीरो में से अगर दो बंदे तगड़े हों, तो प्रोजेक्ट चल जाते हैं। अब मेरी यही योजना है कि वही काम करूं, जिसमें कम से कम प्रोडक्शन हाउस बड़ा हो, निर्देशक और लेखक नए होंगे, तो चल जाएगा।

● पंजाबी इंडस्ट्री में अपने स्टारडम का हिंदी फिल्मों में काम मिलने में कितना फायदा देखते हैं?

-फायदा तो होता ही है। पाजी, एक्टिंग तो एक्टिंग होती है, उसमें कोई भाषाई बंदिशें नहीं होती हैं। हमें तो केवल डायलाग ही बोलने होते हैं, हालीवुड की फिल्म में इंग्लिश में बोलना पड़ता है, यहां हिंदी में। हमारे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि हम सरदार हैं, पगड़ी बांधते हैं, हिंदी में अगर थोड़ी पंजाबी मिलाकर भी बोल देंगे, तो लोग उसे स्वीकार करते हैं।

● आप और दिलजीत दोसांझ दोनों पंजाब से हैं, उनके साथ तुलना के लिए कितना तैयार हैं?

-होने दें तुलना, कोई समस्या नहीं। वो भी मेरे बड़े भाई हैं, उनसे हम बहुत सीखते हैं। अगर लोग मुझे उनसे नीचे भी रखेंगे तो मुझे स्वीकार है। उन्होंने मुंबई में हम पंजाबी कलाकारों का बहुत अच्छा प्रतिनिधित्व किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बहुत शानदार काम कर रहे हैं। भला, अच्छे बंदे के साथ कौन अपनी तुलना नहीं करना चाहता है। (हंसते हुए) आगे और अच्छी मेहनत करेंगे, हराएंगे दिलजीत पाजी को।

● फिल्म खेल खेल में को लेकर अब तक कैसी प्रतिक्रिया मिली है?

-अभी तक जिन लोगों ने भी वह फिल्म देखी हैं, उनसे डेढ़-दो मिनट के लंबे वाइस नोट्स आ रहे हैं। तापसी पन्नू, आदित्य सील, फरदीन खान, अक्षय कुमार, सभी ने मेरे काम की काफी तारीफ की और नोट्स भेजे। उम्मीद करता हूं कि यह फिल्म चले...।

● इतनी असफलताओं के बाद अब अक्षय के लिए भी फिल्म का चलना काफी अहम है...

-यह फिल्म शत-प्रतिशत चलेगी, मैं आपको लिखकर दे रहा हूं। यह फिल्म बहुत कमाल की है, उसकी कहानी बहुत अच्छी है। अक्षय पाजी तो कमाल के बंदे हैं, उनकी फिल्में चलें या न चलें, वो सुपरस्टार हैं, ऐसे ही रहेंगे। एक फिल्म नहीं चलेगी, उसके आगे वाली कोई चल जाएगी।

● क्या अब प्राथमिकताएं सिर्फ नायक या समानांतर नायक भूमिकाएं ही रहेंगी?

-नहीं-नहीं ऐसा कुछ नहीं है, मुझे एक डायलाग दे दो, अगर अच्छी फिल्म है तो मैं वह करूंगा। बैड न्यूज में मैं समानांतर लीड भूमिका में था। खेल खेल में तो कोई भी हीरो नहीं है। उसमें चार लड़के, तीन लड़कियां जो भी फ्रेम में दिख रहे हैं, सभी हीरो हैं, सभी हीरोइन हैं। पूरी फिल्म ही दो रातों की कहानी है। मेरा काम देखने के बाद दर्शक बताएंगे कि उन्हें मुझे कैसी भूमिका में देखना है।

(दीपेश पांडेय)

सेना की पृष्ठभूमि से जुड़ी एक्शन फिल्म करना चाहते हैं एमी ● जागरण आर्काइव »

फिल्म खेल खेल में के बाद आगे की क्या योजनाएं हैं?

फिलहाल तो इस फिल्म के प्रदर्शित होने तक मैं कोई और कहानी नहीं सुन रहा हूं। बाकी हमारी पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में एक-दो लेखक हैं, मैं उनको यहां कामेडी में लाना चाहता हूं। मेरा एक दोस्त है जगदीप सिद्धू, उन्होंने जट एंड जूलिएट 3, और किस्मत जैसी कई फिल्में लिखी हैं। वह बालीवुड में भी श्रीकांत और सन आफ सरदार 2 की लेखन टीम में शामिल रहे हैं। सन आफ सरदार 2 का निर्देशन कर रहे विजय कुमार अरोड़ा वरिष्ठ हैं, मेरे लिए तो पिता समान हैं। उनके अलावा बार्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह हैं।

अभिनय के साथ लेखन और निर्देशन में भी कदम रख सकते हैं नकुल

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में पंकज कपूर, देवेन भोजानी वरुण बडोला और परमीत सेठी जैसे कई कलाकार रहे हैं, जिन्होंने अभिनय के साथ-साथ लेखन और निर्देशन में भी हाथ आजमाया। अब इश्कबाज धाराबाहिक के अभिनेता नकुल मेहता भी लेखन और निर्देशन में उतरने की योजना बना रहे हैं। नकुल के अनुसार, वह बिग बास जैसे रियलिटी शो का हिस्सा न बनकर लेखन और निर्देशन की तरफ जाना पसंद करेंगे। वह कहते हैं, 'मैं कलाकार हूं, मेरा उद्देश्य लोगों का मनोरंजन करना है। इसके लिए मैं रियलिटी शो की मेजबानी करूंगा, अभिनय करूंगा। मैं कहानियां लिखूंगा, उम्मीद है अगर कभी मौका मिला तो उन्हें निर्देशित भी करूंगा। मेरा ध्यान हमेशा से इन्हीं चीजों पर रहा है। हम हर चीज को कमाई के नजरिए से नहीं देख सकते हैं। कुछ चीजें अपने लिए रखनी होती है। आप निजी अनुभव कला में मिलाकर किरदारों में प्रस्तुत करते हैं। अगर वो भी आपने सबके सामने रख दी फिर तो आपके पास कुछ बचा ही नहीं। फिर दर्शकों को नया क्या देंगे? मुझे लगता है कि अपनी कला की समृद्धि के लिए अपनी निजी जिंदगी को लोगों से बचाकर रखनी चाहिए।

वेब सीरीज डेयरिंग पार्टनर्स में नजर आएंगे नकुल। @nakuulmehta

जब मां ने आडिशन के बाद सलेक्ट होने पर पारुल के लिए रचा ड्रामा

कई बार जीवन में सब कुछ आसान होता है, लेकिन कुछ चीजें थोड़ा ड्रामा करने के बाद ही आगे भी बढ़ पाती हैं। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री पारुल गुलाटी के साथ भी रहा है। दैनिक जागरण से बातचीत में पारुल कहती हैं कि मुझे फिल्में देखना बचपन से ही पसंद रहा है। हालांकि कभी सोचा नहीं था कि हीरोइन बनने का मेरा सपना पूरा भी हो सकता है, क्योंकि मैं रोहतक से हूं। हिंदी मीडियम स्कूल में पढ़ी हूं, अंग्रेजी नहीं आती थी। फेसबुक पर एक्टिंग प्रोजेक्ट का आफर मिला था। भाई से कहा कि आडिशन के लिए मेरे साथ चलो। राखी और दिवाली पर रिश्तेदारों से मिले चार-पांच हजार रुपये जमाकर रखे थे। उससे पोर्टफोलियो शूट करने वाली थी। 1800 रुपये की ट्रेन की दो टिकट निकाली। आडिशन के बाद सलेक्ट हो गई और शो के लिए पचास हजार का आफर मिला। जब मुंबई के लिए निकलना था, तो पापा ने मना कर दिया कि नहीं जाना है। मैं मम्मी के सामने रोने लगी। मम्मी को भी लगा कि मुझे कोई पछतावा नहीं होना चाहिए। पता नहीं उनको क्या हुआ। उन्होंने कमरे से बाहर निकलकर पूरा ड्रामा किया और कहा कि अगर मेरी बेटी नीशू (पारुल के घर का नाम) को कुछ हुआ तो देख लेना। फिर क्या था, सब मान गए।

अभिनय के साथ अपना बिजनेस भी चलाती हैं पारुल। @gulati06

'तेरे इश्क में' का निर्देशन करेंगे आंनद एल राय। इंस्टाग्राम - @aanandlrai

'तेरे इश्क में' से होगा नया विमर्श : आनंद

हिंदी फिल्मों में इन दिनों रोमांस की कमी काफी महसूस की जा रही है। फिल्म फिर आई हसीन दिलरूबा के निर्माता आनंद एल राय भी यही मानते हैं। उनका कहना है कि वह रोमांटिक फिल्में बनाए बिना नहीं रह सकते। अब वह फिल्म एक और प्रेम कहानी 'तेरे इश्क में' का निर्देशन करने की तैयारी में हैं। धनुष अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग साल के अंत में आरंभ होगी। आनंद के मुताबिक फिल्म के दोनों नायकों के पास प्यार की दो परिभाषाएं होंगी और इसके कारण मतभेद होगा। यह इस बात से उपजा है कि आज की पीढ़ी अपनी भावनाओं को कैसे रोकती है। मेरी पीढ़ी के पास प्यार की एक परिभाषा है और आज की पीढ़ी के पास दूसरी। इस मतभेद से रोष पैदा होगा। आनंद के मुताबिक प्रेम कहानी हमेशा से पसंद की जाती है। वह कहते हैं कि मुझे लगता है कि मेरी प्रेम कहानी का इंतजार करने वाले दर्शकों की संख्या बहुत ज्यादा होगी, लेकिन दिक्कत यह है कि इस समय ऐसी कोई लव स्टोरी नहीं है जो आपको उत्साहित कर सके। यह हालीवुड में भी नहीं हो रहा है। दुनिया को मार्वल्स की फिल्मों ने अपने कब्जे में ले लिया है। हम एक ऐसे मुकाम पर हैं जहां मेरी अपनी कहानियां, चाहे वह तनु वेड्स मनु हो या रांझणा, जो मुझे कल तक असली लगती थीं, आज प्रेरणात्मक लगती हैं।

'स्त्री 2' में श्रद्धा के पात्र में दिखेंगी कई परतें ● जागरण आर्काइव

जिंदगी से कोई शिकायत नहीं : श्रद्धा कपूर

कलाकारों को उनके काम की सराहना के साथ उनके लुक को लेकर बहुत सारी प्रतिक्रियाएं अक्सर मिलती हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान जब एक प्रशंसक ने अभिनेत्री श्रद्धा कपूर से पूछा कि दुनिया की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री होने को लेकर कैसा लगता है? इस सवाल को लेकर श्रद्धा पहले तो थोड़ा विस्मित हुईं फिर मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि मम्मी पापा से पूछकर आती हूं। फिर प्रशंसक का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इसका श्रेय मेरे माता-पिता को ही जाता है। श्रद्धा 15 अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्म स्त्री 2 में नजर आएंगी। इस हारर कामेडी फिल्म में उनके पात्र की शक्ति चोटी में निहित रहती है। असल जिंदगी में उनके पास कौन सी शक्ति है, जिससे वह खुश रहती हैं? इस बाबत श्रद्धा ने कुछ पल सोचते हुए कहा कि खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि बचपन का सपना हकीकत में बदल गया है। उसे रोज जीती हूं। मुझे अपने प्रशंसकों से ढेर सारा प्यार मिलता है। उससे हमेशा अभिभूत रहती हूं। मुझे नहीं लगता कि मेरे पास शिकायत करने के लिए कुछ है। मेरे पास जो कुछ है उसके लिए जिंदगी की आभारी हूं। मेरे पास मेरे परिवार का सपोर्ट है। मैं मौसियों (पद्मनी कोल्हापुरे और तेजिस्वनी कोल्हापुरे) के काफी करीब हूं।

****